दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

n वर्ष : 10 अंक : 142 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, सोमवार 16 जून, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 2 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

उतराखंड में हेलिकॉप्टर क्रैश, 7 की मौत, दो दिन हवाई सेवा पर रोक

जयपुर टाइम्स

रुद्रप्रयाग(एजेंसी)। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग के गौरीकुंड क्षेत्र में बड़ा हादसा हुआ है। रविवार को सुबह-सुबह केदारनाथ रूट पर श्री केदारनाथ धाम से गुप्तकाशी जा रहा एक हेलिकॉप्टर गौरीकुंड के पास क्रैश हो गया। हेलिकॉप्टर में कुल सात लोग सवार थे। दर्दनाक हादसे में सातों लोगों की मौत हो गई, मृतकों में 23 महीने का बच्चा भी शामिल है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीमें भी पहुंच गई हैं। अगले आदेश तक हेलिकॉप्टर सेवा रोक दी गई है। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने केदारनाथ-गौरीकुंड के बीच हुए हेलीकॉप्टर हादसे के बाद सीएम आवास से वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वर्चुअल उच्च स्तरीय बैठक की। उच्च स्तरीय बैठक में राज्य के मुख्य सचिव, आपदा प्रबंधन सचिव, यूकाडा के सीईओ, गढ़वाल कमिश्नर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। दो दिन हेली सेवा के संचालन पर रोक लगा दी गई है। जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह आर्यन कंपनी का हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। गौरीकुंड क्षेत्र में यह हादसा हुआ है। घटना सुबह 5.30 बजे की बताई जा रही है। हेलिकॉप्टर के क्रैश होने की वजह खराब मौसम बताई जा रही है।

हेलिकॉप्टर नोडल अधिकारी राहुल चौबे और जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने हेलिकॉप्टर के क्रैश होने की पुष्टि की है। गौरीकुंड के ऊपर घास काट रही नेपाली मूल की महिलाओं ने हेलिकॉप्टर क्रैश होने की सूचना दी।जानकारी के अनुसार, दर्दनाक हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है। एक दंपती और उनका 23 महीने का बच्चा भी शामिल है, जयसवाल परिवार महाराष्ट्र का बताया जा रहा है। दो लोग स्थानीय है, विनोद नेगी और विक्रम सिंह रावत शामिल हैं। विक्रम सिंह रावत बीकेटीसी के कर्मचारी थे। मृतकों में राजकुमार जयसवाल, श्रद्धा जयसवाल, काशी जयसवाल, तुष्टि सिंह, विनोद, विक्रम सिंह और कैप्टन राजीव शामिल हैं। शवों के बुरी तरह से जले होने की सूचना है। बताया जा रहा है कि हेलिकॉप्टर गौरी माई खर्क से ऊपर जंगल में गिरा है। उत्तराखंड में हुई हेलिकॉप्टर दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हेलिकॉप्टर संचालन को लेकर कड़े निर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हेली सेवाओं के संचालन के लिए सख्त एसओपी तैयार की जाए, जिसमें हेलिकॉप्टर की तकनीकी स्थिति की पूर्ण जांच और उड़ान से पूर्व मौसम की सटीक जानकारी लेना अनिवार्य किया जाए। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि तकनीकी विशेषज्ञों की एक समिति का गठन किया जाए, जो हेली संचालन की सभी तकनीकी व सुरक्षा पहलुओं की गहन समीक्षा कर एसओपी तैयार करेगी।

हाईवे पर हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

इससे पहले, सात जून को केदारघाटी के बडासू हेलिपैड से केदारनाथ के लिए टेकऑफ करते समय हेलिकॉप्टर में तकनीकी खामी आने पर पायटल ने रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे पर इमरजेंसी लैंडिंग करा दी। इस दौरान पायलट के पीठ में चोट आई। हेलिकॉप्टर में सवार सभी पांच यात्री सुरक्षित थे। पायलट को अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया था। सात जून को दोपहर 1.02 बजे क्रिस्टल कंपनी के हेलिकॉप्टर ने पांच यात्रियों के साथ बडासू हेलिपैड से केदारनाथ के लिए उड़ान भरी थी। हेलिकॉप्टर हेलिपैड से बमुश्किल दो मीटर ऊपर ही उठ पाया था कि कुछ तकनीकी खामी आ गई, जिसे भांपते हुए पायलट ने हेलिपैड से ठीक नीचे रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे पर इमरजेंसी लैंडिंग करा दी। जिससे हेलिकॉप्टर की टेल क्षतिग्रस्त होकर सड़क पर खड़ी कार पर जा गिरी। साथ ही हेलिकॉप्टर के पंखों के चपेट में आने से दुकान का आगे का हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। संयोग से उस समय हाईवे पर कोई वाहन और राहगीर नहीं गुजर रहा था। इससे पहले, उत्तरकाशी जिले में आठ मई की सुबह एक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया था। इस हादसे में पायलट समेत छह लोगों के मौत हो गई थी। जबकि एक घायल को एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया था। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन के साथ ही आपदा प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर गंगनानी के पास एक हेलिकॉप्टर क्रैश होने की सूचना पर पुलिस, एसडीआरएफ, फायर, मेडिकल व अन्य आपदा राहत दल मौके पर पहुंचे थे। हेलिकॉप्टर एयरोट्रांस कंपनी का था, जिसने आठ मई की सुबह सहस्त्रधारा हेलीपैड से हर्षिल के लिए उड़ान भरी थी।

हादसे में इनकी गई जान

1. विक्रम(46) निवासी ग्राम रांसी, तहसील ऊखीमठ, जिला रुद्रप्रयाग
2. विनोद देवी(66) निवासी हाउस नंबर. 429, सिविल लाइन 2, बिजनोरराम बैग कॉलोनी, बिजनौर, उत्तर प्रदेश
3. तुस्ती सिंह(19) निवासी हाउस नंबर 429, सिविल लाइन 2, बिजनोरराम बैग कॉलोनी, बिजनौर, उत्तर प्रदेश।
4. राजुकुमार सुरेश जायसवाल(41) निवासी वाणी नंदेपेरा रोड, सैन मंदिर, महाराष्ट्र।
5.शारदा राजकुमार जायसवा (35) निवासी वाणी नंदेपेरा रोड, सैन मंदिर, महाराष्ट्र।
6. काशी (23 महीने की बच्ची) निवासी, वाणी नंदेपेरा रोड, सैन मंदिर, महाराष्ट्र।
7. कैप्टन राजीव, रेसि. राजस्थान. (आर्यन अवेशन)

एएआईबी करेगा दुर्घटना की जांच

हेलिकॉप्टर हादसे की जांच एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो(एएआईबी) करेगा। डीजीसीए का कहना है कि एहतियात के तौर पर पहले ही चार धाम के लिए हेलिकॉप्टर संचालन की आवृत्ति कम कर दी है और आगे की कार्रवाई के लिए संचालन की निगरानी और समीक्षा कर रहा है।

राजस्थान के जवान की पश्चिम बंगाल में गोली मारकर हत्या

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में ड्यूटी के दौरान चौमूं के रतन सिंह शेखावत की मौत हो गई है। रतन सिंह चौमूं उपखंड क्षेत्र के खन्नीपुरा गांव के रहने वाले थे। मिली जानकारी के अनुसार शहीद बीएसएफ जवान का पार्थिव शरीर सोमवार को उनके पैतृक गांव लाया जाएगा। साथी जवान ने मारी गोली बीएसएफ से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ में हेड कॉन्स्टेबल रतन सिंह शेखावत को उनके साथी जवान ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना शनिवार रात करीब 10.30 बजे धुलियान में सीमा सुरक्षा बल कैंप में हुई। जानकारी के अनुसार, बीएसएफ कैंप में कॉन्स्टेबल शिवम कुमार मिश्रा और हेड कॉन्स्टेबल रतन सिंह शेखावत के बीच किसी बात को लेकर बहस हो गई थी। बहस के बाद हेड कॉन्स्टेबल रतन सिंह शेखावत पर बीएसएफ के कॉन्स्टेबल शिवम कुमार मिश्रा ने कई राउंड फायरिंग कर दी, जिससे रतन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत ही अस्पताल ले जाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दोनों जवान बीएसएफ की एक यूनिट में तैनात थे। मुर्शिदाबाद में हाल ही में हुई सांप्रदायिक झड़पों के बाद इलाके में तैनात किया गया था। बीएसएफ ने कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया है और घटना के पीछे के सटीक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

खालिस्तान समर्थकों को लताड़ा

कनाडा के पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो सबसे कमजोर प्रधानमंत्रीः जेसी

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। सिख ऑफ अमेरिका के संस्थापक और अध्यक्ष जसदीप सिंह जेसी ने खालिस्तान समर्थकों को लताड़ा है। उन्होंने कनाडा के पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो को सबसे कमजोर प्रधानमंत्री करार दिया। उन्होंने कहा कि ट्रूडो के कार्यकाल के दौरान खालिस्तानी समर्थन बढ़ा। यह नए पीएम मार्क कार्नी के नेतृत्व में कम हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि मार्क कार्नी के प्रधानमंत्री बनने के बाद मुझे लगता है कि खालिस्तानी समर्थन और खालिस्तानी प्रभाव जो हमने अतीत में देखा था, अब ऐसा नहीं होता। जस्टिन ट्रूडो अपने पिता की तरह ही एक बहुत ही कमजोर प्रधानमंत्री थे और उनके पास भारत के खिलाफ एक एजेंडा था, जो खत्म हो गया है। जेसी ने कहा कि अब कनाडा में खालिस्तानी प्रभाव नहीं है। खालिस्तानी आबादी का बहुत ही छोटा हिस्सा है। भारत से बाहर रहने वाले अधिकांश सिख भारत, पंजाब से प्यार करते हैं, और चाहते हैं कि भारत और पंजाब आगे बढ़ें। मैं खालिस्तानियों को सिख भी नहीं मानता क्योंकि वे सिख सिद्धांतों पर काम नहीं करते। उन्होंने जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए पीएम मोदी को कनाडा की ओर से दिए गए निमंत्रण का स्वागत किया और इसे भारत-कनाडा संबंधों का सकारात्मक विकास बताया। उन्होंने पीएम मोदी को आमंत्रित करने के लिए कार्नी की सराहना की और कहा कि यह दोनों देशों के लिए एक नई शुरुआत है। जेसी ने कहा कि पीएम मोदी को आमंत्रित करने का कनाडा का निर्णय बहुत अच्छा है। भारत एक बहुत मजबूत राष्ट्र है। अच्छी समझ की जीत हुई और मैं पीएम मोदी को आमंत्रित करने के लिए कनाडाई पीएम मार्क कार्नी की सराहना करता हूं। यह एक बहुत अच्छे रिश्ते की शुरुआत है।

योगी देश के सबसे सफल और लोकप्रिय मुख्यमंत्रीः अमित शाह

जयपुर टाइम्स

लखनऊ(एजेंसी)। केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नवचयनित 60,244 सिपाहियों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में कहा कि उत्तर प्रदेश में पहले भी पुलिस में भर्तियां होती थी, लेकिन इस बार इसकी संख्या से ज्यादा महत्वपूर्ण है कि किसी को नौकरी पाने के लिए एक पाई की रिश्वत नहीं देनी पड़ी। बिना खर्ची, पर्ची, सिफारिश और भ्रष्टाचार के योग्यता के आधार पर नौकरी दी गई है। किसी भी सरकार के लिए इससे बड़ी उपलब्धि नहीं हो सकती है। नवचयनित सिपाहियों से कहा कि गुंडे-माफिया आप से डरें, वहीं गरीब, आदिवासी, मजलूम आपको मसीहा समझें। मंगलवार को वृंदावन योजना स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री और मुख्यमंत्री अमित शाह ने 15 नवचयनित सिपाहियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। इस अवसर पर दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी समेत तमाम मंत्री मौजूद थे। अमित शाह ने कहा कि आज युवाओं के लिए शुभ दिन है। प्रदेश के हर जिले और तहसील के युवा पुलिस बल का हिस्सा बनने जा रहे हैं। आजादी के समय देश के बाकी पुलिस बलों के साथ यूपी की तुलना होती थी, लेकिन कुछ सालों में यहां कानून-व्यवस्था बिगड़ती चली गई। वर्ष 2017 में भाजपा की सरकार बनने के बाद योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश पुलिस नई बुलंदियों की ओर बढ़ रही है। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश में पुलिस बल के आधुनिकीकरण की शुरुआत की गई, लेकिन यूपी में करीब तीन साल तक इस पर रोक लगी रही। केंद्र की योजनाओं को यूपी में नकार दिया जाता था। नवचयनित सिपाहियों से कहा कि वर्ष 2047 में भले ही हम लोगों में कोई न हो, लेकिन आप लोग देश को दुनिया में पहले नंबर की पोजीशन हासिल करते हुए देखेंगे। इसमें यूपी का योगदान सबसे ज्यादा होगा। इसके लिए हर क्षेत्र में काम करना होगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि योगी आदित्यनाथ सबसे सफल और लोकप्रिय मुख्यमंत्री हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में योगी केंद्र की सामाजिक सुरक्षा की तमाम योजनाओं को धरातल पर उतारने का काम कर रहे हैं। अब यूपी नवनिर्माण की राह पर आगे बढ़ रहा है। यूपी को विकसित के साथ सुरक्षित बनाने का जिम्मा आप सभी का है। दंगे का गढ़ माना जाने वाला प्रदेश अब दंगामुक्त हो चुका है। यहां न्याय का शासन है। गुंडों का फरमान नहीं चलता है। अपराधियों को वीवीआईपी कल्चर नहीं मिलता है। मोदी राज में देश सुरक्षित हुआ है। देश के 11 राज्यों में कांग्रेस सरकार के दौरान नक्सलवाद हावी था, जो अब सिमटकर तीन जिलों में रह गया है। मेरा वादा है कि मार्च, 2026 में ये भी नक्सलमुक्त हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा 24 जून से 9 जुलाई तक

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जनहित को सर्वोपरि रखते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा की घोषणा की है। यह पखवाड़ा 24 जून से 9 जुलाई 2025 तक आयोजित किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न विभाग राज्य के अंतिम व्यक्ति तक सेवाएं पहुँचाने का कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री आवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश भर के एसीएस, शासन सचिव, सचिवों, संभागीय आयुक्तों और जिला कलेक्टरों से संवाद कर दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री का विजन अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे सरकार की सेवा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यह पखवाड़ा प्रदेश के प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी के लिए जनता के कार्यों को प्राथमिकता देने का अवसर है। सभी विभागों को जनहित से जुड़े मामलों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए गए हैं। लंबित नोटिसों की तामील, पत्थर घड़ी व सीमाज्ञान प्रकरणों का समाधान, नामांतरण प्रकरणों का त्वरित निस्तारण।

वन विभाग
पौधों का वितरण व हरियालो राजस्थान अभियान के तहत व्यापक पौधारोपण।

खाद्य विभाग
एनएफएसए के तहत लंबित प्रकरणों का निस्तारण, आधार सीडिंग, ई-केवाईसी एवं नवीन पात्र परिवारों को योजना से जोड़ना।

शिक्षा विभाग
विद्यालय परिसरों की सफाई, अनुपयोगी व जर्जर सामग्री का निस्तारण, प्रवेशोत्सव, स्कूलों का क्रमोन्नयन, नए संकाय प्रारंभ करना और स्कूटी वितरण।

ऊर्जा विभाग
बिजली के झूलते तारों को व्यवस्थित करना तथा तारों से संपर्क में आने वाले पेड़ों की छंटाई। लंबित जल कनेक्शन जारी करना, पानी की टंकियों की सफाई, नहरी क्षेत्रों में विवादों का समाधान। मुख्यमंत्री ने पशुपालन, उच्च शिक्षा, स्वायत्त शासन, चिकित्सा व स्वास्थ्य, पंचायतीराज सहित अन्य विभागों को भी इस पखवाड़े के दौरान विशेष अभियान चलाकर लंबित कार्यों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

उतराखण्ड में जयपुर का राजवीर उड़ा रहा था हेलीकॉप्टर, दर्दनाक मौत

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। केदारनाथ के समीप गौरीकुंड इलाके में हुए हेलीकॉप्टर हादसे में पायलट राजवीर सिंह चौहान की मौत से उनके परिवार में मातम छाया हुआ है। जयपुर निवासी राजवीर सिंह चौहान की पत्नी दीपिका भी सेना में कार्यरत हैं। हादसे के कुछ ही महीने पहले चौहान दंपति के घर जुड़वां बच्चों ने जन्म लिया था। बता दें कि राजवीर सिंह चौहान ने देश की सेवा में 14 साल भारतीय सेना में सेवाएं दी थीं। सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने कुछ माह पूर्व ही आर्यन एविएशन कंपनी में बतौर पायलट नई पारी शुरू की थी। उनका पैतृक गांव दौसा जिले के महुआ के पास स्थित है। हादसे की खबर मिलते ही चौहान परिवार के घर पर सेना और पुलिस के अधिकारी, जवान व रिश्तेदार पहुंचे। गांव में शोक की लहर है। परिवार के लिए यह हादसा और भी ज्यादा दर्दनाक है, क्योंकि महज चार माह पहले ही राजवीर की पत्नी ने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया था। राजवीर की असमय मौत से पूरा परिवार गहरे सदमे में है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया एक्स पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए लिखा है कि केदारनाथ में हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से हुई राजस्थान के पायलट तथा अन्य श्रद्धालुओं की जनहानि का समाचार अत्यंत दुःखद है। बाबा केदार दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान व शोकाकुल परिवार को यह वज्रपात सहन करने की शक्ति प्रदान करें। कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने इस दुखद हादसे पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट डाली है।

पुणे में इंद्रायणी नदी पर पुल ढहने से चार की मौत, 18 घायल

जयपुर टाइम्स

पुणे (एजेंसी)महाराष्ट्र के पुणे जिले में पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस स्टेशन के अंतर्गत कुंदामाला गांव के पास इंद्रायणी नदी पर बना एक पुल ढह से चार लोगों की मौत हो गई। वहीं इस हादसे में 18 लोग घायल हैं। एनडीआरएफ की तरफ से चलाए गए रेस्क्यू ऑपरेशन में कई लोगों को बचाया गया है। जिसमें कई घायल की हालत गंभीर है। मामले अधिकारियों ने बताया कि बचाए जाने के बाद उपचार के दौरान दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोगों के शव पुल के ढहे हुए हिस्से के नीचे से बरामद किए गए। तालेगांव दाभाड़े पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक प्रदीप रायन्नावर ने कहा, 'ढांचे के नीचे से दो शव बरामद किए गए हैं, लेकिन हमें संदेह है कि एक व्यक्ति वहां फंसा हुआ है। व्यक्ति का पता लगाने और उसे बचाने के प्रयास जारी हैं।' इंद्रायणी नदी पर पुल ढहने पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'मावल में पुल ढहने की घटना हुई है। मैंने डिविजनल कमिश्नर, तहसीलदार और पुलिस कमिश्नर से बात की है। कुछ लोग घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया है। कुछ लोग फंसे भी हैं। NDRF की टीम वहां पहुंच रही है...पूरी जानकारी मिलने के बाद ही मैं इस बारे में जानकारी दूंगा। अभी प्रशासन लोगों को राहत पहुंचाने की पूरी कोशिश कर रहा है'। इस घटना को लेकर सीएम फडणवीस ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- पुणे जिले के इंदौरी में तलेगांव के पास इंद्रायणी नदी पर बने पुल के ढहने से हुए हादसे की खबर सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई है।

हादसे में अब तक 38 लोगों को बचाया गया

जिला प्रशासन की ओर से जारी बयान में बताया गया कि, 'इस दुर्घटना में अब तक 38 लोगों को बचाया गया है, जिनमें से 18 गंभीर रूप से घायल हैं और उनका तीन अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हो गई।' इसमें कहा गया कि ऐसी आपात स्थितियों से निपटने के लिए विशेष इकाई राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीमें, साथ ही अग्निशमन विभाग, पुलिस और स्थानीय बचाव संगठनों के कर्मी बचाव और राहत प्रयासों में शामिल हैं। बारिश के बीच भीड़ को आकर्षित करने के बावजूद मौके पर पुलिस की मौजूदगी न होने के बारे में पूछे जाने पर मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि इसकी जांच की जाएगी। उन्होंने कहा, 'यह देखा गया है कि मानसून के दौरान खतरनाक स्थानों के बारे में लगातार चेतावनी दिए जाने के बावजूद लोग अपनी जान जोखिम में डालकर वहां जाते हैं। हम पर्यटकों से अपील करते हैं कि वे ऐसी जगहों पर जाकर अपनी जान जोखिम में न डालें।'

केंद्रीय वन मंत्री ने टहला सीएचसी भवन सहित साढे 27 करोड की लागत के विकास कार्यों का किया लोकार्पण

पर्यावरण संरक्षण के साथ पर्यटन को बढावा देकर विकास को गति दी जाएगी - केंद्रीय वन मंत्री यादव

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री तथा अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव ने रविवार को थानागाजी क्षेत्र में टहला में साढे 5 करोड रूपये की लागत से नव निर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित साढे 27 करोड से अधिक लागत के एक दर्जन से अधिक विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

अलवर में पर्यटन की असीम संभावनाएं, इसके विकास को दी जाएगी गति

केंद्रीय मंत्री यादव ने आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि थानागाजी-टहला क्षेत्र में पर्यटन एवं विकास की असीम संभावनाएं हैं और यहां उदयनाथ जी, पारासर जी, नीलकण्ठ महादेव, पाण्डुपोल एवं नारायणी माता धाम आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ-साथ अजबगढ-भानगढ एवं काकरवाडी किला पर्यटन के लिए उत्कृष्ट स्थानों में से एक है, यहां पर्यावरण के साथ तालमेल रखते हुए विकास को गति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरिस्का के एलीवेटेड रोड के विषय पर स्थानीय लोगों की भावना के मद्देनजर सकारात्मक रूप से कार्य किया जाएगा। उन्होंने जिन विकास कार्यों का लोकार्पण हुआ है इससे क्षेत्र के लोगों की सुविधाओं में विस्तार होगा और स्थानीय स्तर पर ही बेहतर चिकित्सा सुविधा आदि मिल सकेगी।

साथ ही विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया

इस अवसर पर जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता व महासिंह चौधरी, रामहेत सिंह यादव, सीएमएचओ डॉ. योगेन्द्र शर्मा, संजय नरूका, बन्नाराम मीणा, ऋषिराज शर्मा, महंत बाबूलाल शर्मा सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

उदयनाथ गिरी आश्रम का किया दौरा, कैम्प फण्ड से होगा वन क्षेत्र का विकास

केंद्रीय मंत्री यादव ने थानागाजी के गांव टोडी लुहारान में स्थित उदयनाथ गिरी आश्रम में पहुंचकर उदयनाथ महाराज की समाधि पर ढोक देकर देश व प्रदेश की खुशहाली की कामना की। उन्होंने आश्रम के द्वारा जन सहयोग से विकसित किए गए वन क्षेत्र का भ्रमण कर उसकी खुलेमन से सराहना की। साथ ही उन्होंने उपवन संरक्षक सरिस्का को निर्देश दिये कि कैम्प (वनीकरण निधि प्रबंधन और योजना प्राधिकरण) फण्ड से आश्रम के आसपास के वन क्षेत्र को नगर वन के रूप में विकसित करने के प्रस्ताव तैयार करें। पूर्व केबिनेट मंत्री हेमसिंह भडाणा ने केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव के थानागाजी के टहला में पहुंचकर बडी संख्या में लोकार्पण करने पर आभार जताया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को क्षेत्र की जनता की ओर से मांगों को अवगत कराते हुए कहा कि टहला क्षेत्र की भौगोलिक स्थित जिला मुख्यालय से काफी दूर होने के साथ यहां सुविधाओं का अभाव है अतः यहां के आवागमन के साधनों में जयपुर के लिए पुनः बस सेवा प्रारम्भ कराने के साथ टहला में पंचायत समिति बनवाने व उपखण्ड कार्यालय खुलवाने जैसी प्रमुख मांगों से अवगत कराया। साथ ही उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र धार्मिक व पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र है अतः इसका पर्यटन की दृष्टि से यहां का विकास कराया जावे ताकि स्थानीय स्तर पर ही लोगों को रोजगार मुहैया हो सके।

अलवर की डेयरी के सुदृढीकरण से किसानों को मिलेगी आर्थिक मजबूती

यादव ने कहा कि अलवर जिले के किसानों व पशुपालकों को आर्थिक मजबूती देने के लिए जिले की डेयरी को सुदृढ करने का कार्य किया जा रहा है जिसके तहत 300 करोड रूपये की लागत से 5 लाख लीटर क्षमता का नया संयंत्र लगाया जा रहा है। साथ ही राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत पशु नस्ल सुधार के कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पशुपालकों को उन्नत चारे के बीज भी उपलब्ध कराए जाएंगे ताकि उनके पशुओं की दुग्ध क्षमता बढ सके। उन्होंने कहा कि राजीविका के माध्यम से महिलाओं की आमदनी में वृद्धि की दिशा में सकारात्मक कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिले से बडी संख्या में लखपति दीदी बनाई जाएगी।

ईआरसीपी योजना के पहले चरण की डीपीआर हुई तैयार, बिना भेदभाव के होगा विकास

केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के द्वारा पूर्वी राजस्थान को ईआरसीपी योजना से जोडने की दिशा में जो कार्य प्रारम्भ किया है उसकी प्रथम चरण की डीपीआर बन चुकी है और इस योजना का पानी अलवर जिले में भी आएगा। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही रूपारेल नदी के पुनर्जीवन का कार्य चालू है जिससे नदी निरन्तर बह सकेगी। साथ ही उन्होंने कहा बिना भेदभाव के सबको साथ लेकर जिले व क्षेत्र के विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों की ओर से पूर्व केबिनेट मंत्री हेमसिंह भडाणा के द्वारा अवगत कराए गए समस्त विषयों पर सकारात्मक कदम उठाकर कार्य कराने का विश्वास दिलाया है।

ऋत्विका ने जिले का नाम किया रोशन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.) शहर के विजय नगर निवासी नवीन गोयल एवं प्रीति गोयल की सुपुत्री ऋत्विका गोयल ने NEET (UG) 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 8694 रैंक हासिल की है और साथ ही कैटेगरी में 878 रैंक हासिल कर अलवर जिले का नाम रोशन किया है। ऋत्विका ने प्रथम प्रयास में 12th के साथ ही कोटा में रहकर तैयारी करके यह मुकाम हासिल किया है। ऋत्विका के पिता मेडिकल स्टोर संचालक है तथा माता गृहिणी है ऋत्विका ने अपनी सफलता का श्रेय समस्त परिवारजन और गुरुजनों को दिया।

सर्वजातीय विवाह सम्मेलन समाज को एक नई दिशा देने में अहम साबित होंगे- नेता प्रतिपक्ष जूली

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि सर्वजातीय विवाह सम्मेलन निश्चित तौर पर समाज को एक नई दिशा देने में अहम साबित होंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मेलन से न केवल आर्थिक भार कम होता है बल्कि जरूरतमंदों की जरूरत भी पूरी हो जाती है। जूली बिलासपुर, तिजारा में कांग्रेस नेता इमरान खान के जन्मदिवस पर आयोजित 'सर्वधर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन' में पहुँचकर नवविवाहित जोड़ों को सुखद, समृद्ध और मंगलमय दांपत्य जीवन की बधाई एवं शुभकामनाएं दे रहे थे। उन्होंने कहा कि सर्वधर्म सामूहिक विवाह जैसे आयोजन सामाजिक समरसता, सहयोग और आपसी भाईचारे की भावना को बढ़ावा देते हैं। इस अवसर पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की जिला कार्यकारिणी घोषित कर सौपी जिम्मेदारियाँ

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस.)। अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की बहादुरपुर स्थित एल.आई.ई.टी कॉलेज अलवर में मीटिंग आयोजित की गई। मीटिंग में अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजय डाटा, राजस्थान प्रभारी ध्रुवदास अग्रवाल, राजस्थान प्रदेश महामंत्री गोपाल गुप्ता शामिल हुए। इस मीटिंग में वैश्य समाज के सभी घटक दलों से विचार-विमर्श कर अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन (रजि.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देशानुसार राजस्थान प्रदेश प्रभारी की सहमति से प्रदेश महामंत्री गोपाल गुप्ता ने जिलाध्यक्ष एवं जिला कार्यकारिणी की घोषणा की जिसमें वैश्य समाज के निम्न सक्रिय, समाजसेवियों को अलवर जिले में जिम्मेदारियाँ सौपी-

मुख्य संरक्षक - विजय डाटा (चेयरमैन विजय सोलवेक्स) जिलाध्यक्ष - मनोज कुमार चाचान (चेयरमैन एल.आई.ई.टी ग्रुप) संरक्षक - (1) अशोक कुमार अग्रवाल (प्रतापगढ वाले) (2) धर्मेन्द्र अग्रवाल (निमुचाना वाले) कार्यकारी अध्यक्ष - (1) प्रमोद कुमार विजय (2) अश्वनी गुप्ता संगठन महामंत्री - हरिशंकर खण्डेलवाल महामंत्री - राकेश खण्डेलवाल उपाध्यक्ष - (1) प्रदीप कुमार जैन, (2) बृजभूषण गुप्ता, (3) श्यामलाल केदावत (4) देवकीनन्दन गुप्ता, (5) सुभाष चन्द गोयल कोषाध्यक्ष - प्रहलाद कुमार अग्रवाल, संयुक्त सचिव - संजय गागल।

चूरू में 24 केंद्रों पर 6129 अभ्यर्थियों ने दी पीटीईटी परीक्षा, बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद मिला प्रवेश

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय की ओर से रविवार को पीटीईटी परीक्षा का आयोजन किया। यह परीक्षा दो वर्षीय बीएड और चार वर्षीय बीएससी-बीएड पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित की गई। परीक्षा सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक चली। जिले में कुल 24 परीक्षा केंद्र बनाए गए। लोहिया कॉलेज को नोडल केंद्र बनाया गया। सभी केंद्रों पर सुबह से ही अभ्यर्थियों की भीड़ जमा हो गई थी। जिला समन्वयक प्रो. मंजू शर्मा के अनुसार दो वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए 5518 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 4833 ने परीक्षा दी। 685 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। चार वर्षीय बीएससी-बीएड पाठ्यक्रम के लिए 1471 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 1296 ने परीक्षा दी और 175 गैरमौजूद रहे। परीक्षा में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए गए। हर अभ्यर्थी का बायोमेट्रिक सत्यापन किया गया। संवेदनशील केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। उड़नदस्तों की टीम ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में

'मानसिक स्वास्थ्य में 'ध्यान' की विशेष भूमिका हैं'

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। आयुर्वेद विभाग एवं हार्टफुलनेस मैडीटेशन सेंटर, अलवर के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को प्रात विश्व योग दिवस प्रोटोकॉल अभ्यास शिविर एवं मानसिक स्वास्थ्य (आध्यात्मिक और भौतिक जीवन में संतुलन) में ध्यान की भूमिका विषय पर कार्यशाला हार्टफुलनेस मैडीटेशन सेंटर, अम्बेडकर नगर अलवर में आयोजित की गई। हार्टफुलनेस सेंटर के हेमनारायण सेन ने बताया कि विश्व योग दिवस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा लोगों को ध्यान योग से जोडना है, इसी उद्देश्य से आज का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यकम में ध्यान केंद्र से जुड़े सभी अभ्यासियों के अतिरिक्त आमजन ने भी भाग लिया। कार्यकम में संचालन डॉ राजेंद्र सिंह नरूका ने किया। शिविर में योग प्रोटोकॉल का अभ्यास प्राकृतिक एवं योग चिकित्सा अधिकारी डॉ सुशीला मीना एवं कल्पतरु योग संस्थान के योग प्रशिक्षक सोनल धाकड़ के नेतृत्व में करवाया गया। जिला आयुर्वेद चिकित्सालय बुध विहार अलवर के वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ.पवन सिंह शेखावत ने हार्टफुलनेस ध्यान केंद्र से जुड़े सभी योग एवं ध्यान प्रेमी बंधुओं को विश्व योग दिवस कार्यक्रम के लिए आमंत्रित करते हुए योग के महत्व की जानकारी विस्तार से दी, डॉ. शेखावत ने बताया कि आयुर्वेद के अभिन्न अंग अष्टांग योग (यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि) मनुष्य को स्वस्थ तन एवं मन प्रदान करने के साथ ही इस जीवन के अंतिम लक्ष्य मोक्ष का भी मार्ग प्रशस्त करने में भी सक्षम है। हार्टफुलनेस ध्यान केंद्र के डॉ अनुराग सिंह चौहान ने आध्यात्मिक और भौतिक जीवन में संतुलन लाने में ध्यान की भूमिका पर प्रकाश डाला।

पेयजल और सड़क आमजन की मौलिक आवश्यकता है - यादव

जयपुर टाइम्स

बहरोड़(निसं.)। पंचायत समिति बहरोड के ग्राम काकरडोपा में क्षेत्र के भामाशाह यादराम प्रजापति के सुपुत्र रूपनारायण प्रजापति एवं सीताराम प्रजापति के द्वारा करीब 80000 /= अस्सी हजार रुपए की लागत से ग्रामीणों के लिए पेयजल हेतु वाटर कूलर लगवा कर बहुत ही पुनीत कार्य किया है। साथ ही पंचायत समिति प्रधान कोटे से हनुमान जी की मूर्ति से राजकीय प्राथमिक विद्यालय तक तक 500000 पांच लाख की लागत से निर्मित सीसी सड़क का एवं वाटर कूलर का उद्घाटन मुख्य अतिथि सरोज बस्तीराम यादव प्रधान पंचायत समिति बहरोड ने किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बस्तीराम यादव एडवोकेट ने कहा कि पंचायत समिति क्षेत्र के हर गांव में प्रधान कोटे से विकास कार्य करवाने का काम किया है और अब आगे आप और हम सब मिलकर नगर परिषद क्षेत्र में शामिल हुए गांवो के विकास कार्यों को नई दिशा देंगे। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष नगेंद्र यादव सरपंच, वेद प्रकाश पीटीआई, भामाशाह यादराम प्रजापति, सीताराम प्रजापति, घनश्याम एडवोकेट, गुलाब प्रजापति, सरपंच सोताज सिंह पार्षद रोहिताश, रमेश यादव, डॉ जयपाल यादव, अभय सिंह यादव, सरपंच रोहतास यादव पूर्व पंचायत समिति सदस्य देवदत्त यादव, मनोज यादव एडवोकेट, रोहतास गुर्जर, रामनिवास तहसीलदार, आर डी दोचानिया एडवोकेट, भूपेंद्र यादव सरपंच, सावलराम पच, देशराज यादव सरपंच, राकेश यादव, लक्ष्मीनारायण यादव, दयाराम पंच, कैलाश यादव, सुजान सिंह यादव, ओम प्रकाश पीटीआई, हवा सिंह यादव, कालू यादव, कबुल चंद यादव, ओपी यादव, सहित सैकड़ो ग्रामीण युवा एवं महिलाएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन यादराम यादव पीटीआई ने किया।

7 का साथ के अंतर्गत स्वैच्छिक रक्तदान कार्यक्रम किया आयोजित

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। रोटरी क्लब ऑफ अलवर ने 15 जून 2025 को plift Social Help All Foundation के सहयोग से बुर्जा, अलवर में रोटरी क्लब अलवर के स्थाई प्रकल्प 7 का साथ के अंतर्गत स्वैच्छिक रक्तदान कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें कुल 19 यूनिट का संग्रहण हुआ। रक्तदान कार्यक्रम की सफलता के लिए हेल्प ऑल फाउंडेशन के चंद्र प्रकाश, विजय यादव, हितेश रावत, रूपचंद, राहुल यादव का बहुत बहुत आभार और बहुत बहुत बधाई उल्लेखनीय है कि हेल्प ऑल फाउंडेशन पुराना सूचना केंद्र के बाहर सुबह और शाम दोनों समय जरूरतमंदों को निःशुल्क भोजन करवाती है। भीषण गर्मी होने के बावजूद रक्तदाताओं का उत्साह देखने लायक था। इस रक्तदान कार्यक्रम में 6 लोगों ने जीवन का प्रथम रक्तदान किया। रोटरी क्लब और हेल्प ऑल के पदाधिकारियों द्वारा सभी डोनर्स को प्रशस्ति पत्र देखकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में रोटरी क्लब से अध्यक्ष दीपक कट्टा, सचिव मुकुंद गुप्ता, कोषाध्यक्ष बी डी अग्रवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम संयोजक विकास के. गुप्ता ने कार्यक्रम को सफ़ल बनाने में सहयोग करने के लिए रक्तदाताओं का, हेल्प ऑल फाउंडेशन के सभी पदाधिकारियों का, रोटेरियन साथियों का और रोटरी ब्लड सेंटर के स्टाफ का बहुत-बहुत आभार प्रकट किया।

झुंझुनूं के आलोक झाझड़िया बने लेफ्टिनेंटः 12वीं कोशिश और 16 लाख के पैकेज को छोड़ने के बाद रचा इतिहास

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। झुंझुनूं जिले के छोटे से गांव भंडौन्दा कला के इतिहास में सुनहरे अक्षरों से दर्ज हो गया। गांव के सपूत आलोक झाझड़िया ने भारतीय सैन्य अकादमी (छ्र्र), देहरादून से पासिंग आउट परेड में शानदार कदमताल करते हुए भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर कमीशन हासिल किया है। यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत अदम्य संकल्प की गाथा है, बल्कि एक गौरवशाली सैन्य विरासत को नई ऊंचाई देने और अपने गांव व जिले का मान बढ़ाने का प्रतीक भी है। 14 जून को हुई पासिंग आउट परेड में जब नवनियुक्त लेफ्टिनेंट आलोक झाझड़िया कदमताल करते नजर आए, तो उनके माता-पिता, परिवारजनों और गांववालों का सीना गर्व चौड़ा हो गया।

सेना की तकनीकी शाखा में करेंगे सेवा

लेफ्टिनेंट झाझड़िया अब भारतीय सेना की तकनीकी शाखा में अपनी इंजीनियरिंग योग्यता और नेतृत्व क्षमता से देश की सेवा करेंगे।

25 वर्षीय लेफ्टिनेंट आलोक झाझड़िया अपने परिवार की चौथी पीढ़ी के सैन्य अधिकारी हैं। झाझड़िया परिवार का भारतीय सेना के साथ अटूट नाता रहा है

परदादा नारायण राम झाझड़िया (द्वितीय विश्व युद्ध, राजपुताना राइफल्स)

दादा सूबेदार (सेवानिवृत्त) विद्याधर सिंह

पिता ऑनरेरी नायब सूबेदार इंद्र सिंह

चाचा सूबेदार सत्यवीर सिंह

लेफ्टिनेंट आलोक ने इस गौरवशाली परंपरा को अधिकारी पद तक पहुंचाकर एक नया अध्याय जोड़ा है।

सपनों की लगन कॉर्पोरेट माया को ठुकराया, वर्दी को चुना

राकेश कुमार ने बताया कि आलोक को बचपन से ही वर्दी पहनकर देश सेवा का सपना देखने वाले आलोक ने अपनी शिक्षा प्रतिष्ठित आर्मी पब्लिक स्कूल, जयपुर से पूरी की। उनकी मेधा और रुचि विज्ञान की ओर थी, जिसके चलते उन्होंने पुणे स्थित आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में स्नातक किया। यहां उनकी प्रतिभा का परिचय इसी से मिलता है कि स्नातक के तुरंत बाद ही उन्हें बहुराष्ट्रीय कंपनी जेपी मॉर्गन चेस में 16 लाख रुपए वार्षिक के आकर्षक पैकेज के साथ नौकरी मिल गई।

हालांकि, उनका मन कॉर्पोरेट दुनिया में नहीं रमा। वर्दी की पुकार उनके दिल में बसी थी। 11 असफलताओं को मात 12वें प्रयास में जीता SSB का युद्ध आलोक का सैन्य अधिकारी बनने का रास्ता कठिनाइयों से भरा था। उन्होंने लगातार 11 बार सेवा चयन बोर्ड की कठिन परीक्षा दी, लेकिन हर बार सफलता नहीं मिली। कई लोगों के लिए यह हार मान लेने का वक्त होता, पर आलोक ने हिम्मत नहीं हारी। उनके अडिग संकल्प और अथक परिश्रम ने आखिरकार रंग लाया। 12वें प्रयास में 24 SSB, बेंगलुरु में उनका चयन हो गया। यह वह ऐतिहासिक पल था जिसने उनके जीवन की दिशा बदल दी।

राज्य जयपुर टाइम्स

जयपुर, सोमवार
16 जून, 2025

शहर की कई कॉलोनियों में जलभराव की समस्या से लोग परेशान, जिला प्रशासन एवं नगरपरिषद की ढीले रवैया से समस्या बनी मुसीबत

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। शहर के नगर परिषद क्षेत्र में प्राकृतिक बहाव क्षेत्र की भूमियों पर अतिक्रमण होने एवं सरकार की ओर से जलबहाव को सुगम बनाने के लिए लिए बनवाये गये पक्के नालों पर अवैध निर्माण किये जाने से शहर की 63 कॉलोनियों के 1272 परिवादियों के द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत संवैधानिक पदों पर आसीन कार्यपालिका/व्यवस्थापिका से समस्या के निदान के लिए किये गये प्रयास अभी तक सार्थक साबित नहीं हुए। शिकायतकर्ताओं के द्वारा शहर की कई कालोनियों में सीवर लाइन बन्द होने पर चैम्बरों से गन्दा पानी ओवर फ्लो होकर सड़कों/रास्तों/ एवं खाली भूखण्डों में भरा हुआ है। जिसके कारण शहर वासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ है। कॉलोनी वासियों का आरोप है कि नगर परिषद की ओर से समस्या के निदान सम्बन्धी कार्यवाही मध्य रात्रि में कराई जा रही है। शिकायत में 23 अगस्त 2023 से सीवरलाइन की सफाई और जन उपयोगी भूमियों गैरमुमकिन नाला, गैरमुमकिन नहर, गैरभुमकिन पोखर, गैरमुमकिन रास्ता एवं अन्य सरकारी सिवायचक भूमियों से राजस्व रिकार्ड में दर्ज है। नगर परिषद के द्वारा अवैध निर्माण/अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जा रही है। उससे अवरुद्ध जलबहाव की समस्या का हल नजर नहीं आ रहा है। आपको बता दें कि मानसून दस्तक देने वाला है। शिकायत कर्ताओं ने कॉलोनियों के परिवादियों की सुनवाई तत्काल की जाकर जलभराव की समस्या का तत्काल निदान कराए जाने की मांग की है। समस्या को विकराल रुप धारण करने में लगभग 11 वर्ष लगे है। जल संसाधन विभाग धौलपुर वर्ष 2014 से नहर की भूमि पर अवैध निर्माण / अतिक्रमण किये जाने के सम्बन्ध में राजस्व विभाग के अधिकारियों के संज्ञान में लाकर कार्यवाही के प्रयास किए गए थे।

जिनमें नोटिस नोटिस का खेल चल रहा है। संबंधित विभागों के द्वारा अवैध निर्माणकर्ता/अतिक्रमणकर्ता पर प्रभावी कार्यवाही घरातल पर वर्तमान में भी नहीं की गई है।चौपड़ा माइनर की नहर की एक सिरे से दूसरे सिरे तक नहर की भूमि को अवैध निर्माण/अतिक्रमण कर्ताओं से मुक्त नहीं कराया गया है। जिसके कारण जलभराव की समस्या जस की तस बनी हुई है। पीड़ित शिकायत कर्ताओं का कहना है कि जलभराव की समस्या का जिम्मेदार कौन है? जिम्मेदारों पर कब होगी कार्यवाही? सरकार के संज्ञान में लाये जाने पर सम्भागीय आयुक्त भरतपुर के निर्देष पर जनवरी 2018 में जिला कलक्टर धौलपुर ने उपखण्डाधिकारी धौलपुर की अध्यक्षता में संयुक्त जाँच दल गठित कर अधिशाषी अभियन्ता जल संसाधन विभाग धौलपुर एवं आयुक्त नगर परिषद को मौके पर भेजकर सर्वे कराई गई थी। सर्वे में 66 अतिक्रमियों के अतिक्रमण चिन्हित कर सूची एवं मौका पर्चा जिला कलक्टर को आवश्यक कार्यवाही के लिए पेश किया गया था। धौलपुर जिले में सरकार चाहे भाजपा की हो या कांग्रेस की रही हो रसूखों के चलते निजी हितों के आगे जनहित के मुद्दे दफन कराये जाते रहे है। अधिकारियों की कोई जबावदेही सुनिश्चित नहीं किये जाने से आमजन का भरोसा सरकारी व्यवस्थाओं से उठता जा रहा है, एक बार भाजपा तो एक बार कांग्रेस को सत्ता की चाबी आमजन ने सौंपी है, परन्तु आमजन हाल बेहाल जिन्दगी रामभरोसे जीने को मजबूर है। संयुक्त सचिव मुख्यमंत्री की लिखी गई चिट्ठियां धूल फांक रही है। वरिष्ठ लेखापरीक्षक नितिन सोनी महालेखाकार राजस्थान जयपुर की परिवेदना पर दिनांक 27 सितम्बर 2023 को मुख्यमंत्री कार्यालय ने जिला कलक्टर धौलपुर को पत्र भेजकर नहर पर अतिक्रमण कर पानी रोके जाने की परिवेदना पर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश ललित कुमार संयुक्त सचिव (एलके) मुख्यमंत्री राजस्थान जयपुर के द्वारा जारी किये गये पत्र 04. 10.2023 को सम्पर्क अनुवाद को आवक संख्या 18300 से प्राप्त हुआ पत्र को गम्भीरता से नहीं लेते हुये मूल ही अधीक्षण अभियन्ता सिचाई विभाग धौलपुर को दे दिया गया जब मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त पत्रों/परिवादों को ही गम्भीरता से नहीं लिया जा रहा हो और पिछले वर्ष माह से परिवादियों को सुशासन का इन्तजार करना पड़ रहा हो ऐसे में 80 हजार नागरिको को सीवर के गन्दे पानी एवं वर्षों से जमा जलभराब के बीच नारकीय जीवन से मुक्ति दिलाने वाला अधिकारियों और जनप्रतिनिधि को दैवीय स्वरुप में जाना जायेगा।

न्यायालय के निर्देश भी हवा में हवाई हो रहे है। शहर के आनन्द नगर सैपऊ रोड धौलपुर के 15 परिवादियों ने न्यायालय स्थाई लोक अदालत जिला धौलपुर सुरेश भट्ट की अदालत में अपनी परिवेदना दर्ज कराई जिसमें परिवेदना का निस्तारण नहीं करने एवं आमजन को नरकीय जीवन जीने के लिए मजबूर करने वाली नगर परिषद धौलपुर के आयुका पर 1 लाख रुपये का अर्थदण्ड एवं निर्णय 8 जनवरी 2025 के दो माह के अन्दर समस्या का निदान नहीं कराने पर हजार 100 रुपए प्रतिदिन निर्णय दिनांक परिवादीगण वो संयुक्त बैंक खाते में जमा कराने के निर्देश दिये गए है। राजस्थान सरकार को एक हजार करोड़ रुपये की राजस्वहानि एवं जलबहाव/जलभराव की भूमि पर अवैध निर्माण से आमजन को जलभराव से पैदा हो रही परेशानी धौलपुर के राजस्व ग्राम महमदपुर के गैरमुमकिन नहर क्षेत्रमाल 11 हजार 7 सौ सात वर्गमीटर उर्मिला सागर बाँध से धौलपुर शहर में सिचाई के लिए बनी हुई थी। नगर परिषद क्षेत्र धौलपुर में कृषि योग्य भूमि शेष नहीं होने से नगर परिषद क्षेत्र धौलपुर के क्षेत्राधिकार के सभी राजस्व गांवों में आने वाली गैर मुमकिन नहर की भूमि की उपयोगिता बदले जाने की कार्यवाही राजस्व विभाग/जलसंसाधन विभाग/नगरीय विकास विभाग की ओर से संयुक्त रुप से 15 दिवस के शिविर आयोजित कराकर राजस्थान सरकार नगरीय विकास विभाग को इस भूमि का हस्तान्तरण कराते हुए जहाँ-जहाँ जलबहाव नहीं है। को सुगम बनाने के लिए कारगर ही वहीं से 15 से 20 फुट चौड़े पक्के नाले बनवाकार शेष भूमि पर आवासीय / व्यवसायिक /औद्योगिक प्लाटों की नीलामी की कार्यवाही भूमि की ही अनुमानित कीमत करीब 11 सौ करोड़ 70 लाख है. नगर परिषद की ओर से करायी जाकर राजस्व आय अर्जित करते हुए विकास कार्यों को तेजी से सम्पन्न कराया जा सकता है।

जलबहाव क्षेत्र अवरुद्ध होने पर राजस्व

रिकार्ड में दर्ज नालों की भूमि पर अवैध निर्माण किए जाने के सम्बन्ध में राजस्थान सरकार की ओर से न्यायालय तहसीलदार धौलपुर में गैर मुमकिन मुमकिन नाला, गैर मुमकिन पोखर गैर मुमकिन खड्?डा की भूमि पर अतिक्रमियों के विरुद्ध धारा 1 एल.आर. एक्ट के तहत दिनांक 01.01.2021 से 07.09.2024 तक 26 मुकद?मे दर्ज किए गये जिनमें पारित किये गये निर्णयों की पालना अधिकारियों की मनमर्जी से नहीं की जा रही है। राजस्थान सरकार की ओर से न्यायालय नायब तहसीलदार धौलपुर में गैर मुमकिन नाला, गैर मुमकिन पोखर की भूमि पर अतिक्रनियों के विरुद्ध धारा 91 एल. आर. एक्ट के तहत दिनांक 01.01.2021 से 07.09.2024 तक 59 मुकदमे दर्ज किए गये है। कुल-85 मुकद?मों में पारित किये गये निर्णयों की पालना अधिकारियों की मनमानी से नहीं की जा रही है। तहसीलदार / नायब तहसीलदार धौलपुर के द्वारा पारित निर्णयों की पालना कई वर्षों तक नहीं करने से अराजकता का माहौल सरकार के प्रति आमजन का भरोसा तोडने वाला है। एवं अब्दुल रहमान बनाम राजस्थान सरकार एवं अन्य डी.बी. शिबिल रिट पिटीशनसं0 1536/2003 निर्णय दिनांक-2 अगस्त 2004 एवं डीवी सिबिल रिट पिटीशन सं0 4441/20217 निर्णय दिनांक 19 मार्च 2021 की अवमानना किये जाने से जनजीवन को नरकीय बना दिया गया है। कृषि भूमि पर बिना भूमि रुपान्तरण कराये जाने पर तहसीलदार/नामव तहसीलदार पैरोकार सरकार की ओर से उपखण्डाधिकारी धौलपुर के न्यायालय में धारा 177 राजस्थान कास्तकारी अधिनियम 1955 के तहत भूमि को सिवायचक दर्ज कराने के लिए लिखित में निवेदन कर आज्ञा ली जाती है। कृषि भूमि पर बिना भूमि रुपान्तरण कराये जाने पर तहसीलदार/नायौं तहसीलदार पैरोकार सरकार की ओर से उपवण्डाधिकारी धौलपुर के न्यायालय में धारा 177 राजस्थान कास्तकारी अधिनियम 1955 के तहत भूमि को सिवायचक दर्ज कराने के लिए लिखि के लिए लिखित में निवेदन कर आज्ञा नहीं ली जा रही है। राजस्थान सरकार को राजस्व हानि पहुंचाई जा रही है। अवैध/अनियमित निर्माण होने से जलबहाव क्षेत्र अवरुद्ध होने से जलभराव की समस्या पैदा हुई है। अधिकारी/कर्मचारी पदीय कर्तव्यों का दुरपयोग करते हुए मू-कारोवारियों को अनुचित लाभ पहुंचाने का कार्य कर रहे ही अनियमित अवैधानिक कार्य करने वाले कार्मिको को रसूखदारों का संरक्षण मिला हुआ है। राजस्थान सरकार की नीति एवं आदेशों के विपरीत लम्बे समय तक एक ही स्थान / एक ही कार्यालय एवं अपने गृह जिले में पदस्थापित होकर अपने परिजनी/रिस्तेदारों के माध्यम से स्वयं भू-कारोबार में अपनी संलिप्तता के जरिये आय से अधिक चल-अचल सम्पत्तियां अर्जित कर रहे है। यह हालात सुशासन लाने में अवरोधक एवं आमजन का सरकार से भरोसा उठाने वाला है।

विधि सलाहकार दीपक स्वामी व आशीष शर्मा का पालिकाध्यक्ष ने किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

नरैना(निसं)। कस्बा स्थित नगरपालिका के विधि सलाहकार नियुक्त होने पर अधिवक्ता दीपक स्वामी व आशीष शर्मा का पालिकाध्यक्ष सावित्री देवी स्वामी ने अपने पोत्र आर्यमन स्वामी के साथ अपने निवास पर माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान अमरचंद गुर्जर, पार्षद राम प्रसाद बागड़ा, कालू योगी सहित अन्य पार्षद, बस स्टैंड व्यापार मंडल महामंत्री जावेद भाटी आदि मौजूद रहे।

वंदे गंगा अभियान के तहत जलाशयों की सफाई, लिए गए जल नमूने

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निसं.)। जल संरक्षण और स्वच्छता को लेकर चल रहे वंदे गंगा अभियान के अंतर्गत फुलेरा और सांभर क्षेत्र में स्थित उच्च एवं भूतल जलाशयों की सफाई की गई और वहां से जल के नमूने लिए गए। फुलेरा क्षेत्र में श्रीरामनगर, जोबनेर रोड, धोबी घाट, कनिष्ठ अभियंता कार्यालय परिसर तथा सिवानिया (जोबनेर रोड) स्थित जल स्रोतों की सफाई की गई। वहीं, सांभर में नरसिंह टीबा, नकाशा मोहल्ला और पीएचईडी कार्यालय परिसर में यह कार्य संपन्न हुआ। सफाई कार्य के साथ-साथ सभी जल स्रोतों से जल के नमूने लिए गए, जिन्हें परीक्षण के लिए प्रयोगशाला में भेजा जाएगा। इस अवसर पर अधिशाषी अभियंता मदन लाल मीणा, सहायक अभियंता संजय शर्मा सहित तकनीकी कर्मचारी धर्मचंद गुप्ता, भंवरलाल मंडावरिया, नवीन, दयालचंद, गणपत सैनी एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

Name Change

I hitherto known as PRAHLAD RAY PATOLIYA Son of LUNA RAM SHARMA residing at Village Punsisar Post Gajusar Teshil Sardarshahar Dist. Churu (Rajasthan), have changed my name and shall hereafter be known as PRAHLAD RAI SHARMA

नाम एवं जन्म तिथि संशोधन

मेरे सेना के रिकॉर्ड में भूलवश मेरी माता का नाम सोना देवी तथा जन्म तिथि 01/07/1933 अंकित हो गई है। जबकि मेरी माता के आधार कार्ड एवं पेन कार्ड में उनका नाम सोना तथा जन्म तिथि 01/01/1943 है, जो कि सही व वास्तविक है।

श्रवण कुमार पुत्र गणपत राम निवासी खबरपुरा (सादपुरा), सांखु फोर्ट, तहसील राजगढ़ (चूरू) राजस्थान

नई शिक्षा नीति से उपजी समस्याओं पर रुक्टा गंभीर, उपमुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान विश्व विद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ (रुक्टा) ने शनिवार को उपमुख्यमंत्री व उच्च शिक्षा मंत्री को ज्ञापन भेजकर नई शिक्षा नीति-2020 से उत्पन्न समस्याओं के समाधान की मांग की है। रुक्टा अध्यक्ष प्रो. रघुराज परिहार व महामंत्री डॉ. बनयसिंह के नेतृत्व में यह ज्ञापन भेजा गया, जिसमें प्रदेश की उच्च शिक्षा से जुड़ी कई ज्वलंत समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित किया गया है। देराश्री शिक्षक सदन में रुक्टा की विस्तारित कार्यकारिणी बैठक आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता प्रो. परिहार ने की। डॉ. बनयसिंह ने बताया कि बैठक में रुक्टा के वैधानिक अधिवेशन, सदस्यता अभियान, शिक्षकों की समस्याओं सहित नई शिक्षा नीति के कारण उत्पन्न जटिलताओं पर चर्चा हुई। निर्णय लिया गया कि इन सभी विषयों को सरकार के समक्ष रखा जाएगा। ज्ञापन में प्रमुख रूप से यह मांग की गई कि सभी विश्वविद्यालयों में स्नातक स्तर पर विषयवार एक समान पाठ्यक्रम लागू किया जाए, जिससे विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय बदलने की स्थिति में असुविधा न हो। रुक्टा ने आंतरिक मूल्यांकन प्रणाली के असंगठित क्रियान्वयन पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी विश्वविद्यालयों के लिए नीति बनाकर सख्ती से लागू करने की मांग की। संगठन ने बताया कि प्रदेश के 665 राजकीय महाविद्यालयों में शिक्षकीय, मंत्रालयिक एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की भारी कमी है, जिससे शिक्षण व प्रशासनिक कार्य बाधित हो रहे हैं। रुक्टा ने रिक्त पदों की शीघ्र पूर्ति और शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त रखने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं में देरी से विद्यार्थियों का शैक्षणिक सत्र प्रभावित होता है तथा शिक्षकों को अनावश्यक रूप से ग्रीष्मावकाश में कार्य करना पड़ता है, जिससे राज्य सरकार पर आर्थिक भार भी बढ़ता है। संगठन ने मांग की कि सेमेस्टर परीक्षाएं 24 दिसंबर व 30 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से पूरी करवाई जाएं। साथ ही, परीक्षा शुल्क साल में एक बार ही लिया जाए, प्रवेश प्रक्रिया समयबद्ध हो, और नया सत्र प्रत्येक वर्ष 1 जुलाई से नियमित रूप से प्रारंभ किया जाए। बैठक में एआई फुक्टो के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. घासीराम चौधरी, पूर्व अध्यक्ष डॉ. गोविंद नारायण घसिया, डॉ. जैनाराम नागौरा व डॉ. मुन्नालाल अग्रवाल सहित कार्यकारिणी सदस्यों ने विचार रखे। अंत में पहलगाम आतंकी हमले, अहमदाबाद विमान हादसे व दिवंगत शिक्षकों को श्रद्धांजलि दी गई।

राजस्थान हाईकोर्ट ने लगाई मलारना डूंगर थाने में दर्ज प्रकरण की कार्यवाही पर रोक

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान हाई कोर्ट जयपुर ने मलारना डूंगर पुलिस थाने में दर्ज एक प्रकरणकी कार्यवाही पर रोक लगा दी है। राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर में याची शिवराज गुर्जर ने अपने अधिवक्ता हरिराम गुर्जर के जरिए एकलपीठ विविध आपराधिक याचिका जो कि प्रथम सुचना रिपोर्ट निरस्तीकरण के लिए दायर की। जिसमें पुलिस की ओर से तथ्यात्मक रिपोर्ट में नकारात्मक अंतिम रिपोर्ट पेश करने पर याची के अधिवक्ता हरिराम गुर्जर ने याचिका खारिज मय नोट प्रेस कर ली। इसके बाद पुलिस की ओर से याची और उसके परिजनों को संवैधानिक प्रावधानों के विपरीत जाकर अनवरत रूप से परेशान किया व याची को गिरफ्तार करने के लिए अनेक बार पुलिस गई। इस पर याची के अधिवक्ता हरिराम गुर्जर ने एकलपीठ में आपराधिक विविध आवेदन पेश किया जिसमें न्यायालय के 16/5/25 के आदेश को परिवर्तित परिस्थितियों में रिकाल करने व याचिका रजिस्टर्ड करने व याची को संरक्षित करने व संबंधित अनुसंधान अधिकारी को निर्देश देने कि याची के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं करे की प्रार्थना न्यायालय से की गई। लोकअभियोजक ने 16 फरवरी व 27 मई 2025 की तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश की जिसको न्यायालय ने रिकार्ड पर लिया। विद्वान लोक अभियोजक ने माना कि पहले वाली 16 फरवरी 2025 की तथ्यात्मक रिपोर्ट में नकारात्मक अंतिम पृतिवेदन पेश किया जबकि 27 मई 2025 की तथ्यात्मक रिपोर्ट में एजेंसी ने प्रथम दृष्टया याची के खिलाफ अपराध बनना पाया है। न्यायालय ने सुना व तथ्यात्मक रिपोर्ट 16/2/25 व 27/5/25 का अवलोकन किया। तथ्यात्मक रिपोर्ट 16 फरवरी 2025 से साफ प्रतीत होता है कि पुलिस ने याची के खिलाफ मामला बनना नहीं पाया व नकारात्मक अंतिम प्रतिवेदन पेश किया। पश्चातवती रिपोर्ट 27 मई 2025 में पुलिस ने इंटायर परिणाम को परिवर्तित करते हुए याची के खिलाफ अपराध बनना पाया। वाद के महत्वपूर्ण पक्ष को देखते हुए न्यायालय ने याचिका को पुनः रीस्टोर किया व अनुसंधान ऐजेंसी को निर्देश दिए कि याची के खिलाफ कोई भी बलपूर्वक (दंडात्मक कार्यवाही) नहीं करे। लोक अभियोजक को निर्देश दिए कि आगामी सुनवाई पर अनुसंधान अधिकारी उच्च न्यायालय में पेश होकर बताया कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 248/2024 पुलिस थाना मलारना डूंगर में नकारात्मक अंतिम प्रतिवेदन पेश करने के बाद याची के खिलाफ अपराध बनना क्यों माना व परिणाम कैसे परिवर्तित किया। याची के अधिवक्ता हरिराम गुर्जर की तार्किक बहस से संतुष्ट होकर राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश प्रवीर भटनागर ने आवेदन निस्तारण करके कार्यालय को याचिका के मूल नंबर से रीस्टोर करने के आदेश प्रदान किए। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से राजस्थान हाईकोर्ट में अधिवक्ता हरिराम गुर्जर ने पुरजोर बहस की।

वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान कार्यक्रम के दौरान वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

जयपुर टाईम्स

चाकसू(निसं.) राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटखावदा में रविवार को वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। वहीं प्रधानाचार्य बोदूलाल बेनीवाल ने बताया कि 6 जून 2025 से 20 जून 2025 कार्यक्रम अंतर्गत हरियालों राजस्थान हेतु पूर्व तैयारी के अन्तर्गत जैसे वृक्षारोपण हेतु गड्ढे खोदना कार्य किया गया। बेजुबान पक्षी के लिए परिंडे बांधे गए एवं भवन के छत की व परिसर की साफ सफाई की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं जिला संयोजक एवं मुख्य अतिथि श्रवण लाल गुर्जर रहे।

गांवों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए सरकार प्रयासरत

केबिनेट मंत्री जोराराम ने मोरडू व नोवी में कही ये बात

मंत्री कुमावत ने किया अनेक कार्यों का लोकार्पण/शिलान्यास

जयपुर टाइम्स

जयपुर(निसं.)। पशुपालन, डेयरी, गोपालन एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने अपने पाली जिले के प्रवास के दौरान सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र में लगातार दूसरे दिन अनेक गांवों में विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया। जिले में विकास पुरूष के रूप में प्रसिद्ध जोराराम कुमावत ने मोरडू में जल जीवन मिशन के तहत 50 हजार लीटर भराव क्षमता की पानी की टंकी के निर्माण कार्य की शुरूआत भूमि पूजन के साथ करवाई। इसी तरह उन्होंने सुमेरपुर से तख्तगढ़ रोड से कबीर गौशाला तक बनी अढाई किमी. लंबी सड़क का लोकार्पण किया गया। इस सड़क

निर्माण पर करीब 60 लाख रुपए की लागत आई है। इससे पहले ग्रामीणों ने मंत्री जोराराम कुमावत का जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर मंत्री कुमावत ने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रयासरत है, लेकिन अभी भी कई गांव ऐसे हैं, जहां लोगों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। सड़क, चिकित्सा, शिक्षा, पानी आदि सुविधाओं से लोगों को वंचित होना पड़ रहा है। हर ग्रामवासी को ये सुविधाएं मिलें इसके लिए भाजपा की डबल इंजन सरकार प्रयासरत है। कुमावत ने कहा कि गांव की हर मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने से ही ग्रामीण विकास की अवधारणा को पूरा किया जा सकता है। सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के हरेक गांव को बेहतर सड़क, नियमित बिजली और शुद्ध पेयजल की उपलब्धता हो इसके लिए हम लगातार कार्यरत हैं। इसी के तहत लगभग हर गांव में विकास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बजट स्वीकृत किया है। इस बजट से कार्य समय पर पूरे हों इसके लिए प्रभावी मोनिंटरिंग की जा रही है।

नोवी में इन कार्यों का लोकार्पण/शिलान्यास

सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत नोवी में भी स्थानीय विधायक व केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने विभिन्न कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। उन्होंने विधायक कोष से राशि स्वीकृत करके मेघवालों व हीरागरों के बास में सामुदायिक चबुतरे को ऊपर उठाकर उस पर छत का निर्माण कार्य करवाया। नोवी की नई बस्ती के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में विधायक कोष से स्वीकृत राशि से प्रार्थना स्थल पर बने टीन शेड निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। साथ ही छठे राज्य वित आयोग के अंतर्गत पंचायत समिति मद में भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र में रिकार्ड रूम के निर्माण कार्य शुरू किया गया। इसके अलावा विधायक कोष से सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य, 15 वें वित आयोग की योजना के अंतर्गत स्वीकृत रूपनगर में गणेशदास जी मंदिर से वरदाराम मीणा के घर तक सीसी ब्लॉक मय नाली निर्माण कार्य शुरू करवाया। इन कार्यक्रमों में भाजपा के जिला मंत्री पूनम सिंह, सुमेरपुर पंचायत समिति की प्रधान उर्मिला कंवर, मंडल अध्यक्ष हणवंत सिंह, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि पुष्पेंद्र सिंह, बांकली के पूर्व मंडल अध्यक्ष शिवराज सिंह, पंचायत समिति सदस्य पायल दवे, नोवी के उप सरपंच रमेश त्रिवेदी, नोवी की सरपंच चंदा देवी, पूर्व सरपंच मांगीलाल मालवीय, भाजपा कार्यकर्ता प्रवीण कुमार, भवानीशंकर, एसडीएम कालूराम, डीवाईएसपी जितेंद्र सिंह, प्रशासक सोहन कंवर, रूपाराम देवासी, निर्मला मेवाड़ा, प्रशासक प्रतिनिधि गोविंद सिंह, अर्जुन सिंह, देवाराम मीणा, उप सरपंच कोलीवाड़ा अर्जुन सुथार, फुटरमल सेन, मनोहर सिंह मौजूद रहे।

भाषिक अंतर्विरोध से ग्रस्त भारत

इस पर उन्हें हाई कोर्ट से फटकार पड़ी। आमची मुंबई में भी दल विशेष के कार्यकर्ता दुकान पर जाकर धमकाते हैं कि महाराष्ट्र में रहना है तो हिंदी नहीं, मराठी बोलो। इसके पीछे मुख्य रूप से होती है ऐसी राजनीति, जो भाषा को परस्पर समानता अथवा एकता का नहीं, वरन आपसी लड़ाई का औजार बनाती है। तमिलनाडु का हिंदी विरोध सबसे पुराना है, लेकिन यह भी साफ है कि उसने कभी त्रिभाषा सूत्र स्वीकार नहीं किया और बिना लाग-लपेट कहता रहा कि उसे हिंदी स्वीकार्य नहीं। इसके पीछे निहित अनेक कारणों में से एक है तमिल स्वाभिमान की अभिव्यक्ति और दूसरा हिंदी विरोध न करने पर राजनीतिक रूप से कमजोर पड़ने का भय, क्योंकि 1967 से हिंदी विरोध के कारण ही वहां क्षेत्रीय दल सत्ता पर बने हैं, वह चाहे डीएमके हो या एआइएडीएमके। हिंदी विरोध के बहाने तमिल अस्मिता को बचाए रखने की बात आम वोटर के भीतर इतनी पैठ गई है कि अब अगर ये दल हिंदी

अ पिछले कुछ वर्षों से अपने देश में यह चलन बन गया है कि कोई भी नेता भाषा के बारे में कोई ऐसा बयान उछाल देता है, जिससे हलचल हो जाती है। कुछ दिन मीडिया मंचों से शोरगुल होने के बाद बात थोड़ी सी शांत होती है तो किसी और कोने से कोई और इसे उछाल देता है। तो फिर वही हाय-हाय, वही शोरगुल। सबसे प्रखर हिंदी विरोध के स्वर तमिलनाडु से उभरते हैं और इसकी अनुगूंज कभी 'नम्मा कर्नाटका' से, कभी 'आमची मुंबई' से तो कभी कहीं और से आती रहती है। विरोध के स्वर कहीं उग्र, कहीं तेज तो कहीं उपद्रवी भी होते हैं। पिछले दिनों कर्नाटक में स्टेट बैंक की एक शाखा की हिंदी बोलने वाली अधिकारी और कन्नड़ बोलने वाले ग्राहक के बीच भाषा को लेकर विवाद हो गया। यह मामला शांत होता कि अभिनेता कमल हासन ने तमिल-कन्नड़ विवाद खड़ा कर दिया। इस पर उन्हें हाई कोर्ट से फटकार पड़ी। आमची मुंबई में भी दल विशेष के कार्यकर्ता दुकान पर जाकर धमकाते हैं कि महाराष्ट्र में रहना है तो हिंदी नहीं, मराठी बोलो। इसके पीछे मुख्य रूप से होती है ऐसी राजनीति, जो भाषा को परस्पर समानता अथवा एकता का नहीं, वरन आपसी लड़ाई का औजार बनाती है। तमिलनाडु का हिंदी विरोध सबसे पुराना है, लेकिन यह भी साफ है कि उसने कभी त्रिभाषा सूत्र स्वीकार नहीं किया और बिना लाग-लपेट कहता रहा कि उसे हिंदी स्वीकार्य नहीं। इसके पीछे निहित अनेक कारणों में से एक है तमिल स्वाभिमान की अभिव्यक्ति और दूसरा हिंदी विरोध न करने पर राजनीतिक रूप से कमजोर पड़ने का भय, क्योंकि 1967 से हिंदी विरोध के कारण ही वहां क्षेत्रीय दल सत्ता पर बने हैं, वह चाहे डीएमके हो या एआइएडीएमके। हिंदी विरोध के बहाने तमिल अस्मिता को बचाए रखने की बात आम वोटर के भीतर इतनी पैठ गई है कि अब अगर ये दल हिंदी विरोध समाप्त कर लें तो अपने वोट नहीं बचा सकते। तब गद्दी किसी अखिल भारतीय दल के हाथों में जा सकती है। भारत में सूचना क्रांति के पदार्पण के बाद कर्नाटक, विशेषकर बेंगलुरु इलेक्ट्रानिक सिटी के रूप में उभरा है। यहां देश-विदेश से ऐसे लोग भी हैं, जिनके लिए एक से अधिक भाषाओं में बातचीत या संप्रेषण की कुशलता प्राप्त करना व्यावसायिक अनिवार्यता भी है। उनके लिए एक ऐसी संपर्क भाषा जरूरी हो जाती है, जो अधिकतर के समझ में आए। इसलिए अंग्रेजी के साथ हिंदी जरूरी हो जाती है। यह रोजगार और व्यवसाय की मांग के कारण हो रहा है। किसी राजनीतिक दबाव के कारण नहीं। लोग अपनी आवश्यकता के अनुसार हिंदी ही नहीं तमिल, तेलुगु, मलयालम, मराठी भी सीखते हैं। देश की भाषाओं को लेकर सरकार की नीति भी स्पष्ट कभी नहीं दिखाई पड़ी। आधी सदी से अधिक हुआ, हम त्रिभाषा सूत्र के पीछे पड़े हुए हैं। यह जानते हुए भी कि इसके परिणाम कभी अनुकूल नहीं रहे। वस्तुत ईमानदारी से त्रिभाषा सूत्र कभी लागू ही नहीं किया गया, इसलिए सफल नहीं हुआ। इससे हमने सबक नहीं सीखे। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत फिर से तीन भाषाओं को सीखने-सिखाने की संस्तुति की गई है। अर्थात फिर वही ढाक के तीन पात। पहले यह विवेचन किया जाता कि तीन भाषाएं पढ़ने के नाम पर जो कुछ किया गया है, उसके परिणाम क्या रहे हैं। अचानक त्रिभाषा सूत्र की याद दिला देने से शंकालु राज्य अधिक शंकालु हो जाते हैं और ऐसे नारे उभरने लगते हैं-हिंदी थोपी जा रही है, हिंदी का साम्राज्यवाद नहीं चलेगा इत्यादि-इत्यादि। देश में लगभग 424 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं। इनमें से 22 भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची से विशेष मान्यता प्राप्त है। इस अनुसूची में स्थान पाने के लिए 30 से अधिक भाषाएं कतार में लगी हैं। इसमें भी राजनीति है। अनुसूची में आने का अर्थ है उस भाषा के लिए बजट अधिक हो जाना। अकादमियों, समितियों के अध्यक्ष के रूप में राजनीतिक नियुक्तियां और भी ऐसे ही प्रलोभन। चुनाव आने पर इसे ही भुनाया जाता है। इसी प्रकार शास्त्रीय भाषाओं के रूप में भी पहले चार भाषाएं स्वीकृत थीं। अब उनकी संख्या 11 पहुंच चुकी है। वहां भी ऐसे ही आकर्षण हैं। इसलिए अनेक भाषाएं शास्त्रीय भाषाएं बनने को आतुर हैं। शास्त्रीय भाषा कौन हो, इसकी पहचान के लिए भी नियमों में कम से कम तीन बार परिवर्तन किया जा चुका है और आश्चर्य नहीं कि आगे कोई भाषा शामिल करनी हो तो फिर परिवर्तन करें। यह बात अनेक प्रकार से, अनेक मंचों से कही जाती रही है कि वेशभूषा, भाषा, रहन-सहन में बहुलता ही भारत की पहचान है। इसलिए हमें एक-दूसरे के प्रति सहिष्णु होना चाहिए। जब इसके अनुपालन की बात आती है तो हम प्रायः पिछड़ जाते हैं या भ्रम और अहंकार से ग्रस्त हो जाते हैं।

सम्पादकीय

दिल्ली में आग से बचाव के नाम पर मजाक

दिल्ली की घनी आबादी वाले इलाकों में आग से बचाव के इंतजाम पर सवाल तो पहले ही उठते रहे हैं, वहीं सरकारी इमारतों में पिछले दिनों जिस तरह की खामियां सामने आई हैं, वह चिंता का विषय है। गर्मियों के मौसम में यहां हर वर्ष आग लगने की घटनाएं होती हैं, लेकिन इन्हें रोकने के लिए न तो समन्वित उपाय किए जाते हैं और न ही नागरिकों को जागरूक किया जाता है। जब सरकारी विभाग ही लापरवाही बरतेंगे, तो कई मंजिला भवनों और व्यावसायिक इमारतों में जान-माल की सुरक्षा की क्या ही उम्मीद की जा सकती है। हाल ही में राजधानी की कई सरकारी इमारतें अग्नि सुरक्षा की कसौटी पर खरी नहीं उतर पाईं। जांच के दौरान यही हाल सरकारी अस्पतालों में दिखा। क्या कोई इस तथ्य को गंभीरता से लेगा कि कुछ अस्पतालों और सरकारी भवनों को इसी आधार पर अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र जारी नहीं किए गए या उनका नवीनीकरण नहीं किया गया, क्योंकि उनमें आग से बचाव के पुख्ता इंतजाम नहीं थे। ऐसा संभव नहीं कि इमारतों से संबंधित विभागों के जिम्मेदार अधिकारियों को अपनी कमियां दूर करने के लिए आगाह न किया गया हो। फिर भी लापरवाही बरती जा रही है, तो इसे गंभीरता लिया जाना चाहिए। दिल्ली के कुछ सरकारी भवन इतने पुराने हैं कि उनका मानकों पर खरा उतरना मुश्किल है। बावजूद इसके उन्हें अनापत्ति प्रमाणपत्र मिलते रहे हैं, तो यह जांच का विषय होना चाहिए। लोकनायक अस्पताल में वैकल्पिक सीढ़ियां बंद पाई गई हैं। दुर्भाग्यवश कोई घटना होती है, तो इसकी गंभीरता को समझा जा सकता है। हैरत की बात है कि आंबेडकर अस्पताल में वैकल्पिक निकास को स्थायी रूप से बंद पाया गया, यह जानते हुए भी कि रोज बड़ी संख्या में मरीज यहां आते हैं। आखिर इस तरह की लापरवाही के लिए कौन जवाबदेह है? दो वर्ष पहले राजधानी के एक नर्सिंग होम में आग लगने से छह नवजात शिशुओं की मौत हो गई थी। उस समय वहां अग्नि सुरक्षा उपायों में भारी कोताही पाई गई थी। आज भी अगर राजधानी में बड़े अस्पताल नियमों की अनदेखी कर रहे हैं, तो समय रहते सरकार को कदम उठाना चाहिए।

आभासी जीवन

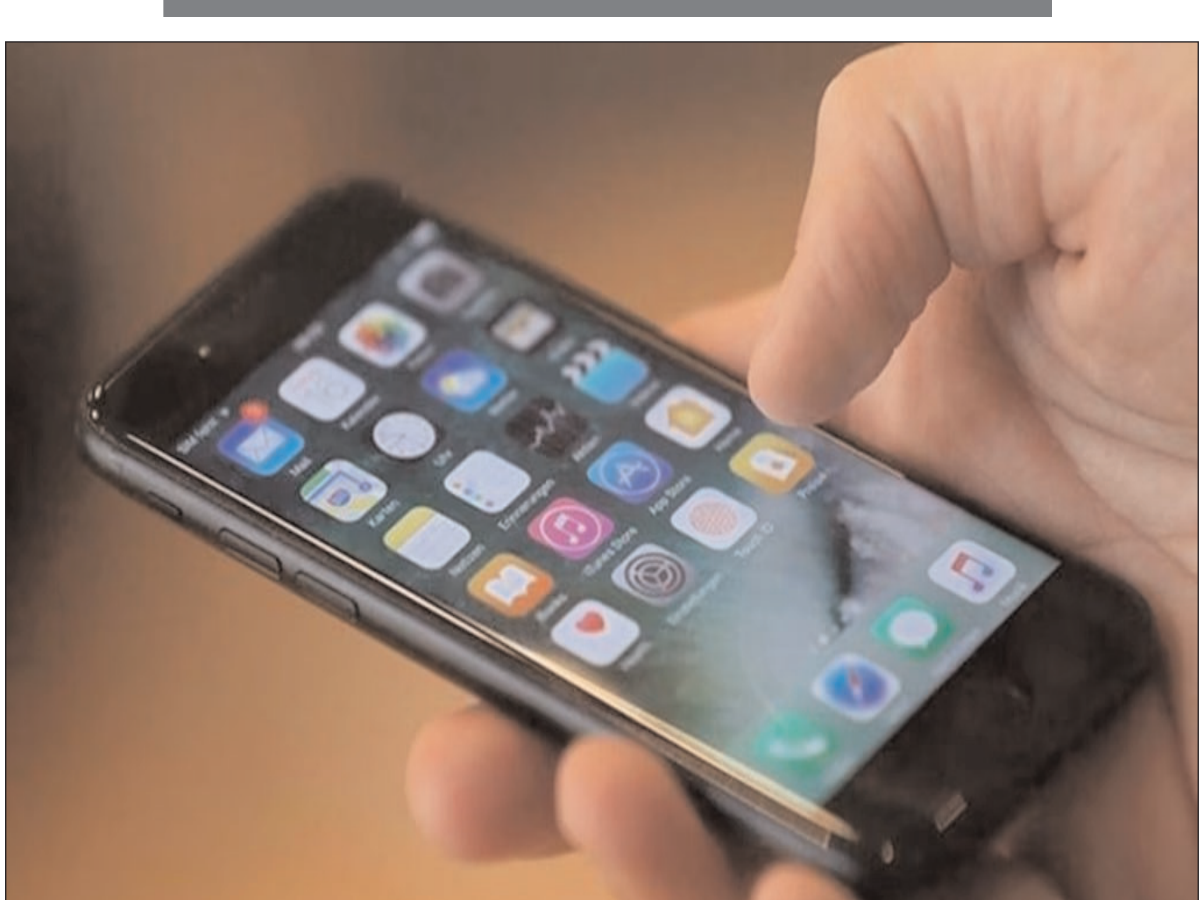

इंटरनेट के आविष्कार मानव जीवन में एक क्रांति लेकर आई। इंटरनेट की मदद से हर क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखी गई है। आज सोशल मीडिया का दौर चरम सीमा पर है। सोशल मीडिया पर छोटी-सी खबर भी चंद मिनटों में पूरी दूनिया में फैल जाती है। सोशल मीडिया के सहारे दुनियाभर के लोग आसानी से एक-दूसरे से जुड़ जाते हैं। आज लोगों का बहुत अधिक समय मोबाइल पर व्यतीत हो रहा है। लोगों को अकेले रहने की आदत पड़ चुकी है। वे मोबाइल पर अपनी आभासी दुनिया बना चुके हैं और वास्तविक जीवन से दूर होते जा रहे हैं। कोरोना काल से आभासी चुनावी सभा, पढ़ाई, मीटिंग आदि का दौर शुरू हो गया है। अब आभासी स्कूल और कालेज भी खुल रहे हैं। आज लोगों के सोशल मीडिया पर हजारों मित्र होते हैं, लेकिन जब वास्तविक जीवन में मित्रों की आवश्यकता होती है, तो कोई भी साथ खड़ा नहीं होता है। आज आभासी दुनिया की बढ़ती दखलंदाजी की वजह से सामाजिक संबंध पीछे छूटते जा रहे हैं। आभासी दुनिया में ही लोग रिश्ते-नाते स्थापित कर रहे हैं। तकनीक इंसानों की मदद के लिए है, लेकिन इंसान तकनीक का गुलाम होता जा रहा है। लोगों को इस बात का अंदाजा तक नहीं है कि अगर यह आभासी दुनिया में इस कदर व्यस्त या लीन होगा तो आने वाले वक्त में वह किस तरह की मनोवैज्ञानिक समस्याओं से घिर जा सकता है। प्रकृति को अनदेखा करना उसके समूचे व्यक्तित्व और शरीर को खोखला कर दे सकता है। इसके बाद का जीवन कैसा होगा, इसकी महज कल्पना ही की जा सकती है। यह स्थिति समाज के लिए उचित नहीं है। सामाजिक संबंधों को बनाए रखने के लिए लोगों को आभासी दुनिया से बाहर निकलना चाहिए। सरकारों की उदासीनता की वजह से भ्रष्टाचार आज मानव जीवन का अभिन्न हिस्सा हो चुका है। संस्कृति की शुरुआत से बल-प्रदर्शन जीवन का एक घटक रहा है। अलग-अलग सरकारों के दौर में भ्रष्टाचार, घोटाला, सरकार तोड़ना, सरकार गिराना, आयकर चोरी और आय से ज्यादा धन रखने का मामला विवादों में रहा है और इसके लिए सरकार की जो स्वतंत्र इकाइयां रही हैं, वे जांच कर अधीनस्थ न्यायालय को रिपोर्ट साझा करती रही हैं। मामला न्यायालय में चलता रहा है। इस विषय पर चर्चा चौपालों पर होती रही है। स्कूल-कालेज में भाषणों में इस पर बोला जाता रहा है। यह जरूरी भी है। लेकिन मौजूदा सरकार में भी सब वही चल रहा है, जैसे आय से ज्यादा धन रखने का मामला हो या कहीं घोटाला और चोरी का मामला हो। विडंबना यह है कि आजकल समाज ईडी और सीबीआइ के छापे को मजाक और दुर्भावना से ग्रसित बताया जा रहा है। यह समझ से परे है कि क्या सरकार सच में ईडी और सीबीआइ को अपनी महत्त्वाकांक्षा के लिए उपयोग कर रही है या विपक्ष के द्वारा समाज में यह सिर्फ निराधार संदेश दिया जा रहा है। सत्य क्या है यह समझ से परे है।

स्पर्श की संवेदना

इसके बाद लोगों का समूह अपनी अलग-अलग पहचान खोकर एक 'भीड़' की पहचान में सहयुग्मित हो जाते हैं। यानी स्पर्श का यह मनोवैज्ञानिक भाव सिर्फ निजी भावों के संप्रेषण तक सीमित नहीं है, बल्कि भीड़ के निर्मित होने का मनोवैज्ञानिक आधार भी निर्मित करती है। स्पर्श के मनोविज्ञान को समझ कर ही भीड़ की भावना को समझा जा सकता है कि कैसे बंद कमरे के एक व्यक्ति और हजारों की भीड़ में शामिल एक व्यक्ति का दिमाग लगभग एक ही तरीके से काम करता है और वह इस विशाल समूह में भी खुद को अभिव्यक्त कर रहा होता है।

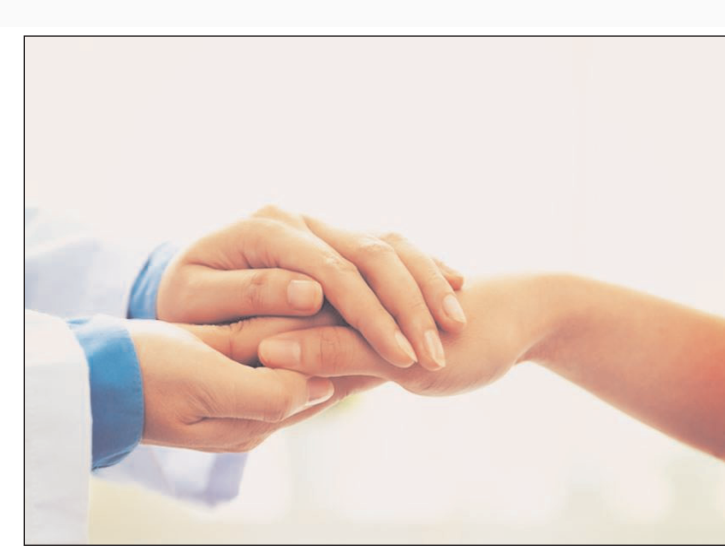

गे स्पर्श मानवीय संवेदना के प्रेषण का सबसे गहरा और आत्मिक माध्यम है। मगर भावनात्मक स्पंदन के इस सबसे प्रभावी संचारक को सिर्फ मानवीय संवेदना तक सीमित क्यों रखा जाए! यह तो समस्त जीव जगत में व्याप्त है। जहां भाषाएं चूक जाती हैं, वहां एक स्नेहिल स्पर्श एक-दूसरे की भावनाओं को परस्पर प्रसारित कर देता है। एक मां अपने नवजात शिशु से और किस तरह बात करती है! जहां प्रजातिगत विविधता संवाद में बाधक बनती है, वहां छू देने भर से बात पहुंच जाती है। अन्यथा मनुष्य अपने पालतू जानवरों से कैसे संबंध स्थापित कर पाता! जहां व्यक्त कर देने से कथन का सौंदर्य धूमिल हो जाता हो, वहां अकथ्य के रूप में भावों का प्रवाह एक प्रेम भरी छुअन से ही हो जाता है। प्रेमी अपने उद्गार और किस विधि से व्यक्त करते हैं! स्पर्श का यह भाव काफी निजी और मजबूत होता है। हम जिसे सायास छूते हैं, उसके प्रति हमारे हृदय में एक भाव होता है। हम किसी खास संवेदना को स्पर्श के माध्यम से पहुंचाना चाहते हैं। यह नितांत निजी होता है और तभी संभव हो पाता है, जब व्यक्ति स्पर्श करने वाले को अपने से अलग नहीं मानता। स्पर्श की इस क्रिया में निजता का भाव सबसे प्रबल होता है और यह सिर्फ तब संपन्न हो पाता है, जब दो व्यक्तियों के बीच अजनबीपन समाप्त हो जाता है। इसके बाद लोगों का समूह अपनी अलग-अलग पहचान खोकर एक 'भीड़' की पहचान में सहयुग्मित हो जाते हैं। यानी स्पर्श का यह मनोवैज्ञानिक भाव सिर्फ निजी भावों के संप्रेषण तक सीमित नहीं है, बल्कि भीड़ के निर्मित होने का मनोवैज्ञानिक आधार भी निर्मित करती है। स्पर्श के मनोविज्ञान को समझ कर ही भीड़ की भावना को समझा जा सकता है कि कैसे बंद कमरे के एक व्यक्ति और हजारों की भीड़ में शामिल एक व्यक्ति का दिमाग लगभग एक ही तरीके से काम करता है और वह इस विशाल समूह में भी खुद को अभिव्यक्त कर रहा होता है। इस पहेली को समझने के लिए हम गणित के 'असंगति प्रदर्शन' का तरीका इस्तेमाल कर सकते हैं। यानी अगर हम इस बात की जांच कर लें कि कौन-सी प्रक्रिया लोगों में दूरी पैदा करती है तो स्पष्ट हो जाएगा कि उसका विलोम दूरी मिटा देगा। नोबेल पुरस्कार विजेता लेखक ए कनेटी ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'क्राउड एंड पावर' में भीड़ के निर्मित होने के आधार के रूप में स्पर्श के महत्त्व को विश्लेषित किया है। उनका कहना है कि मनुष्य किसी अन्य चीज से उतना नहीं डरता है, जितना वह किसी अजनबी के स्पर्श से भय खाता है। यह अनायास नहीं है कि किसी सार्वजनिक जगह पर चाहे हम पंक्तिबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हों या फिर ट्रेन या बस में यात्रा कर रहे हों, तब तक एक-दूसरे से निश्चित दूरी बनाए रखते हैं, जब तक ऐसा करना संभव होता है। भले ही हम अन्य के काफी नजदीक हों फिर भी हमारी कोशिश होती है कि शारीरिक संपर्क न हो। हालांकि विपरीत लिंग के मामले में कई बार इसका अतिक्रमण होता है, लेकिन इसके पीछे एक खास किस्म की संवेदना काम कर रही होती है। कनेटी कहते हैं कि 'स्पर्श का भय' इतना सघन होता है कि जब हम अनजाने में किसी को छू देते हैं तो तुरंत इसके लिए माफी मांगते हैं या फिर अंधेरे में किसी का स्पर्श हमें बुरी तरह डरा देता है। इसी प्रकार कोई अजनबी हमारे कितने भी पास क्यों न हो, हम छूकर कुछ जताने या बताने को अभिव्यक्ति का सबसे अंतिम उपकरण ही स्वीकार करते हैं। आखिरकार ये तमाम बातें इस दार्शनिक सूत्र के रूप में रूढ़ हो जाती हैं कि मनुष्य अपने आसपास जितनी भी दूरी निर्मित करता है, दरअसल उसके पीछे स्पर्श का भय ही कार्य करता है। घर की चारदिवारी भी इसीलिए एक किस्म का सुरक्षाबोध महसूस कराती है। मनुष्य का मानस किसी अजनबी द्वारा स्पर्श न किए जाने की अवस्था को निजता का सबसे सुरक्षित किला मानता है और जब यह किला टूट जाता है तो सबसे पहले खुद को अन्य से अलग महसूस करने के मनोवैज्ञानिक भाव का क्षरण होता है। भीड़ एक ऐसी ही स्थिति है जब अजनबियों के स्पर्श का भय समाप्त हो जाता है और हमारे मन से निश्चित दूरी बने रहने का भाव समाप्त हो जाता है। दरअसल, भीड़ की संरचना निर्मित ही तब होती है जब लोगों के बीच की प्रत्यक्ष दूरी समाप्त हो जाती है। फिर भीड़ में शामिल हरेक व्यक्ति अपना निज क्रमश खोता चला जाता है

एसएस राजामौली की फिल्म में आर माधवन की एंट्री?

फेमस एक्टर आर माधवन एक हजार करोड़ की फिल्म में एंट्री करने जा रहे हैं! जी हां, वो एसएस राजामौली की SSMB29 में बड़ा रोल निभा सकते हैं। इसमें महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में हैं। पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। ये एक जंगल-एक्शन एडवेंचर मूवी होगी।

बाहुबली और RRR जैसी सुपरहिट फिल्मों को देखने के बाद अब फैंस को एसएस राजामौली की अगली फिल्म का इंतजार है। वो महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा के साथ एक जंगल एडवेंचर बना रहे हैं। अब खबर आई है कि इसमें रहना है तेरे दिल में एक्टर आर माधवन की एंट्री हो गई है। एसएस राजामौली की आने वाली फिल्म SSMB29 के फैंस के लिए ये एक बड़ी खबर है। 3 इडियट्स जैसी हिट फिल्मों के लिए फेमस आर माधवन को इस 1,000 करोड़ रुपये की एपिक मूवी में दमदार रोल निभा सकते हैं। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है। इस फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। ये पहली बार होगा, जब राजामौली और माधवन साथ में काम करेंगे।

फिल्म के बारे में सबकुछ सीक्रेट

बात करें राजामौली की फिल्म की तो इसके बारे में सबकुछ काफी सीक्रेट रखा जा रहा है। इसमें एक्शन-एडवेंचर होगा। राजामौली ने 2024 में केन्या में एक लोकेशन भी देखा था, जहां फिल्म का कुछ हिस्सा फिल्माया जाएगा। इस फिल्म के संगीत की कमान एमएम कीरवानी के हाथों में है।

महेश को जापान लेकर जाएंगे राजामौली इससे पहले जापान में RRR की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान राजामौली ने इस प्रोजेक्ट के बारे में एक छोटी लेकिन प्यारी सी जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था, उनका नाम महेश बाबू है, वे एक तेलुगु एक्टर हैं (लोग उन्हें खूब पसंद करते हैं)। ऐसा लगता है कि आप में से कई लोग उन्हें पहले से ही जानते हैं। वे बहुत हैंडसम हैं। उम्मीद है कि हम फिल्म को थोड़ा जल्दी खत्म कर लेंगे और रिलीज के दौरान मैं उन्हें यहां लाऊंगा और आपसे उनका परिचय करवाऊंगा। मुझे यकीन है कि आप भी उन्हें पसंद करेंगे।

कुटिंग्स यूनिवर्स में दर्शकों को पसंद आएगी मेरी कहानी

अभिनेत्री सना सुल्तान को एएलटीटी की नई वर्टिकल सीरीज कुटिंग्स के लिए चुना गया है। सना कुटिंग्स यूनिवर्स के एक एपिसोड 'आशिक अरबपति में नजर आएंगी। सीरीज के बारे में अपने विचार को व्यक्त करते हुए उन्होंने बताया कि यह महिला के व्यक्तित्व के अलग-अलग पहलुओं पर आधारित है। दर्शकों को यह कहानी जरूर पसंद आएगी। सीरीज के बारे में सना ने बताया, कुटिंग्स एक वर्टिकल ड्रामा सीरीज है। यह एक खूबसूरत फॉर्मेट है, जिसमें रोमांच, रहस्य, भावनाएं, प्यार, नफरत सब कुछ छोटे-छोटे एपिसोड में समाहित हैं।

फॉर्मेट के बारे में अपनी पसंद को जाहिर करते हुए उन्होंने बताया, मुझे जो सबसे ज्यादा पसंद है, वह यह है कि इतने कम समय में बहुत कुछ अनुभव करने या सीखने को मिला। यह एक बहुत ही रोमांचक कॉन्सेप्ट है और मुझे विश्वास है कि लोग इसे पसंद करेंगे और इससे जुड़ाव महसूस करेंगे। सना ने आगे बताया, मेरी कहानी में आप सब कुछ देख सकेंगे। यह एक ऐसी लड़की की कहानी है, जिसके दो पक्ष हैं। वह एक तरफ तो नरम है, वहीं दूसरी ओर सख्त भी है। मैं यह कह सकती हूं कि मेरी कहानी बहुत ही शानदार और दर्शकों को पसंद आने वाली है और एक महिला के व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को छूती है।

सना ने खुलासा किया कि जब उन्हें यह ऑफर हुआ तो उन्होंने बिना देरी किए झट से हां कह दिया था। उन्होंने बताया, खुद एक कंटेंट क्रिएटर होने के नाते मैं रील और शॉर्ट-फॉर्म वीडियो के क्रेज को समझती हूं। इसलिए, मुझे इसकी खूबियों के बारे में अच्छी तरह से पता था। सना ने कहा, लोग इसे देखेंगे तो पसंद करेंगे। क्योंकि, इसकी क्वालिटी और स्टोरी दोनों बेजोड़ हैं। यह घर पर शूट किया गया एक रील नही, यह एक अच्छी तरह से निर्मित शो है, जो एक छोटे, वर्टिकल फॉर्मेट में एक फिल्म देखने जैसा अनुभव देगा।

फिल्म भूल चूक माफ रिलीज के विवाद का वामिका पर नहीं पड़ा फर्क

23 मई को सिनेमाघरों में राजकुमार राव और वामिका गब्बी की फिल्म भूल चूक माफ रिलीज हुई। रिलीज के वक्त फिल्म विवादों में आ गई। फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म को इसे सिनेमाघरों में रिलीज करने से पहले डिजिटल रिलीज करने का फैसला किया था। हालांकि, मल्टीप्लेक्स चेन पीवीआरआईनोक्स ने निर्माताओं के फैसले को चुनौती देते हुए अदालत का रुख किया था। इसके बाद फिल्म 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई।

बातचीत में वामिका ने इस बारे में बात की कि क्या उन्हें इस पूरे मामले से कोई फर्क पड़ा? इस पर वामिका गब्बी ने कहा इससे मुझ पर कोई असर नही पड़ा। मैंने जिंदगी में इतना कुछ देखा है कि इससे प्रभावित नहीं हुई! यह मेरे लिए बहुत बड़ा पल था। मैं टूट सकती थी। मैं कई तरह की भावनाओं से गुजर सकती थी। लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया, क्योंकि मैंने बहुत कुछ देखा है। यह मेरे हाथ में नहीं था।

कई बार चीजें मेरे हाथ में नहीं होतीं

वामिका गब्बी ने आगे बताया कि मुझे कई बार अस्वीकार किया गया। मैंने देखा है कि वादे किए गए और फिर उन्हें पूरा नहीं किया गया। मैंने अपना पूरा भरोसा उन प्रोजेक्ट्स में लगाया, जिनके बारे में मुझे लगा कि यह मेरे करियर या मेरी जिंदगी को बदल देंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मुझे समझ में आया कि यह मेरे हाथ में नही है। इन सबके बावजूद, मेरी तरक्की हो रही थी।

मेरे लिए अपनी बेटी को बड़े होते देखना सबसे खूबसूरत सिनेमा है

एक्टर अली फजल अपनी आने वाली फिल्म मेट्रो... इन दिनों की रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं। इंटरव्यू में उन्होंने अपने सबसे खास सिनेमाई पलों को लेकर खुलासा किया और कहा कि उनके लिए सबसे खूबसूरत सिनेमा अपनी बेटी को बड़े होते हुए देखना है। इंटरव्यू के दौरानजब अली से सवाल पूछा, जिज्ञासा और अवलोकन, क्या आप इन्हें किसी कलाकार की असली पूंजी मानते हैं? इस सवाल का जवाब देते हुए अली फजल ने कहा, हां, मैं ऐसा मानता हूं। मैं हाल ही में पिता बना हूं और मुझे लगता है कि मेरी जिंदगी का सबसे खूबसूरत सिनेमा अपनी 10 महीने की बेटी को बड़ा होते देखना है। इसमें वही दो बातें हैं, जो कलाकार के लिए जरूरी होती हैं, जिज्ञासा और अवलोकन। एक छोटे बच्चे में जो मासूमियत और अनजानापन होता है, वही उसे खास बनाता है।

रणबीर और रणवीर के बीच में है ईगो क्लैश? करण जौहर ने बताई पूरी सच्चाई

रणबीर कपूर और रणवीर सिंह बॉलीवुड के दो नए सुपरस्टार हैं। दोनों ने अपने अभिनय से इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फैंस दोनों की ही फिल्मों का बड़ी बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। हालांकि, दोनों को लेकर तरह-तरह की खबरें भी सामने आती रहती हैं। बीच में इन दोनों स्टार्स के बीच में ईगो क्लैश की खबरें भी सामने आई थीं। अब निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने इन खबरों और दोनों के बीच ईगो की लड़ाई को लेकर असलियत बताई है।

दोनों के बीच में कोई ईगो नहीं

बॉलीवुड हंगामा के साथ अपनी हालिया बातचीत में करण जौहर ने रणबीर कपूर और रणवीर सिंह के बीत ईगो क्लैश को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने इस बारे सच्चाई बताते हुए कहा, 'हर कोई एक-दूसरे को बहुत समझता है। दोनों के बीच में कोई अहंकार नहीं है। यह सब उस नजर या लेंस से देखने का बहुत पुराना तरीका है। मैं नहीं देखता और मुझे यकीन है कि वे भी नहीं देखते हैं। मुझे नहीं लगता दोनों के बीच में किसी तरह का कोई ईगो है।'

दोनों एक-दूसरे के काम पर फीडबैक देते हैं

करण जौहर ने दोनों एक्टर्स के बीच एक-दूसरे को कॉम्प्लीमेंट देने और सलाह देने के समय को भी याद किया। निर्माता ने बताया कि कैसे दोनों ने एक-दूसरे की फिल्म के बाद उन्हें फीडबैक दिया। करण ने कहा, मुझे याद है कि 'ऐ दिल है मुश्किल' देखने के बाद रणवीर सिंह मेरे घर आए और मुझे फिल्म को लेकर अपना व्यू बताया जो कि वाकई में काफी कमाल था। फिर रणबीर ने मुझे 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' पर फीडबैक दिया। मुझे लगता है कि हम सभी किसी भी चीज से बढ़कर दोस्त हैं।

'रामायण' और 'लव एंड वॉर' में नजर आएंगे रणबीर

वर्कफ्रंट की बात करें तो रणबीर कपूर इन दिनों अपनी एपिक सागा फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म में रणबीर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा रणबीर कपूर आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ लव एंड वॉर में भी नज़र आएंगे। इसका निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं।

'धुरंधर' में नजर आएंगे रणवीर सिंह

इसके अलावा अगर रणवीर सिंह के वर्कफ्रंट की बात करें तो रणवीर इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'धुरंधर' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके अलावा वह एक्शन थ्रिलर 'डॉन 3' में भी नजर आएंगे। फिल्म की घोषणा 2023 में की गई थी, लेकिन अभी तक फ्लोर पर नहीं आई है।

अच्छे और सच्चे एक्टर्स ये नहीं सोचते कि मैं उसको खा जाऊं या उसकी लाइन कटवा दूं

वेब सीरीज ट्रिपलिंग के बिंदास चितवन के रूप में दर्शकों का दिल चुराने वाले एक्टर अमोल पराशर डॉली किट्टी और वो चमकते सितारे और सरदार उधम जैसी फिल्मों में गंभीर किरदारों में भी अपनी अदायगी का चटख रंग दिखा चुके हैं। हाल ही में वह दो वेब सीरीज कुल और ग्राम चिकित्सालय को लेकर चर्चा में रहे।

आप आईआईटी रैंक होल्डर थे, अच्छी खासी पैकेज वाली नौकरी थी, वो सब छोड़कर आपने एक्टिंग को चुना। यह रिस्क कैसे लिया? और घरवालों का रिएक्शन क्या था?

ऐसा कोई हीरोइक पल नहीं था कि एक्टिंग के लिए पैशन जागा और सब छोड़-छाड़ के चल दिए। मुझे थिएटर करना था और नौकरी के साथ वह नहीं हो पा रहा था, तो मैंने सोचा कि जो करने का मन है, उसे करके देखते हैं। बेशक, थोड़ी गरीबी होगी, पैसे नहीं होंगे, पर मैनेज कर लेंगे। ऐसा कुछ नहीं था कि मैं तो हीरो बनकर दिखाऊंगा। फिल्मों और टीवी का तो सोचा भी नहीं था। मेरी सोच बस ये थी कि स्टेज पर जाने का मौका मिलता रहे, नए-नए किरदार करने को मिलते रहें। शुरू के 2-3 साल मैंने वही किया।

ट्रिपलिंग में आपका किरदार चितवन बहुत पसंद किया गया, मगर आपने खुद को टाइपकास्ट नही होने दिया। डॉली किट्टी और वो सितारे, सरदार उधम जैसी फिल्मों से उस इमेज को ब्रेक कर दिया। यह कितना मुश्किल या आसान रहा?

आपने सही कहा, हमारी इंडस्ट्री में एक्टर्स आसानी से टाइपकास्ट हो जाते हैं। मेरे साथ एक फायदा ये रहा कि मैं थिएटर करता था। ऑडिशन देता था, तो फिल्में बनाने वाले, लिखने वाले जो लोग हैं, उन्हें पता था कि अमोल सिर्फ ये किरदार नहीं है। वह और बहुत कुछ कर सकता है। उन्होंने मेरे कोई नाटक, ऑडिशन देखे थे। हालांकि, उसके बावजूद 10 में से 5 चीजें ऐसी थीं जो एक जैसी थीं। पांच चीजें अलग भी थीं। उसमें चुनना भी एक चुनौती होती है, क्योंकि कई बार आपको भी लगता है कि लोगों को यही पसंद आ रहा है तो यही करता हूं, लेकिन मेरी सोच ये थी कि खुद को मजा आना चाहिए। बाकी, लोग पसंद करेंगे या नहीं करेंगे, वह देखा जाएगा।

आपने रॉकेट सिंह सेल्समैन में रणबीर कपूर, डॉली किट्टी में कोंकणा सेन शर्मा, ट्रैफिक में मनोज बाजपेयी, सरदार उधम में विक्की कौशल जैसे मंझे हुए एक्टर्स के साथ काम किया है। उनसे बतौर एक्टर कोई गुण अपनाया?

सच कहूं, मेरा मानना है कि एक्टिंग को कोई शब्दों में नहीं समझा सकता। यह ऑब्जर्व करने की चीज है, पर एक बात मैंने इन सबमें देखी कि अच्छे एक्टर सिर्फ अपने लिए काम नहीं करते। वो ऐसे नही सोचते कि मैं अच्छा लगूं, बाकियों का मुझे नहीं पता या मैं उसको खा जाऊं या उसकी लाइन कटवा दूं। ये चीज किसी में नहीं है। यह मैंने अपने अन्दर भी लाने की कोशिश की कि हम यहां अच्छा शो बनाने आए हैं। फिल्म अच्छी होगी, तो उसकी चर्चा होगी, वो हिट होगी, तो सबको फायदा होगा, पर अगर आप ईगो में रहो कि मैं ही मैं रहूं, तो चीजें थोड़ी करप्ट हो जाती हैं। उसमें मजा नहीं होता है। जैसे, जब मैं विक्की, कोंकणा सेन शर्मा या मनोज सर के साथ काम कर रहा था, वहां पर कोई बड़ा छोटा नहीं था कि तू मत बोल। तू उधर पीछे खड़ा रह। यह कॉमन चीज सबमें रही, तो जो अच्छे एक्टर होते हैं, वो सीन को ऊपर रखते हैं। वो खुद को या अपनी इमेज को सर्व नहीं करते कि यार, मेरी तो बॉडी की तारीफ होती है तो शर्ट उतार दूं। ये चीजें कहानी को खराब कर देती हैं।

इन दिनों कई एक्टर्स ने बॉलीवुड में टॉक्सिसिटी को लेकर काफी खुलासे किए हैं। आपका इस बारे में क्या अनुभव रहा? आप खुद आउटसाइडर रहे हैं। ऐसी चीजें झेलनी पड़ी हैं?

मैं इन चीजों से दूर रहता हूं। सबके अपने-अपने अनुभव हैं। मेरी सोच यह रहती है कि अगर आप अच्छे हैं तो आपको अच्छे लोग मिल जाते हैं। हो सकता है कि मुझे भी कभी किसी के कनेक्शन की वजह से रोल नहीं मिला हो, पर मैं ये नही सोचता कि अरे, यह तो साजिश हो गई और मैं घर बैठकर रोने लगूं। मेरा मानना है कि कोई आपका बुरा नहीं चाहता, सब अपना-अपना देख रहे हैं। मैं कई ऐसे लोगों से मिलता हूं, जो दूर से लगता है कि वो बहुत अच्छा कर रहे हैं। सब चीजें वही कंट्रोल कर रहे हैं, मगर पास से मिलो तो पता चलता है कि उसका अलग संघर्ष चल रहा है। मैं ये मानकर चलता हूं कि पर्सनली कोई मेरा बुरा नहीं चाहता है।

हाल ही में एक हफ्ते के भीतर आपकी दो वेब सीरीज कुल और ग्राम चिकित्सालय आई हैं। दोनों में आपके किरदार भी बिल्कुल अलग हैं। इन दोनों किरदारों को निभाने का अनुभव कैसा रहा?

अनुभव बहुत अच्छा रहा। दोनों की शूटिंग मैंने अलग-अलग की थी, वह इत्तेफाक की बात है कि दोनों सीरीज एक हफ्ते के भीतर आ गईं। हालांकि, अच्छी बात ये है कि इस वजह से लोगों को मेरे किरदारों का अंतर ज्यादा महसूस रहा रहा है। लोग बोल रहे हैं कि दोनों के रंग बहुत ही अलग है। इन दोनों किरदारों में ढलने का प्रॉसेस अलग रहा। कुल के अभिमन्यु की सोच और मनोदशा समझने के लिए रिसर्च करना पड़ा कि वो ऐसे टेढ़ा क्यों है? क्योंकि वह मेरी पर्सनैलिटी से काफी दूर है, तो उसे समझने में वक्त लगा। जबकि, सीरीज ग्राम चिकित्सालय में प्रभात के किरदार के लिए सिर्फ सुर पकड़ना था। उसे रियल रखना था।

कैसा हो जीवनसाथी
HARD TO RESIST

मारा स्वभाव हमेशा से चूजी रहा है। हमें जो भी अच्छा लगता है हम उसे अपना लेते हैं और जो हमें पसंद न हो उसे नकार भी देते हैं। यही बात नया रिश्ता कायम करने में भी लागू होता है। जरूरी नहीं कि किसी भी अच्छे दिखने वाले व्यक्ति को देखते ही आप उससे शादी के सपने देखने लग जाएं। शादी के लिए सिर्फ अच्छा दिखना ही काफी नहीं होता। जीवनसाथी चुनने के लिए महिलाएं गंभीर सोच-विचार के बाद ही फैसला लेती हैं। ऐसी ही कुछ सोच पुरुषों की भी होती है। क्या आपको पता है पुरुषों को कैसा जीवनसाथी पसंद आता है। पुरुष केवल खूबसूरत चेहरे या फिगर पर ही फिदा नहीं होते। आइए जानते हैं पुरुषों के मन की बात। पता करते हैं कि किस तरह की महिलाओं को पुरुष नकार नहीं सकते। स्नेही स्वभाव यदि आपका स्वभाव देखभाल करने की प्रवृत्ति का है तो फिर यह तय है कि आपको कोई भी ना नहीं कर सकता। पुरुष चाहते हैं कि उसका जीवनसाथी बिना किसी शर्त उससे प्यार करे। ऐसे पुरुष जल्दबाजी में कोई निर्णय नहीं लेते। वे चाहते हैं कि उनकी गर्लफ्रेंड या जीवनसाथी उन्हें हमेशा उत्साहित करती रहें। स्नेही स्वभाव की महिलाएं उन पुरुषों की पहली पसंद होती हैं जो जीवन के प्रति संवेदनशील होते हैं।

जिम्मेदार
जब कोई पुरुष शादी के लिए लड़की की खोज करता है तो उसकी पहली प्राथमिकता जिम्मेदारी उठा सकने वाली लड़की होती है। वो चाहते है कि उनकी जीवनसाथी में तमाम घरेलू गुण मौजूद हों। पति के साथ मिलकर परिवार को चलाएं।

खाना पकाने में माहिर
भारत में एक मशहूर कहावत है कि पुरुषों के दिल का रास्ता उनके पेट से होकर जाता है। इसलिए जरूरी है कि आपमें बढ़िया खाना बनाने के सारे गुण हों। यदि आपको उनके मुताबिक, पसंदीदा भोजन बनाना आता हो तो बात बन जाए। आप बेस्ट कुक हैं, तो उनकी दुनिया ही पूरी हो जाती है।

पैसे का मोल समझने वाली
यदि आप घर के हिसाब-किताब का प्रबंधन अच्छा है तो फिर कोई भी पुरुष आपको पसंद कर सकता है। पुरुष जब कोई भविष्य की योजना तैयार करते हैं तो उनकी उम्मीद होती है कि उनका जीवनसाथी इस सपने को साकार करने में उनकी मदद करे।

समझदारी
पुरुषों केवल सुंदर चेहरा या फिगर ही नहीं चाहते बल्कि वे चाहते हैं कि उनका जीवनसाथी समझदार भी हो। वो ऐसा जीवनसाथी चाहते हैं जिससे अपनी सारी बातें शेयर कर सकें। वे अपने मानसिक स्तर पर अपने बराबर की महिला को प्राथमिकता देते हैं।

बेहतर दोस्त
पुरुषों की अपेक्षा होती है कि उनकी जीवनसाथी उनकी अच्छी दोस्त हों। यदि आप उनकी बेहतर दोस्त बन सकें तो आपका साथ आजीवन बना रहेगा। आप शादी के बाद भी एक-दूसरे को भलीभांति समझ-बूझ कर बेहतर दोस्त बन सकते हैं।

> सबसे पहले जो जरी के बटुए बनाए गए वे पान-गुटका आदि रखने के लिए ही बनाए गए। इन पर सोने-चांदी के तार से बेलबूटे, फूल पत्तियां बनाई जाती थी। यह सारा काम पार्शियन शैली में होता था वस्तुतः यह हिंदू शैली ही थी जो अरब जाकर फिर यहीं लौटी।

शहर की पहचान थी ज़री

एक वक्त था जब जरी वाले बटुए भोपाल की पहचान हुआ करते थे। नवाब और रजवाड़े इन बटुओं को शान से अपने हाथ में लिए घूमा करते थे। इसके साथ ही जरी और मोतियों से सजी जूतियां भी बेगमों के साथ-साथ आम महिलाओं को नवाबी दौर से जोड़ती थीं। नवाबी दौर में कभी भोपाल की आन, बान, शान और पहचान रही 'जरी' ने अब अपनी चमक खो दी लगती है। एक जमाना था जब 'जरी' नवाबों, रजवाड़ों, जमींदारों और हाकिमों के महलों की जीनत हुआ करती थी। उस दौर के अमीर और खवातीनें जब जरी के भारी दुपट्टे, मोतियों और सलमे सितारे टकी जूतियों और सोने-चांदी के तारों से सजे बटुओं को लेकर निकलते थे तो देखने वाले अश-अश कर उठते।

लेकिन अब न वो दौर रहा न वो लोग न कारीगर और न ही जरी के कद्रदान, लिहाजा कभी भोपाल का पर्याय रहा जरी उद्योग इन दिनों आखरी सांसे गिन रहा है। भोपाल में जरी के काम का इतिहास तकरीबन 130 साल पुराना है। तत्कालीन नवाब शाहजां बेगम (1868-1901) ने भोपाल में जरी का काम शुरू करवाया था। उन्होंने लखनऊ, कानपुर, दिल्ली से जरी के बेहतरीन कारीगर भोपाल बुलवाए और परी बाजार के एक ट्रेनिंग सेंटर खोला। तब परी बाजार सिर्फ औरतों के लिए औरतों द्वारा ही चलाया जाता था। जरी के संदर्भ में यदि भोपाल की संस्कृति समझने की कोशिश करें तो पाएंगे कि यहां औरतें मर्दों पर हुक्म चलाती रही हैं उस वक्त के मर्द निहायत गैर जिम्मेदार रहे और मछली पकड़ने के अलावा कोई काम नहीं करते थे ऐसी स्थिति में बेकारी दूर करने और प्रतिव्यक्ति आय बढ़ाने के उद्देश्य से ही नवाब शाहजहां बेगम के जरी उद्योग को बढ़ावा दिया। आपने जरी के निर्यात पर भी बल दिया। (1901-26)नवाब सुल्तान जहां बेगम की भी जरी के काम की बड़ी कद्रदां थीं। उन्होंने भी जरी उद्योग को संगठित करने के काफी प्रयास किए। बुजुर्ग जरी कारीगरों की आय जरी के देती थी विधवाओं के कल्याण के लिए सुल्तान जहां बेगम ने 1905 में आसिफ टेक्निकल स्कूल की स्थापना की थी। सुल्तान जहां के दौर (1901-26) में ही जरी उद्योग अपने उरूज में पहुंचा। बेगम साहिबा ने ही जरी उद्योग को बाजार उपलब्ध करवाया हालांकि तब भी चौक बाजार में एस-सी-जरीवाला (1859) और नेशनल जरी हाउस (1880) की दुकानें खुल चुकी थीं। इसके बाद के वर्षों में जय नारायण कन्हैयालाल, मुल्ला गुलाम बक्श गोटे वाला, मुख्तार जनरल स्टोर, सूफी नबी बक्श हाजी कादर भाई (इब्राहिमपुरा)आदि। जरी के बड़े और प्रतिष्ठित व्यापारियों में से थे इनसे अब केवल एस-सी-जरीवाला और जयनारायण कन्हैयालाल की दुकानें ही मौजूद रह गई हैं। दरअसल जरी का काम सबसे पहले बटुओं पर शुरू हुआ।

उन दिनों रईसों में पान, गुटका, सुपारी आदि खाने का चलन था। सबसे पहले जो जरी के बटुए बनाए गए वे पान गुटका आदि रखने के लिए ही बनाए गए। इन पर सोने-चांदी के तार से बेलबूटे, फूल पत्तियां बनाई जाती थी। यह सारा काम पार्शियन शैली में होता था वस्तुतः यह हिंदू शैली ही थी जो अरब जाकर फिर यहीं लौटी। सत्तर के दशक में सोना-चांदी बहुत महंगा हो गया, फलस्वरूप जरी का स्थान मोतियों, कला वस्तु ने ले लिया बटुओं से शुरू होकर जरी साड़ी, कुर्ता, जैकेट, टोपियां, पर्दा, रूमाल, चप्पल आदि की शान बन गई। लेकिन भोपाल को पहचान जरी के बटुओं की वजह से ही बनी। भोपाल का जरी बटुआ उद्योग भी उतना ही मशहूर है जितना कि अलीगढ़ का ताला उद्योग, बनारस का साड़ी उद्योग। आज भी अधिकांश विदेशी पर्यटक भोपाली पहचान का प्रतीक जरी बटुआ खरीदना नहीं भूलते। दुर्भाग्य से इन अब जरी के काम का चलन कम होने लगा है। पुश्तैनी कारीगर भी यह काम छोड़ने को मजबूर होते जा रहे हैं। भोपाल के चांदबड़, जहांगीराबाद, इतवारा, शाहजहांनाबाद, मोती मस्जिद, हमीदिया रोड आदि क्षेत्रों में अनेक मुस्लिम परिवार इस उद्योग से जुड़े हुए हैं। बच्चों से लेकर बूढ़ों तक अपनी इस विरासत को आज जैसा-तैसा बचाए हुए हैं।

किसी व्यक्ति की कुंडली सिर्फ उसके जीवन की ग्रह दशा ही नहीं कहती, बल्कि उसके प्रत्येक घर में ईश्वर विराजमान होते हैं। या यूं कहें कि कुंडली देखकर पता लगाया जा सकता है कि आप किसकी आराधना करें, जो फलित हो...

कुंडली में ईश बसे...

ज्योतिष शास्त्र में किसी जातक की कुंडली से उसके इष्ट देव को जानने के अलग-अलग सूत्र व सिद्धांत हैं, जिन्हें समय-समय पर ऋषि-मुनियों ने तैयार किए हैं। ऐसे ही एक ऋषि और जैमिनी सूत्र के रचनाकार महर्षि जैमिनी ने इष्टदेव के निर्धारण में आत्मकारक ग्रह की भूमिका को सबसे अधिक महत्वपूर्ण बताया है। कुंडली में लग्नेश, लग्न ग्रह के स्वामी ग्रह जो सबसे अधिक अंश में हो, चाहे किसी भी राशि में हो, आत्मकारक ग्रह होता है। इसी ग्रह को आधार मानकर जातक को अपना इष्ट चुनने का संकेत मिलता है। जैमिनी ने इष्ट निर्धारण के लिए देव चुनने में निम्न बातों का ध्यान रखने की भी सलाह दी है-

- आत्मकारक ग्रह के अनुसार ही इष्ट देव का निर्धारण व उनकी आराधना करनी चाहिए।
- दूसरे आचार्यों के मुताबिक, पंचम भाव, पंचमेश व पंचम में स्थित बलि ग्रह या ग्रहों के अनुसार ही इष्ट देव का निर्धारण व आराधना करें।
- त्रिकोणेश में सर्वाधिक बलि ग्रह के अनुसार भी इष्टदेव का चयन कर सकते हैं और उसी अनुसार उनकी आराधना करें।

इस प्रकार अपने इष्टदेव का चयन करने के उपरांत ही उनकी पूजा-आराधना करनी चाहिए। आप इन्हें किसी भी परिस्थिति में न त्यागें। अपने इष्टदेव का निर्धारण कर यदि आप नियमित पूजन करते हैं, तो आपको अपने पूर्वजन्म कृत पापों से मुक्ति भी पाने में मदद मिलेगी।

ग्रह अनुसार इष्ट निर्धारण
सूर्य: राम व विष्णु
चंद्र: शिव, पार्वती, कृष्ण
मंगल: हनुमान, कार्तिकेय, स्कंद, नरसिंह
बुध: गणेश, दुर्गा, भगवान बुद्ध
बृहस्पति: विष्णु, ब्रह्मा, वामन
शुक्र: परशुराम, लक्ष्मी
शनि: भैरव, यम, कूर्म, हनुमान
राहु: सरस्वती, शेषनाग
केतु: गणेश व मत्स्य

प्रकृति में छिपा स्वास्थ्य

स्वास्थ्य को जीवन की एक बहुत महत्वपूर्ण निधि माना जाता है। स्वास्थ्य एवं रोग के विषय में प्राकृतिक चिकित्सा के अपने कुछ मौलिक सिद्धांत हैं, जिसके उल्लंघन पर तमाम रोग होते हैं। हमारे आस पास यानी की हमारी प्रकृति में ही इतनी अनमोल चीजें छिपी हुई हैं कि अगर हम उनको अपने सेहत को सुधारने के लिए प्रयोग करेंगे तो हम हमेशा ही मुस्कुराता हुआ जीवन जीएंगे। चलिए जानते हैं कि प्रकृति में ऐसी कौन सी चीजे हैं जिनसे हमें लाभ मिल सकता है।

संतुलित खान-पान
स्वस्थ रहने के इन तरीकों को में सबसे पहला स्थान संतुलित खान-पान का है। ताजे फल और हरी पत्तेदार सब्जियां व अंकुरित अन्न इस दृष्टि से सर्वाधिक उपयुक्त है। ये आहार स्वास्थ्य को उन्नत करने के साथ-साथ रोगों से दूर रखते है।

मिट्टी से उपचार
शरीर पर तरह तरह की मिट्टियों का लेप लगाने से लाभ होता है। हमारे शरीर को शीतलता देने के लिए मिट्टी का प्रयोग किया जाता है। यह शरीर के दूषित पदार्थ को घोल कर एवं अवशोषित कर पूरे शरीर से बाहर निकाल देती है।

उपवास भी है फायदेमंद
उपवास को प्राचीन समय से स्वास्थ्य रहने का उत्तम साधन माना जाता है। उपवास पाचन प्रणाली को विश्राम देने की प्रक्रिया में खर्च होने वाली ऊर्जा, शरीर से बीमारियों को बाहर निकालने में लग जाती है, यही उपवास का उद्देश्य भी है। अगर आपको स्वस्थ्य रहना है तो हफ्ते में एक दिन जरूर उपवास करें।

मालिश भी है जरूरी
मालिश भी स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक है, इसका प्रयोग अंग-प्रत्यंगों को पुष्ट करते हुए शरीर के रक्त संचार को उन्नत करने में होता है। मालिश से शरीर निरोगी रहता है और स्फूर्ति बनी रहती है।

पानी से उपचार स्वच्छ, ताजे एवं शीतल जल से अच्छी तरह से स्नान करना जल चिकित्सा का एक बढ़िया रूप है। इससे शरीर के सभी रंध्र खुल जाते है, यही नहीं शरीर में हल्कापन और स्फूर्ती भी आती है।

बनाएं अपनी होम लाइब्रेरी

कहते हैं किताबें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। मगर, कैरियर और पारिवारिक जिम्मेदारियों को संभालने में हम इस कदर व्यस्त हो जाते हैं कि किताबों से मिलने का समय ही नहीं मिलता। ऐसे में होम लाइब्रेरी एक बेहतर विकल्प हो सकता है। अपने घर में लाइब्रेरी सेट करने के लिए अपनाएं कुछ आसान टिप्स..

ऐसे करें लाइब्रेरी मैनेज
1. हमेशा किताबों को तिरछी करके रखें, ऐसा करने से किताबों को निकालने में आसानी होगी।
2. किताबों को कभी-भी फंसाकर न रखें, ऐसा करने से उनके कवर्स फटने की सम्भावना होती है।
3. बुकमार्क का प्रयोग करें। ऐसा करने से आपको किताबों के पन्ने फोल्ड करने की जरूरत नहीं पड़ेगी और किताबों की सुंदरता बनी रहेगी।
4. किताबों को उधार न दें। अगर आप अपने दोस्तों को किताबें देते भी हैं तो समय से उन्हें वापस ले लें। अगर ऐसा नहीं करते है तो आपका बुक्स कलेक्शन खराब हो जाएगा।
5. समय-समय पर किताबों की सफाई भी करें। सिर्फ बुक शेल्फ की सफाई करना काफी नहीं है, आप सप्ताह में एक बार किताबों को भी कपड़े से साफ करें।
6. लाइब्रेरी का वातावरण सुगंधित और साफ-सुथरा बनाए रखें। बारिश के मौसम में इस बात का खास ख्याल रखें कि किताबों में सीलन न लगे।
7. रीडिंग के समय अगर कोई मेहमान आ जाए तो उसे लाइब्रेरी में बुलाने की बजाय आप खुद दूसरे कमरे में उसे बिठाएं।

शांत हिस्से में बनाएं लाइब्रेरी
लाइब्रेरी घर के सबसे शांतिपूर्ण हिस्से में होनी चाहिए। कोशिश करें कि लाइब्रेरी हॉल से थोड़ी दूर हो, वरना वहां होती चहल-पहल से पढ़ाई में मुश्किल होगी। अगर आपके बच्चे छोटे हैं तो लाइब्रेरी को उनके रूम के पास भी न बनवाएं।

किताबों तक पहुंचना हो आसान
लाइब्रेरी की अलमारियां और शेल्फ ऐसी हों, जिससे किताबों को ढूंढने में मुश्किल न हो। जो किताबें काफी महंगी हैं, उन्हें कवर्ड अलमारी में रखें। बच्चों की पसंद की किताबों को ओपन शेल्फ में रखें, क्योंकि जल्दबाजी में वे अक्सर शेल्फ को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा ऐसी किताबें जो आपको बहुत पसंद हैं, उन्हें ट्रांसपेरेंट कांच वाली अलमारी में रखें, ताकि उनके टाइटल साफ दिखाई दें और आप उन्हें आसानी से ढूंढ सकें।

वास्तु: दिशा सही, सीढ़ी सही

सीढ़ियां ऐसी होनी चाहिए कि घर में रहने वाले व्यक्ति को पता ही न चले कि वह कब पहली सीढ़ी से चढ़कर ऊपर पहुंच गया। सीढ़ियां जैसी भी हों, जहां भी हों, उनका मकसद सिर्फ और सिर्फ ऊपर की मंजिल तक पहुंचाना होता है। घर की खूबसूरती में चार चांद लगाने वाली यह सीढ़ियां आज न जाने कितने डिजाइनों में उपलब्ध हैं, लेकिन अगर आपने इनसे जुड़े वास्तु सिद्धांतों पर गौर नहीं किया तो यह अपने होने के उद्देश्य से भटक भी सकती हैं।

वास्तु में भवन के अंदर और बाहर की सीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन उपलब्ध है। वास्तु में इन्हें घर का न सिर्फ अहम हिस्सा माना गया है बल्कि इनके प्रभावों पर भी विस्तृत चर्चा मौजूद है। वास्तु अनुसार, घर में सीढ़ियों के लिए सर्वोत्तम दिशा दक्षिण, पश्चिम या दक्षिण-पश्चिम है। अगर सीढ़ियां सही स्थान पर बनी हों, तो जीवन के बहुत से उतार-चढ़ाव व कठिनाइयों से बचा जा सकता है।

दिशा सीढ़ियों की
सीढ़ियों को अगर सही दिशा में न बनाया गया हो, तो यह एक गंभीर वास्तुदोष माना जाता है। इस दोष के कारण मनुष्य को अनावश्यक आर्थिक व निजी जीवन में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसका उचित उपाय तो सीढ़ियों का सही दिशा में स्थित होना ही है, किंतु यदि सीढ़ियां गलत दिशा में बनी हों और उन्हें अन्यत्र स्थानांतरित करना संभव न हो, तो बिना तोड़फोड़ के भी इस वास्तुदोष का निवारण किया जा सकता है। इसके लिए किसी कुशल वास्तु विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में स्टोन पिरामिड की स्थापना करनी पड़ती है।

इनका ध्यान रखें
सीढ़ियां कभी भी उत्तर-पूर्व में न बनवाएं। यह धन-नाश व व्यापार में हानि तथा कर्जों का कारण बन सकती हैं। इससे संतान पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। सीढ़ियां हमेशा विषम संख्या (3,5,7,9,11,13) में हों। सुविधाजनक, सुंदर व मजबूत सीढ़ियां अच्छे वास्तु की परिचायक हैं। सीढ़ियों के टूटे किनारे वास्तु-दोष उत्पन्न करते हैं। अतः इनकी मरम्मत समय रहते करवा लेनी चाहिए। घुमावदार सीढ़ियां अच्छी नहीं होतीं। सीढ़ियों के नीचे रसोई घर, पूजा घर, स्नान घर आदि न बनवाएं। हां, यहां स्टोर रूम बनाया जा सकता है। घर के केंद्र में (ब्रह्मस्थान में) सीढ़ियां होने से घर के सदस्यों को मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। सीढ़ियों की ऊंचाई व चौड़ाई इस आकार में हो कि बच्चे व बुजुर्ग आसानी से बिना थके चढ़ सकें। सीढ़ियों की ऊंचाई सात इंच तथा चौड़ाई दस इंच से एक फुट तक हो सकती है।

राज्य जयपुर टाइम्स

जयपुर, सोमवार
16 जून, 2025

विद्युत सुरक्षा हेतु नियंत्रण कक्ष सक्रिय, ढीले, लटकते अथवा टूटे विद्युत तारों की सूचना दें सकेंगे जिला कंट्रोल नंबर पर

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। जिले में विद्युत जनित दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अब जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के नागरिक अपने आसपास कहीं भी ढीले, लटकते या टूटे विद्युत तारों की सूचना सीधे जिला कंट्रोल नंबर 05642-220033 पर दे सकते हैं। यह कदम मानसून पूर्व तैयारियों के दृष्टिगत भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जब अधिकतर क्षेत्रों में तेज हवाएं, वर्षा एवं जलभराव के कारण विद्युत तारों के क्षतिग्रस्त होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में किसी भी संभावित खतरे से पहले ही सावधानी बरतते हुए नागरिकों की सहभागिता से जन-जीवन को सुरक्षित रखने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रशासन की अपील

जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र में यदि कहीं भी विद्युत तार लटकते हुए, कटे हुए या किसी निर्माण कार्य के दौरान असुरक्षित स्थिति में नजर आएं, तो उसे नजरअंदाज न करें। ऐसी किसी भी स्थिति की सूचना तत्काल 05642-220033 पर दें, ताकि विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुँचकर आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्रता से कर सके। यह जिला कंट्रोल नंबर 24 घंटे और सप्ताह के सभी दिन सक्रिय रहेगा, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित संज्ञान लिया जा सके।

प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म आयेंगे धौलपुर

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.) राज्य मंत्री गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग व जिला प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म 16 जून सोमवार को धौलपुर आएंगे। जिला प्रभारी मंत्री बेढ़म वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की समीक्षा बैठक करेंगे साथ ही वे अभियान के तहत हुए कार्यों का मौका निरीक्षण करेंगे।

पेड़ है तो जीवन है, विनय परमार

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। भारतीय जनता पार्टी मंडल जाटोली में श्री श्री 1008 बरखंडी हनुमान जी मंदिर समोला पर बंदे गंगाजल संरक्षण जन अभियान संकल्प से सिद्धि बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें विधानसभा संयोजक डॉक्टर शिवचरण कुशवाह ने संबोधित करते हुए कहा की पीएम मोदी की 11 साल विकास सुशासन के रहे, मोदी की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का कार्यकर्ताओं से आह्वान किया उन्होने कहा गाँव में हर घर मे शौचालय और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए हम सभी को मिलकर केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ लेना चाहिए सहसंयोजक विनय परमार ने शपथ दिलाई की एक पेड़ मां के नाम जरूर लगाना चाहिए मोदी सरकार की योजनाओं को सभी कार्यकर्ताओं को बताया और कहा की योजना हर घर तक पहुंचने चाहिए। हम सभी को मिलकर गाँव शहर मोहल्लों मे कुआ तालाब बावड़ी मंदिरों कि सफ़ाई करनी चाहिए, जिससे बीमारियों पर अंकुश लगाया जा सके उन्होंने कहा पेड है तो जीवन है। वृक्षों पर हम सब को पानी के परिन्डे लगाने चाहिए पछियो की जल की सेवा हो सके संकल्प सिद्धि जिला सहसंयोजक हरेंद्र राव ने मनुष्य को अपने जीवन में पेड़ लगाने जल संरक्षण कैसे किया जाए उसका क्या महत्व है, उसकी जानकारी दी मनुष्य के जीवन में जल संरक्षण बहुत जरूरी है।

भाकर परिवार ने पेश की अनूठीं मिसाल, पेड़ लगाओ- जीवन बचाओ का नारा देकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी(निसं.) मकराना क्षैत्र के जुसरिया गाँव में रविवार को भाकर परिवार द्वारा आयोजित भैरू बाबा की महाप्रसादी में मकराना सहित जिले के विभिन्न स्थानों से सभी समाजों के सेंकड़ो लोग पहुँचे। जहाँ भाकर परिवार के प्रभुद्जनों ने समाज के सामाजिक व राजनीतिक उत्थान को लेकर चर्चा की। 36 कॉम के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य व व्यवसाय में समाज की प्रगति को लेकर भी विचार विमर्श हुआ। आयोजकों द्वारा पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए "हरियाली अभियान" की शुरुआत करते हुए पेड़ लगाओ-जीवन बचाओ का संदेश वृक्षारोपण कर दिया गया। साथ ही भाकर परिवार द्वारा इस वर्षा ऋतु में जिले में 7000 पेड़ पौधे लगाए जाने का संकल्प लिया। इस दौरान भैरू जी के 18 क्विंटल चूरमे का भोग लगाया गया। इस मौक़े पर पूर्व विधायक रूपाराम मुरावतिया ने कहा कि भाकर परिवार ने यह आयोजन कर क्षेत्र में अनूठी मिसाल पेश की है। भाजपा नेता प्रकाश भाकर ने बताया कि इस मौके पर भैरू जी महाराज के भोग लगाकर आमजन की खुशहाली की कामना की। 36 कॉम के लोगों ने आयोजकों की सराहना की ।जुसरिया सरपंच परमा राम भाकर ने बताया कि पेड़ लगाओ-जीवन बचाओ अभियान की शुरुआत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जूसरिया में पेड़ लगाकर की है।

राजकीय जिला चिकित्सालय में भामाशाह सम्मान समारोह सम्पन्न

राज्यमंत्री विजय सिंह चौधरी ने किए 1.41 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी(निसं.) राजकीय जिला चिकित्सालय में रविवार को भामाशाह सम्मान समारोह एवं अस्पताल में कराए गए विविध विकास कार्यों के लोकार्पण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य सरकार में मंत्री विजय सिंह चौधरी थे। इस अवसर पर जिला प्रमुख भागीरथ चौधरी, डिप्टी पुलिस अधीक्षक अरविंद बिश्नोई,कुचामन विकास समिति के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश काबरा सहित अनेक गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। कार्यक्रम में प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. वीके गुप्ता ने अतिथियों के साथ सभी भामाशाहों का माला एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। डॉ. गुप्ता ने बताया कि पिछले 14 माह में भामाशाहों के सहयोग से1.41 करोड़ की लागत से विभिन्न निर्माण व नवीनीकरण कार्य संपन्न हुए हैं। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सत्यनारायण कुम्हार ने बताया कि विगत पांच वर्षों में शल्य क्रियाओं की संख्या में दस गुना वृद्धि हुई है। अब अस्पताल में सामान्य ऑपरेशनों के साथ-साथ कूल्हा एवं घुटना प्रत्यारोपण जैसी जटिल सर्जरी भी की जा रही है। राज्यमंत्री चौधरी ने चिकित्सा सेवाओं की प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि अस्पताल के विकास में राज्य सरकार कोई कमी नहीं आने देगी। उन्होंने वृक्षारोपण एवं जल संरक्षण जैसे विषयों पर भी बल दिया। इस अवसर पर सम्मानित किए गए भामाशाह में नंदकिशोर देवना, निर्मल गंगवाल, सुभाष रावका, छगनलाल कुमावत, गिरधारीलाल जांगिड़, सुल्तान सिंह (कल्याणपुरा), भंवरलाल बुगालिया, कृष्ण अवतार लाटा,राम काबरा, गोविंदराम चौधरी (पलाड़ा), नेपाल सिंह डाबड़ा, संपत तोषनीवाल, चिरंजीलाल अग्रवाल, डॉ. अरुण कुमार गौर, रतनाराम रणवा, बिरधाराम चौधरी सहित सभी भामाशाहों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर शहर के गणमान्य अतिथि एवं समाजसेवी उपस्थित रहे जिसमें बरखा रानी जैन, राजेंद्र सिंह प्रेमपुरा, कमल पहाड़िया, सुरेश बंसल, राधेश्याम गट्टानी, जसराज खुरीवाल, राम काबरा, हीरालाल कड़वा, सुरेश मंडवाला, सुरेश विनायक, राजेंद्र कुमावत, सुरेश सिखवाल, श्यामसुंदर मंत्री, मनोज जोशी, दिनेश मावलिया, नरसी कुमावत, गणेश सोनी, भागीरथ कुमावत, नंदाराम बुगालिया, विक्रम राजोरिया, गौरीशंकर शर्मा, बाबूलाल कुमावत, गोरु राम कुमावत, तुलसीराम कुमावत, सरवन सोनी, कमल राजोरिया, अयूब शेख, रामेश्वर कुमावत, किशन गुर्जर, सुशील काबरा ,रमेश चावला, गौतम चंदेलिया सहित अनेक समाजसेवी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में केमिस्ट एसोसिएशन के श्रीपाल सिंह रसाल, पवन कुमार जैन तथा मीडिया प्रतिनिधियों सहित अस्पताल के चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल कर्मी व प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिक दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस पर वृद्धाश्रम में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

वरिष्ठ नागरिक समाज की अमूल्य धरोहर- न्यायिक मजिस्ट्रेट करूणा

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धौलपुर की ओर से रविवार को वरिष्ठ नागरिक दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के अवसर पर हाउसिंग बोर्ड स्थित वृद्धाश्रम में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 2 करूणा द्वारा किया गया। इस अवसर पर मजिस्ट्रेट करूणा ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके जीवन के अनुभव हमें सही दिशा में मार्गदर्शन देते हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष 15 जून को यह दिवस मनाया जाता है, ताकि बुजुर्गों के प्रति होने वाले दुर्व्यवहार को उजागर कर समाज में इसके विरुद्ध जागरूकता लाई जा सके। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों, वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 तथा विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के तहत मिलने वाली निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि कमजोर वर्गों को न्याय तक पहुंचाने हेतु भारत सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 39 के तहत यह व्यवस्था की है। साथ ही पीड़ित महिलाओं, बुजुर्गों और जरूरतमंदों को निःशुल्क अधिवक्ता, कानूनी सलाह, मनोवैज्ञानिक परामर्श, चिकित्सा सुविधा व अन्य सहायता उपलब्ध कराई जाती है। टोलफ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 की भी जानकारी दी गई। डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल पप्पू सिंह गुर्जर ने नालसा योजना 2016 तथा राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाएं जैसे सामाजिक सुरक्षा पेंशन, वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना, रोडवेज में किराए में छूट, निःशुल्क दवा योजना आदि की जानकारी दी। असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल दीपक सिंह सिकरवार ने विधिक सहायता से जुड़ी जानकारी साझा की। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कनिष्ठ सहायक सुरेन्द्र सिंह, वृद्धाश्रम का स्टाफ व वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

लॉयन्स क्लब जयपुर हवामहल का इंस्टॉलेशन एवं चार्टर नाइट समारोह भव्यता से संपन्न

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। लायन्स क्लब जयपुर हवामहल का इंस्टॉलेशन एवं चार्टर नाइट समारोह रविवार को शुभाशीष फॉरेस्ट, अजमेर रोड, जयपुर में गरिमामय माहौल में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राजस्थान के माननीय राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागड़े ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता लॉयन अंकित खंडेलवाल ने की जिन्हें वर्ष 2025-26 के लिए नवनिर्वाचित अध्यक्ष के रूप में पदस्थापित किया गया। उनके साथ डॉ. राजीव अग्रवाल (सेक्रेटरी) एवं लायन सावरमल जांगिड़ (कोषाध्यक्ष) ने भी पदभार ग्रहण किया। मंच पर मुख्य सलाहकार डॉ. ए.के. भार्गव, क्लब एडमिनिस्ट्रेटर लायन कैलाश खंडेलवाल, कार्यक्रम संयोजक लायन एस.एन. गुप्ता, सचिव श्रीप्रकाश रावत और पदस्थापना अधिकारी लायन के.सी. बंसल व संयोजक समिति के गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सचिव श्रीप्रकाश रावत और नमित माथुर ने बताया कि इस समारोह की एक पेड़ माँ के नाम जैसे पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम के साथ शुरुआत की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में लायन अंकित खंडेलवाल ने कहा कि सेवा से समाधान हमारा वर्षभर का लक्ष्य रहेगा। हम समाज में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में ठोस पहल करेंगे। साथ ही युवाओं को लायंस क्लब से जोड़कर नए नेतृत्व को तैयार करेंगे। उन्होंने आने वाले वर्ष के लिए हेल्थ चेकअप कैंप, ब्लड डोनेशन, महिला उत्थान कार्यक्रम, स्कूल किट वितरण और युवा प्रेरणा अभियान संवाद कार्यक्रम जैसी सेवा योजनाओं की घोषणा की। कार्यक्रम के अंत में माननीय राज्यपाल महोदय ने समाज सेवा में लायन्स क्लब जयपुर हवामहल की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संगठन समाज के लिए प्रेरणा हैं और युवाओं को सेवा से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम संयोजक राहुल रावत ने बताया कि नवनिर्वाचित टीम में नरेश बंसल, अभिनव महरवाल, सुरेंद्र विजयवर्गीय, अनूप खंडेलवाल, नवनीत सोगानी, पुनीत खंडेलवाल, मनीष गुप्ता, धर्मेश सक्सेना, सोनम खंडेलवाल, के.सी. गुप्ता, आर.एन. खंडेलवाल सहित अनेक सदस्यों को पदस्थापित किया गया।

प्रशासन ने किया पाबंद, फिर भी कर लिया गौचर भूमि पर अतिक्रमण

बिसाऊ तहसीलदार बोलेः मुझे गोली मारने का अधिकार नहीं

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। ग्राम टांई में पटवारी हल्का टांई श्रीमती आयना मीणा की ओर से पाबंद करने व नक्शा मौका बनाकर उच्च अधिकारियो को भेजनें के बावजूद ग्राम टांई के ही किशोर कुमार धाभाई ने पटवारी के आदेशों की धज्जियाँ उड़ाते हुए गौचर भूमि पर अतिक्रमण कर लिया। ग्रामीणों ने जिसकी शिकायत मुख्यमंत्री व जिला कलेक्टर झुंझुनू को की है। गौ रक्षक दल टांई व ग्रामीणों ने गौचर भूमि मे खाली पड़ी व सड़क के नजदीक होने के कारण उक्त भूमि पर लावारिस व बीमार और दुर्घटना मे घायल गौ वंश के ईलाज व चारा पानी के लिए यहां नंदी शाला खोलने के लिए जगह छोड़ रखी थी। जिसकी सूचना ग्राम टांई के आदतन अतिकर्मी किशोर कुमार को लगने के बाद उसने नंदी शाला के लिए प्रस्तावित भूमि जो राजस्व रिकॉर्ड मे किस्म गौचर व जोहड़ के नाम से दर्ज है, पर कब्जा करके पुख्ता निर्माण कार्य कर लिया और पानी का कनेक्शन भी ले लिया। गौ रक्षक दल के सदस्यों व ग्रामीणों ने बताया कि उक्त आदतन अतिकर्मी किशोर कुमार ने लगभग आधा दर्जन प्लाट टांई की गौचर भूमि मे रोक रखे है और कब्जा करके व पक्के मकान बनाकर बेचने का धंधा पिछले कई वर्षो से कर रहा है। प्रशासन के पाबंद करने के बावजूद आज तक इसके खिलाफ कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई है। गौरतलब है कि अतिक्रमण करने के समय गौ रक्षक दल के सदस्यों की ओर से उपखण्ड अधिकारी मंडावा, नायब तहसीलदार बिसाऊ, गिरदावर बिरमी व पटवारी टांई को करने के बावजूद भी मौके पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई और नंदी शाला के लिए प्रस्तावित जमीन पर शनिवार व रविवार की छुट्टी का मौका देखकर अतिक्रमण कर लिया। इस बारे में बिसाऊ के नायब तहसीलदार पवन कुमार मीणा का कहना है कि पटवारी की ओर से पाबंद करने के बावजूद अतिक्रमण किया है, हमारे पास कोई गोली मारने का अधिकार तो है नहीं और सोमवार कोधारा 91 की कार्रवाही करेंगे जिसमे समय लगेगा।

शिविर में 197 मरीजों की नेत्र जांच

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। शेखावाटी अग्रवाल समाज संस्था के तत्वावधान में व संजय एंड ज्योति अग्रवाल फाउंडेशन के सौजन्य से 149 वाँ निःशुल्क लैंस प्रत्यारोपण शिविर रविवार को विद्याधर नगर, सेक्टर-7 स्थित महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल में आयोजित किया गया। षिविर में 197 मरीजों ने आंखों की जांच व 137 व्यक्तियों को चश्में वितरण किए गए,साथ ही 14 व्यक्तियों को ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। संस्था के सदस्य नथमल बंसल ने बताया कि शिविर संजय एण्ड ज्योति अग्रवाल फाउंडेशन के प्रतिनिधि कमलनयन बागला, सुधीर गाड़िया, ,सुरेश अग्रवाल, ,रामसुंदर जयपुरिया ,विनोद गुप्ता, सुरेश सिंगडोदिया, सुशील अग्रवाल, बजरंग लाल गर्ग, अरुण काबरा नाथूराम बिजाका, शिव कुमार जालान, शंभू दयाल पलसानिया, दिलीप अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, अनिल शर्मा , मुकेश मीणा व राजेन्द्र सिंह मौजूद रहे।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, छापर (चूरू) राजस्थान

कमांक- न.पा.छा. / 2024-25 / 722 दिनांक 03-06-2025

आपत्ति आमंत्रण विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय हाजा में 69 -क के तहत आवासीय पट्टे सम्बंधी निम्नलिखित पत्रावलियां प्रस्तुत हुई हैं। अतः उक्त सम्बंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सुसंगत सबूत एवं दस्तावेजों के साथ अन्दर मियाद सात दिवस कार्यालय हाजा में प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद गुजरने मियाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार / सुनवाई नहीं की जावेगी । सूचित रहे ।

क.सं.	आवेदक का पता	भूमि / भवन का विवरण	भूमि का उपयोग	क्षेत्रफल (वर्गमीटर में)
01	श्री कृष्णा गोपाल बिहानी पुत्र श्री बजरंगलाल बिहानी, वार्ड न. 13, छापर	चेताखेड़ी, वार्ड सं. 13, छापर	69 क आवासीय	227.61 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका छापर

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, छापर (चूरू) राजस्थान

कमांक- न.पा.छा. / 2024-25 / 706 दिनांक 03-06-2025

आपत्ति आमंत्रण विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय हाजा में 69-क के तहत आवासीय पट्टे सम्बंधी निम्नलिखित पत्रावलियां प्रस्तुत हुई हैं। अतः उक्त सम्बंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सुसंगत सबूत एवं दस्तावेजों के साथ अन्दर मियाद सात दिवस कार्यालय हाजा में प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद गुजरने मियाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार / सुनवाई नहीं की जावेगी । सूचित रहे ।

क.सं.	आवेदक का पता	भूमि / भवन का विवरण	भूमि का उपयोग	क्षेत्रफल (वर्गमीटर में)
01	श्री प्रदीप कुमार बिहानी पुत्र श्री बजरंगलाल बिहानी, वार्ड न. 13, छापर	चेताखेड़ी, वार्ड सं. 13, छापर	69 क आवासीय	227.61 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका छापर

कार्यालय ग्राम पंचायत सालासर
प.स. सुजानगढ़ (चुरू)

क्रमांक ग्रा.प./सा./2025/277 दिनांक 13/06/2025

आपत्ति नोटिस

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री ओमप्रकाश शर्मा पुत्र बृजमोहन शर्मा जाति ब्राहमण निवासी सालासर पंचायत समिति सुजानगढ़ जिला चुरू द्वारा ग्राम पंचायत सालासर द्वारा जारी पट्टा स. पट्टा स. 20 जारी दिनांक 30/04/2007 पट्टा धारी का नाम ओमप्रकाश शर्मा पुत्र बृजमोहन शर्मा जाति ब्राह्मण के नाम के नाम से जारी पट्टा गुम होने के कारण डुप्लीकेट पट्टा प्राप्त करने हेतु आवेदन किया है आवासीय सम्पति का विवरण निम्न प्रकार है ।

1. सम्पति का विक्रय विलेख ग्राम पंचायत सालासर द्वारा पट्टा स. पट्टा स. पट्टा स. 20 जारी दिनांक 30/04/2007 पट्टा धारी का नाम ओमप्रकाश शर्मा पुत्र बृजमोहन शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी सालासर पंचायत समिति सुजानगढ़ जिला चुरू के नाम से जारी किया गया है

2. आवासीय सम्पत्ति का क्षेत्रफल 1064.33 वर्ग गज (9578.95 वर्ग फूट) है

3 सम्पति के पडौसान-(क) पूर्व- मकानात दामोदर पुजारी पुत्र डेडराज पुजारी (ख) पश्चिम- मकानात तारूराम पुत्र मन्नाराम जाट ढाका (ग) उत्तर- आम रास्ता व मकानातः - दामोदर पुत्र डेडराज व गोविन्द प्रसाद पुत्र माणकचंद पुजारी (घ) दक्षिण- मकानात तारूराम पुत्र मन्नाराम जाट ढाका

उक्त पडौसन के मध्य स्थित आवासीय सम्पति का डुप्लीकेट पट्टा जारी करने के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति, संस्था, विधिक व्यक्ति आदि को कई आपत्ति हो तो दिनांक 13/07/2025 तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपति को प्रस्तुत करे । समय सीमा समाप्ति के पश्चात प्राप्त आपत्ति को स्वीकार नही किया जायेगा

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत सालासर
पं. स. सुजानगढ़ (चूरू)

प्रशासक
ग्राम पंचायत सालासर
पं. स. सुजानगढ़ (चूरू)

कार्यालय जिला रजिस्ट्रीकरण प्राधिकरण खैरथल - तिजारा

क्रमांकः सीईए/ पैथ लैब / 2025 / 151 दिनांक 12.6.2025

सूचना

आमजन को सूचित किया जाता है कि नैदानिक स्थापन के अन्तर्गत पैथलैब के स्थाई रजिस्ट्रीकरण हेतु न्यूनतम मानक की अनुपालना के संबंध मे विस्तृत सूचना प्राधिकरण की बेवसाईट www.clinicalestablishments.gov.in पर उपलब्ध है। उक्त पैथलैब के द्वारा न्यूनतम मानक की अनुपालना की सूचना गलत प्रेषित की गई है, के संबंध मे यदि किसी व्यक्ति द्वारा आपत्ति प्रेषित की जानी है, तो उसके द्वारा प्राधिकरण की ई-मेल आई.डी. rchkha@rediffmail.com पर 30 दिवस मे मय प्रमाण के सूचित करे ।

पैथलैब का नाम MODERN ULTRASOUND& DIAGNOSTIC CENTER पता नियर सरकारी अस्पताल भिवाडी जिला खैरथल - तिजारा

डॉ. अरविन्द गेट
संयोजक
जिला रजिस्ट्रीकरण प्राधिकरण एवं
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
खैरथल - तिजारा

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, सोमवार
16 जून, 2025

महाविद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि आज

जयपुर टाइम्स

पाटन(निंस.)। कस्बे के राजकीय महाविद्यालय पाटन के प्राचार्य डॉ. मदन लाल मीणा ने बताया कि बीए सेमेस्टर प्रथम के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 4 जून से प्रारंभ हो चुकी थी, जिसकी आज अंतिम तिथि हैं। जिसमें 20 जून को प्रथम वरीयता सूची का प्रकाशन तथा 1 जुलाई को शिक्षण कार्य प्रारंभ होना प्रस्तावित हैं। अतः क्षेत्र के सभी विद्यार्थियों से अनुरोध है कि अंतिम तारीख तक महाविद्यालय में प्रवेश के लिए शीघ्र ई-मित्र पर जाकर ऑनलाइन आवेदन करें, ताकि राजकीय महाविद्यालय मे उपलब्ध सभी सुविधाओं का लाभ प्राप्त हो सके। नोडल अधिकारी डॉ. योगेश कुमार सबल ने बताया कि महाविद्यालय में सभी प्रकार की छात्रवृतियां यथा -मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा, समाज कल्याण विभाग, देवनारायण स्कूटी योजना, कालीबाई भील मेधावी स्कूटी योजना आदि छात्रवृत्तियां, ट्रांसपोर्ट वाउचर स्कीम, राष्ट्रीय सेवा योजना, कौशल विकास, महिला नीति, पुस्तकालय, संस्कृति गतिविधियां गेम्स इत्यादि सुविधाएं समय सारणी अनुसार उपलब्ध करवाई जाती है। प्रवेश समिति सह प्रभारी ज्योति शर्मा ने बताया कि महाविद्यालय में अंग्रेजी साहित्य, हिंदी साहित्य, राजनीति विज्ञान, इतिहास, भूगोल, लोक प्रशासन, अर्थशास्त्र आदि विषय समूह के आधार पर आवंटित किए जाते हैं, विद्यार्थियों को आवेदन के लिए 10th, 12th की अंक तालिका, चरित्र प्रमाण पत्र, स्थानांतरण प्रमाण पत्र (T.C,C.C) मूल निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (एससी,एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस के लिए) आधार कार्ड, जन आधार कार्ड, बैंक पासबुक इत्यादि आवश्यक दस्तावेज अपने साथ लेकर ईमित्र पर 16 जून तक अपना आवेदन करना होगा।

हज यात्रा से लौटने पर किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। हज करके लौटने पर याकूब खां कायमखानी का सम्राट होटल के पास स्वागत किया। जिसमें राष्ट्रीय जाट महासभा के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र कीलक, साहित्यकार डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा, राजेश बुगालिया, गुड्डू मेव आदि ने माल्यार्पण किया। इस अवसर पर धर्मेन्द्र कीलक ने हज की यात्रा पर याकूब खां कायमखानी को बधाई दी।

दीनदयाल प्रजापत ने ज्वॉइन की भाजपा

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। राज्य मंत्री व माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद कुमार राय ने बीदासर के एडवोकेट दीनदयाल प्रजापत को सालासर में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी ज्वॉइन करवाई। इससे पूर्व दीनदयाल प्रजापत एडवोकेट प्रदेश कांग्रेस कमिटी के विधि प्रकोष्ठ व कांग्रेस में विभिन्न पदों में रह चुके हैं और वर्तमान समय में राजस्थान प्रदेश कुमार कुमावत महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष है। इस मौके पर भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मवीर पुजारी, मनोज भाणेज और भाजपा के पदाधिकारी उपस्थित थे। जिन्होंने माला पहना कर प्रजापत का स्वागत किया।

रेलवे स्टेशन के बाहर से बाईक चोरी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। रेलवे स्टेशन के बाहर खड़ी बाईक चोरी हो जाने का मामला सामने आया है। इस बारे में 12 जून को पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में नानूराम पुत्र मोतीलाल यादव, निवासी वार्ड न. 5 ने बताया कि मैं अपनी धर्मपत्नी को रेलगाड़ी में बिठाने के लिए अपनी स्प्लेंडर प्लस बाईक रेलवे स्टेशन के बाहर खड़ी करके अंदर गया। करीब बीस मिनट बाद वापस आया, तो मुझे मेरी बाईक नहीं मिली।

नए बस स्टैंड की इमारत का हो रहा सौंदर्यीकरण

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय सालासर रोड़ स्थित नए बस स्टेंड को शिफ्ट किए जाने के बाद इस पर सुख सुविधाएं बढ़ाने के लिए प्रशासन लगातार प्रयासरत है। नगरपरिषद की ओर से केंद्रीय बस स्टेंड पर रंग रोशन का कार्य शुरू करवाया गया है, ताकि यात्रियों को उपर से गिरने वाले चूने के कारण दिक्कत नहीं हो। इसी प्रकार बस स्टेंड परिसर में बैठने की पर्याप्त सुविधा है और यात्रियों की सुविधार्थ नए पंखे भी बस स्टेंड परिसर में लगाए गए हैं, ताकि गर्मी के मौसम में लोगों को दिक्कत न हो। सभापति निलोफर गौरी ने बताया कि बस स्टेंड का सौंदर्यीकरण करवाया जा रहा है, ताकि यात्रियों को किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत न हो और इसके लिए करीब 5 लाख की राशि खर्च की जा रही है। सभापति ने बताया कि उपखंड अधिकारी के निर्देशों पर टॉयलेट, रंग रोशन, साफ-सफाई आदि का कार्य करवाया जा रहा है।

बिसाऊ में सड़कों की हालत पर फूटा जनआक्रोश

व्यापारियों ने किया विरोध प्रदर्शन, सड़क निर्माण में गुणवत्ता की अनदेखी आरोप

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। कस्बे में चल रहे सड़क निर्माण कार्य में कथित अनियमितताओं और घटिया सामग्री के उपयोग को लेकर जन आक्रोश फूट पड़ा है। संयुक्त व्यापार मंडल के दर्जनों दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों ने बस स्टैंड पर विरोध प्रदर्शन कर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता के मानकों की अनदेखी की जा रही है और केवल खानापूर्ति के लिए काम किया जा रहा है। व्यापारियों का कहना है कि बाजार और मुख्य सड़कों पर आधा इंची माल डालकर जल्दबाजी में रोड बनाई जा रही है, जो पहली ही बारिश में पूरी तरह से खराब हो जाएगी। व्यापारियों ने इसे खुला भ्रष्टाचार बताते हुए ठेकेदार और संबंधित विभाग की मिलीभगत का भी आरोप लगाया।

व्यापारियों ने उठाई जांच की मांग

संयुक्त व्यापार मंडल ने इस मामले को लेकर प्रशासन को ज्ञापन देने की तैयारी भी शुरू कर दी है। व्यापारियों का कहना है कि अगर जल्द ही गुणवत्तापूर्ण सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं हुआ और दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

सड़कें बनी उबड़-खाबड़, आने-जाने में परेशानी

प्रदर्शन में शामिल विशाल कश्यप ने बताया कि बाजार के अंदर रोड की हालत बेहद खराब है। बारिश के दिनों में पानी भर जाता है और सड़कें कीचड़ से लथपथ हो जाती हैं। "अब जो सड़क बनाई जा रही है, उसमें भी आधे इंच की परत डालकर सिर्फ दिखावा किया जा रहा है। ये सड़क एक बरसात भी नहीं झेल पाएगी। कश्यप ने बताया कि सड़क पर पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है। नतीजतन, बरसात के दिनों में दुकानों में पानी भरने की नौबत आ जाती है, जिससे व्यापारी वर्ग को भारी नुकसान होता है। उन्होंने निर्माण कार्य की जांच की मांग करते हुए कहा कि जनता के टैक्स का पैसा इस तरह बर्बाद नहीं होना चाहिए।

घटिया सामग्री का आरोप, निर्माण कार्य पर उठे सवाल

प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि निर्माण में जिस डामर और बजरी का उपयोग हो रहा है, वह बेहद निम्न स्तर की है। एक दुकानदार ने कहा कि सड़क पर चलने से ही पता चल जाता है कि सामग्री सही नहीं है। ठेकेदार बिना किसी निगरानी के मनमाने ढंग से निर्माण कर रहा है।

समाजसेवी कुणाल व्यास बने सिखवाल ब्राह्मण समाज दिल्ली एनसीआर के अध्यक्ष

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। नगर के युवा समाजसेवी दिल्ली प्रवासी कुणाल व्यास को सिखवाल ब्राह्मण समाज दिल्ली एन सी आर का अध्यक्ष नियुक्त होने पर निरंतर बधाई संदेश प्राप्त हो रहे हैं। सिखवाल समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजमल पंड्या ने बधाई देते हुए कहा कि अध्यक्ष के रूप में व्यास सिखवाल समाज, दिल्ली को एकजुटता के साथ आगे बढ़ाते हुए समाज सेवा के क्षेत्र में नाम रोशन करेंगे। मुंबई से भारत विकास परिषद् मलाड पश्चिम के अध्यक्ष घनश्याम चंद्र शर्मा ने बधाई प्रेषित करते हुए कुणाल व्यास की सही मायने में रतनगढ़ का रत्न बताया। पूर्व पालिकाध्यक्ष संतोष कुमार इंदौरिया, श्याम परिवार के कोषाध्यक्ष मनोज जोशी, सांवरिया गोभक्त मंडल के कुलदीप चौधरी, वेदप्रकाश चौधरी, स्वर्णकार समाज के सांवरमल सोनी , ललित चौधरी , अरुण रामगढ़िया सहित अनेक प्रबुद्ध नगरवासियों ने व्यास के आवास पर पहुंचकर अभिनंदन किया। क्षेत्रीय विधायक पूसाराम गोदारा, पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि, कांग्रेस नेता हेमंत सारस्वत,द्वपार्षद शशिकुमार गौड, समाजसेवी विनोद डागा, निरंजन देव रूंथला, महेश व्यास, ओमप्रकाश शर्मा, रामकिशन गोरीसरिया, सुबोध सारस्वत, प्रदीप व्यास, महेश प्रजापत, भारती मुद्गल, मुकेश प्रजापत, डॉ हीरालाल सोनी, संदीप व्यास, गोपाल पारीक, अमित जोशी, रामकिशन नौहाल सहित अनेक लोगों ने व्यास को दूरभाष पर बधाई दी।

गौरवशाली सेनानी समिति ने की पूर्व सैनिकों की समस्याओं पर चर्चा

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। गौरवशाली सेनानी समिति, सुजानगढ़- बीदासर का सम्मेलन पंचायत समिति सभागार में आयोजित किया गया। इसमें पूर्व सैनिक व उनके परिजनों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। समिति के सदस्य सेवानिवृत नायब सूबेदार रामनिवास तेतरवाल ने बताया कि पूर्व सैनिकों के वेलफेयर के लिए एक कैंप का भी आयोजन किया गया, जिसमें पेंशन मेडिकल कैंटीन जैसी सुविधाओ की विस्तृत जानकारी दी गई और समस्याओं का भी निस्तारण किया गया। शिविर में प्रीतम सांखला ने अपनी निशुल्क सेवाएं दी। स्वास्थ्य परीक्षण बीपी शुगर की जांच नर्सिंग ऑफिसर सांवरमल नेहरा ने की। तेतरवाल ने बताया कि जल्द ही एक प्रतिनिधि मंडल कलेक्टर से मिलकर समिति के लिए भूमि आवंटन के लिए निवेदन करेगा और आगे भी समय-समय पर इस प्रकार के सम्मेलन आयोजित करके पूर्व सैनिक व उनके परिवार की समस्याओं को हल किया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बोलते वक्ताओ ने बताया कि हम सभी गौरवशाली सेनानी 140 करोड़ भारतीयों के साथ सेना के साहस वीरता पराक्रम शौर्य और बलिदान को सैल्यूट करते है। देश की तरफ आंख उठाकर देखने वाले दुश्मनों को घर में घुसकर मारना आधुनिक भारतीय सेना की वीरता और साहस का जज्बा है। कार्यक्रम में समिति की ओर से समाज सेवक श्याम स्वर्णकार, प्रीतम सांखला, सांवरमल नेहरा को सम्मानित किया गया। सम्मेलन में रामनिवास तेतरवाल, श्रीकृष्ण ढिढारिया, रतनलाल ढाका, नेमीचन्द डारा, प्रेम सिंह राठौड़, रिछपाल सिंह राठौड, भंवरलाल पलानिया, विजय सिंह राजपूत, पूरन सिंह ढाका, सांवरमल थालोड, हुनताराम गोदारा, हुनताराम सारण, दानाराम जाट, पेमाराम ढाका, छगनलाल, गणेशाराम, रामदेवाराम, रामनिवास रामचन्द्र, नानूराम स्वामी, नेमाराम सुथार, इसाक अली, महावीर सिंह, भागीरथ जाट, पूर्णसिंह शेखावत, हरदेवाराम सहित अनेक पूर्व सैनिक मौजूद रहे।

भाजपा का संकल्प से सिद्धि अभियान: भाजपा की कार्यशाला आयोजित

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर भाजपा संकल्प से सिद्धि अभियान चला रही है। इसे लेकर फतेहपुर बस स्टैण्ड स्थित होटल सिंघासन में रविवार को भाजपा नगर मण्डल की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम संयोजक डॉ. राजेश बाबल, वरिष्ठ भाजपा नेता संदीप शर्मा, मण्डल अध्यक्ष मोहन लाल सैनी सहित अन्य नेता मौजूद रहें। कार्यक्रम संयोजक राजेश बाबल ने कहा कि संकल्प से सिद्धि अभियान 9 जून से 21 जून तक चलेगा। लोक कल्याण और गरीब कल्याण के मुद्दों पर बीते 11 साल में जो काम हुए हैं। यह अभियान उन सभी कामों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए है। यह सभी काम जो 11 साल में पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए हैं। उन्हें धरातल तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है। भाजपा केवल चुनाव तक सीमित नहीं, सेवा से सरोकार के काम करती। बाबल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल चुनाव तक सीमित नहीं है। हमारे कार्यकर्ता सेवा से सरोकार तक ले जाने का काम करते हैं। पिछले 11 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतिम छोर पर बैठे हुए व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य किए हैं। योजनाएं चलाई हैं। उनको धरातल पर लाने के लिए संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम चल रहा है। इसके लिए सभी जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता यहां एकत्रित हुए हैं। किस तरह लोगों को योजनाओं से जोड़ सकते हैं इस पर विचार विमर्श किया गया। मण्डल अध्यक्ष मोहनलाल सैनी ने बताया कि 9 जून से देशभर में 'संकल्प से सिद्धि तक' नामक एक व्यापक जनसंपर्क अभियान की शुरुआत करने जा रही है। इस अभियान का उद्देश्य केंद्र की मोदी सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाना और कांग्रेस शासन की विफलताओं को उजागर करना है इसी संदर्भ में सिंहासन हवेली में संकल्प से सिद्धि अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर संयोजक राजेश बाबल भाजपा मंडल अध्यक्ष मोहन लाल सैनी, पार्षद संदीप परिहार, पार्षद प्रतिनिधि संदीप शर्मा, पूर्व पार्षद कैलाश शर्मा, सत्यनारायण शर्मा विशाल सैनी, सचिन तूनवाल, अमित मीणा, ज्ञानचंद कुमावत, शीशपाल यादव, बाबूलाल सैनी, राजेन्द पंवार, मनोज सैन ,गोपी कुमावत निखिल शर्मा, राजकुमार सिंघानिया आदि मंडावा भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

झुंझुनूं रोडवेज डिपो में 26.5 लाख रुपए की वित्तीय अनियमितता

फाइनेंस विभाग पर उठे सवाल; 5 महीने से टिकट का पैसा नहीं पहुंच रहा मुख्यालय

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। रोडवेज के झुंझुनूं डिपो में एक और वित्तीय अनियमितता का खुलासा हुआ है। नवलगढ़ बुकिंग से यात्रियों की ओर से खरीदी गई टिकटों की लगभग 26.5 लाख रुपए 5 महीने से रोडवेज मुख्यालय के खाते में जमा नहीं हुए हैं। कुछ महीने पहले इसी डिपो में 89 लाख रुपए से अधिक की वित्तीय अनियमितताओं के चलते 24 कर्मचारियों को सस्पेंड किया गया था। इस ताजा अनियमितता का पर्दाफाश हाल ही में नियुक्त झुंझुनूं रोडवेज के नए चीफ मैनेजर गिरिराज स्वामी ने किया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने डिपो के खातों की गहन जांच शुरू की, इसमें यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि नवलगढ़ बुकिंग से प्राप्त लगभग 26.5 लाख रुपए रोडवेज मुख्यालय के खाते में स्थानांतरित नहीं हुए हैं। यह रकम स्थानीय डिपो के खाते में है। जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि यह लापरवाही फाइनेंस मैनेजर के स्तर पर हुई है। रोडवेज के नियमानुसार, बुकिंग से जमा हुई राशि को पहले डिपो के लोकल खाते में जमा कर तुरंत राजस्थान रोडवेज के मुख्यालय के खाते में स्थानांतरित किया जाना अनिवार्य है। चंद्रप्रकाश उन 24 कर्मचारियों में शामिल थे जिन्हें पहले ही 89 लाख रुपए से अधिक के वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में निलंबित किया जा चुका है। इससे पहले, जयकरण के पास फाइनेंस का चार्ज था। उन्होंने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली थी। उनके कार्यकाल में भी चार महीने तक यही लापरवाही जारी रही थी, जो इस वित्तीय अनियमितता की निरंतरता को दर्शाता है। नवलगढ़ बुकिंग क्लर्क निरंजन जांगिड़ और सुरेश फगेड़िया ने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए कहा- रोजाना की टिकट बुकिंग का पैसा तय समय पर नवलगढ़ डिपो के खाते में जमा करवाया था। मुख्यालय तक पैसा क्यों नहीं पहुंचा, इसकी जिम्मेदारी झुंझुनूं के फाइनेंस डिपार्टमेंट की है। निरंजन ने बताया कि गड़बड़ी का संदेह हुआ, तो उन्होंने तत्काल बैंक स्टेटमेंट रोडवेज प्रबंधक को सौंप दिए थे।

शनि के मीन में गोचर करने से हो रही जनहानि की घटनाएं

ढ़ाई साल बाद मेष में प्रवेश पर भी होंगे विश्व में बड़े बदलाव

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शनि के मीन राशि में गोचर करने से विश्व, देश दुनिया में विकट परिस्थितियां पैदा करने वाली घटनाएं हो रही हैं और यह ढ़ाई साल तक रहेगा। इसके बाद ढ़ाई साल का समय और कलिष्ठ रहेगा। अंक ज्योतिषाचार्य सुरेंद्र नामदेव ने बताया कि कोरोना, लॉक डाउन, कोरोना के दूसरे वेरियेंट से दुनिया भर में मौत का ताण्डव, आत्महत्याओं की संख्या बढ़ना, बड़ी दुर्घटनाएं आदि के बाद अब समय और विकट हो गया है। नामदेव ने बताया कि 29 मार्च 2025 को शनि ने कुंभ से निकलकर मीन राशि में प्रवेश किया। इसके बाद 14 मई 2025 को बृहस्पति वृषभ से निकलकर मिथुन राशि में, 18 मई को राहु मीन से निकलकर कुंभ में चला गया और केतु कन्या से निकलकर सिंह में गोचर कर रहे हैं। शनि गोचर का प्रभाव यह पड़ता है कि जब भी शनि का उसकी उपर नीचे की, स्वयं की और शत्रु की राशि में गोचर होता है, तो देश दुनियां में भूकम्प, तूफान, पड़ोसी देशों से तनाव में बढ़ोतरी आदि के चलते जनहानि और आगजनी जैसी घटनाएं होती हैं। नामदेव ने बताया कि 24 जनवरी 2020 में शनि ने खुद की मकर राशि में प्रवेश किया था, तब दुनियां में कोरोना के चलते लॉक डाउन लग गया था।

खप्पर योग बना अशुभकारी

फिर 29 अप्रेल 2022 को शनि ने खुद की मूल त्रिकोण राशि कुंभ में प्रवेश किया था, तब यूक्रेन-रसिया के बाद ईजराईल हमास के युद्ध प्रारंभ हुए, जो अब तक चल रहे हैं। दुनियां के अनेक देशों में असंतोष व विद्रोह की भावना फैल रही है। चैत्र से लेकर ज्येष्ठ माह के बीच 5 शनिवार, 5 रविवार और 5 मंगलवार होने से जो योग बनता है, उसको खप्पर योग कहते हैं। जो बहुत ही अशुभकारी माना जाता है। इसी के कारण 15 मार्च से लेकर करीब 20 जून तक भारत के लिए काफी विकट समय चल रहा है, गुजरात का प्लेन कांड इसका सबूत है। और इससे भी ज्यादा नुकसान पड़ोसी देश को भुगतना पड़ रहा है। दूसरी ओर भारत की कुंडली में चन्द्रमा की महादशा में सूर्य की अन्तर्दशा है। तृतीय भाव यानि पराक्रम के स्वामी चन्द्रमा हैं। जहां पर चतुर्थ भाव के स्वामी सूर्य उच्च के होकर गोचर में हैं। इसी गृह गोचर के चलते लघुयुद्ध की संभावना बनती है। वर्ष 2020 से के बाद से ही देश व दुनियां के हालात लगातार बदलते व गिरते जा रहे हैं। महामारी, भूकम्प, बाढ़, दंगे, विद्रोह, आन्दोनल, तख्ता पलट, युद्ध, आतंकवादी घटनाएं, महंगाई की मार हर देश में है। ऐसा समय करीब 80 साल पहले था, जब दूसरा विश्वयुद्ध प्रारंभ हुआ। जब जब शनि मीन राशि में आते हैं, तब-तब उनका रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। 1937 में दूसरे विश्वयुद्ध की शुरूआत, 1965 में भारत पाक युद्ध, 1995 में जापान में सुनामी के वक्त भी शनि ने गोचर किया था। मीन से पहले कुंभ व मकर राशि में था, तब के हालात भी देखे जा सकते हैं। एक राशि में शनि ढ़ाई साल तक रहते हैं और ढ़ाई साल में तो सब कुछ बदलकर रख देते हैं। 2025 में शनि ने फिर से मीन राशि में प्रवेश किया है और कुंभ व मकर में पांच तक रहकर आए हैं। इससे साफ जाहिर है कि आने वाले पांच साल विकट हो सकते हैं। इसी प्रकार ढ़ाई साल बाद शनि अपनी शत्रु राशि मेष में प्रवेश करेगा, तब दुनिया के अनेकों स्थानों पर हालात विकट होने के योग बनेंगे। नामदेव ने बताया कि शनिदेव 3 जून 2027 को मेष में प्रवेश करेंगे, उस समय देश दुनियां में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। धैर्य, शांति, संतोष व्यक्ति के कठिन समय के साथी होते हैं। अंक ज्योतिषाचार्य सुरेंद्र नामदेव ने बताया कि इस विकट समय में मनुष्य अगर ईर्ष्या, द्वेष और बुरे कार्यों से दूर रहे, तो काफी हद तक कुप्रभावों से बचा जा सकता है। शनि न्याय के देवता हैं और कर्म के अनुसार ही फल देते हैं। जब गरीब की कुंडली में शनि की दशा आती है, तो उसके अच्छे आचरण, व्यवहार, नेकनीयति और कर्मों के फल के आधार पर रंक से राजा भी बनने का मौका देते हैं। इसी प्रकार जब अमीर व्यक्ति की कुंडली में शनि की दशा आती है, तो उसे आर्थिक संकट, जेल, नुकसान, मानसिक तनाव, वेदना आदि का सामना करना पड़ता है, जिसे आजकल स्ट्रेस के नाम से भी जाना जाता है। ईमानदारी, नेकनीयति और धैर्य रखते हुए अगर अपने ईष्ट की पूजा करते हुए प्रभु का स्मरण किया जाता है, तो हम लोग विकट समय के दुष्प्रभावों से बच सकते हैं या दुष्प्रभावों को कम कर सकते हैं।

मानवता की सेवा के लिए निडर होकर करें रक्तदान

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। रक्तदान मानवता की सेवा है रक्तदान निडर होकर करें। उक्त विचार नेत्रदान व रक्तदान जनजागरण अभियान के जिला संयोजक गणेशदास स्वामी ने राजकीय उपस्वास्थ्य केंद्र बरड़ासर में विश्व रक्तदाता दिवस पर व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि रक्तदान से किसी प्रकार की कमजोरी नहीं आती बल्कि व्यक्ति रक्तदान करने के बाद स्वस्थ महसूस करता है। कोई भी स्वस्थ व्यक्ति जिनकी उम्र 18 वर्ष से 60 वर्ष तक हो और वजन 50 किलो हो, रक्त में हिमोग्लोबिन का प्रतिशत 12.5 या उससे अधिक होना चाहिए। हर तीन माह पश्चात पुनः रक्तदान किया जा सकता है। एक व्यक्ति के रक्तदान से तीन व्यक्तियों की जान बचाई जा सकती है। एक स्वस्थ व्यक्ति अपने जीवनकाल में 168 बार रक्तदान कर सकता है। उपकेन्द्र की एएनएम संदीपा ने रक्तदान को संजीवनी बताते हुए कहा कि रक्तदान से किसी जरूरतमंद का जीवन बचाया जा सकता है। इस अवसर पर चेतराम, मामराज, मुकेश कुमार, छगनलाल सहित युवा उपस्थित रहे। इस अवसर पर रक्तदान व नेत्रदान सम्बन्धी प्रचार सामग्री वितरित की गई।

एरिया डोमिनेशनः तीन फरार स्थाई वारंटियों सहित 6 गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर की पुलिस ने तीन फरार स्थाई वारंटियों सहित 6 वारंटियों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव के निर्देशानुसार अपराधों की रोकथाम व फरार अपराधियो की धरपकड के लिए पुलिस महानिरीक्षक बीकानेर की अनुपालना में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान ऐरिया डोमिनेशन के तहत थानाधिकारी मदनलाल बिश्नोई के निर्देशन में वांछित अपराधियो की गिरफ्तारी के लिए गठित टीम की ओर से स्थाई वारंटी गोरीशंकर पुत्र हुलासराम मेघवाल निवासी राजासर बीकान, संतलाल पुत्र रेवंतलाल मेघवाल निवासी सवाई बडी, मुखराम पुत्र मुलाराम जाट निवासी करणसर एवं वांछित नेक मोहम्मद पुत्र गुलाब नबी लुहार निवासी वार्ड 48, मोहम्मद हुसैन पुत्र अली मोहम्मद व्यापारी निवासी रेंगर बस्ती वार्ड 37, बनवारीलाल पुत्र भीताराम रैगर वार्ड न. 11 नया व पुराना 37 को अलग अलग स्थानों से गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों को कोर्ट में पेश कर अग्रिम कार्रवाई करेगी।

कांमासर में किसान सभा कमेटी गठित, दीपदास अध्यक्ष, सुखाराम सारण बने मंत्री

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। अखिल भारतीय किसान सभा ने गांव कांमासर में ग्राम कमेटी का गठन किया गया। किसान सभा के प्रदेश महामंत्री छगनलाल चौधरी ने बताया कि किसान सभा देश का एकमात्र किसान संगठन है जो किसानों की मांगो को लेकर लड़ाई लड़ता है। किसानों की बीमा क्लेम, बिजली, पानी सहित अनेक मुद्दों को लेकर आने वाले समय में जिले भर में आंदोलन किया जाएगा। तहसील मंत्री काशीराम सारण सहित कई नेताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। बैठक में 15 सदस्य ग्राम कमेटी का चुनाव किया गया। जिसमें अध्यक्ष दीपदास, मंत्री सुखाराम सारण को चुना गया। उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह, प्रेमचंद सारण, संयुक्त मंत्री राजकुमार जांगिड़ को चुना गया। श्रवण कुमार, रामचंद्र मेघवाल, राजकुमार सारण, सहीराम नायक, गोरधन सारण, अमीलाल, सहीराम, तुलसीराम सारण, कन्हैयालाल स्वामी, डूंगराराम कस्वां को कमेटी सदस्य चुना गया। इस अवसर पर ग्राम कमेटी में प्रदेश महामंत्री छगनलाल चौधरी, तहसील मंत्री काशीराम सारण, नंदूराम, हरिराम सारण, बजरंगलाल, सत्यनारायण, दुलाराम सारण, सांवरमल डूडी सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

एरिया डोमिनेशन के तहत कार्यवाही

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ(नि.सं.)। एरिया डोमिनेशन के तहत कोतलवाली पुलिस ने कार्यवाही की है। जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव ने बताया कि तीन अलग-अलग टीमों की ओर से ये कार्यवाही की गई। कुल 11 स्थानों पर दबिश दी गई और आबकारी एक्ट की 1 कार्यवाही, स्थायी वारंटी 2 गिरफ्तार किए गए। इसी प्रकार गिरफ्तारी वारंट से 6 लोग अरेस्ट किए गए। शांति भंग के तहत 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया। जबकि 3 हिस्ट्रीशीटर भी चैक किए गए।

सभी प्राणियों के लिए गीता का ज्ञान जरूरी : सिंघानिया

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। शहर के भास्कर भवन में प्रत्येक रविवार को चल रही गीता क्लासेज में बच्चों को गीता के महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम संयोजक संजय सिंघानिया ने बताया कि भगवान श्री कृष्ण का संदेश घर-घर तक पहुंचाने के लिए हम वचनबद्ध है। इस दौरान गीता क्लासेज के सभी बच्चों ने नियमित अध्ययन के साथ-साथ यह भी समझा कि गीता ज्ञान से प्रत्येक घर आंगन को किस प्रकार प्रकाशमान किया जा सकता है। सिंघानिया ने बताया कि दुनिया की वर्तमान स्थिति को देखते हुए गीता के संदेश को आमजन तक पहुंचाने की आवश्यकता है। इस दौरान बच्चों को महापुरुषों के जयकारे, गजल गीत, नौ नियम, पांच श्लोक व प्रार्थना के साथ-साथ ऋषिकुल आश्रम के महेश गौड़ व महेश शर्मा ने बच्चों को गीता के बारे में जानकारी दी। सिंघानिया ने बताया कि इस सप्ताह पौधरोपण अभियान भी जारी रहेगा। इस हफ्ते 500 पेड़ लगाने का लक्ष्य है। गीता क्लासेज में मीनाक्षी चोटिया, पूजा खंडेलवाल, दिव्या शर्मा व प्रमोद गौड़ ने बच्चों को पांच श्लोक के बारे में, आचार्य जनार्दन ने 15वें अध्याय व महेश शर्मा ने बच्चों को गीता के अध्याय का पाठ करवाया गया। इस दौरान गीता क्लासेज के गर्वित जालुका का जन्मदिन मनाया गया। रतनगढ़ की पूनम कंदोई ने भी गीता क्लासेज में शिरकत की। कार्यक्रम का संचालन मोहित सिंघानिया व विशाल सिंघानिया ने किया।

महिलाओं ने राजस्थानी गीत गाकर मनाया ब्लॉक स्तरीय वंदे गंगा जल सरंक्षण जन अभियान

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। वंदे गंगा जल सरंक्षण जन अभियान ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम रविवार को उपखंड अधिकारी अमीलाल यादव के नेतृत्व में शहर के माणकसर तालाब व अम्बेडकर भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपखण्ड अधिकारी ने मागकसर तालाब पर पूजा-अर्चना कर तालाब पर पक्षियों के लिए परिंडे लगाकर पौधारोपण किया। इस दौरान महिलाओं ने कलश यात्रा निकाल कर राजस्थानी गीत गाकर जल संरक्षण जन अभियान का लिया संकल्प। इस अवसर पर अधिशाषी अधिकारी पूनम चंद नाई ने प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने पेड़-पौधे लगाने, पर्यावरण को शुद्ध रखने की अपिल की। नेता प्रतिपक्ष गोपाल गुर्जर ने उपस्थित नागरिकगण को अपने दैनिक जीवन में पानी का सदूपयोग करने की अपिल की। एसडीएम ने आमजन को जल संरक्षण जन अभियान की शपथ दिलाकर राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में लक्ष्मण सिंह, राजेन्द्र सिंह, गिरधारीलाल, विजेश रेगर, मुकेश पढ़िहार, सकिल बल्खी, नोरतमल रेगर, शैलेन्द्र सिंह, मुरली मनोहर, भरत कुमार, बाबूलाल गुसांईवाल, कमल सैनी, सुभाष तेजस्वी, श्रीभगवान, लक्ष्मण गुर्जर आदि उपस्थित रहे।

दीक्षार्थिनी मुमुक्षु रश्मि का मंगल भावना समारोह मनाया

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। शासन साध्वी मानकुमारी के पावन सान्निध्य में दीक्षार्थिनी मुमुक्षु रश्मि का मंगल भावना समारोह मनाया गया।मंजू देवी बाफना दोबारा मंगलाचरण से शुरू हुए कार्यक्रम में शासन साध्वी मानकुमारी ने फरमाया मुमुक्षु रश्मि गुरु इंगित की आराधना करते हुए अपने भावों को निर्मल रखें। अपने चारित्र की चद्दर हमेशा उज्जवल रहे, कभी दाग न लगे। पंच-निष्ठा में हर पल जागरूक रहे। तेरापंथ धर्मसंघ में दीक्षित होना रश्मि का सौभाग्य है। श्रद्धा और समर्पण से अपने जीवन में अमिट आलेख लिखे। संयम व त्याग का अभिनंदन जीवन में कुछ त्याग करने से होगा। रश्मि का ननिहाल बोथरा परिवार में होने से राजलदेसर में यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। रश्मि तुम साध्वी जीवन स्वीकार कर अध्यात्म की रश्मि बन आत्मा को आलोकित करना। इस अवसर पर ननिहाल पक्ष बोथरा परिवार की ओर से "मुमुक्षु रश्मि की कहानी अपनी जुबानी" रोचक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। ननिहाल पक्ष की ओर से विजय कुमार बोथरा, पवन बोथरा, शांति देवी, प्रीति बोथरा, विजयलक्ष्मी मणोत, मीना देवी शेखाणी आदि ने मंगल भावना प्रकट करते हुए अपने विचार रखे। साध्वी कुशलप्रज्ञा, साध्वी कीर्तिरेखा, साध्वी कमलयशा, साध्वी चैत्यप्रभा व साध्वी स्नेहप्रभा ने गीत व वक्तव्य के माध्यम से अपनी अभिव्यक्ति दी। कन्या मंडल की ओर से सुंदर कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में सभा अध्यक्ष राजकुमार विनायकिया, महिला मंडल, तेयुप अध्यक्ष मुकेश श्रीमाल, जिया बैद, अर्जुन विनायकिया, भिक्षु भजन मंडली, प्रकाश चिंडालिया, डॉ. अंजुला विनायकिया आदि ने अपनी प्रस्तुति दी। सभा की ओर से दीक्षार्थिनी का अभिनंदन पत्र से सम्मान किया गया। कार्यक्रम का कुशल संयोजन साध्वी इंदुयशाज ने किया। इससे पूर्व ननिहाल पक्ष की ओर से मुमुक्षु रश्मि की शोभायात्रा निकाली गई जो कस्बे के मुख्य मार्गों से होते हुए तेरापंथ भवन पहुंची। कार्यक्रम में कस्बे के सर्व समाज की उपस्थिति सराहनीय रही।

योग दिवस को लेकर ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की बैठक आज

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयुर्वेद विभाग की ओर से होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम को लेकर विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी है। इसको लेकर विभागीय अधिकारियों ने पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़, विधायक हरलाल सहारण व अन्य जन प्रतिनिधियों को निमंत्रण-पत्र व पीले चावल देकर कार्यक्रम में आने का निमंत्रण दिया गया। आयुर्वेद उपनिदेशक सत्यवीर सिंह ने बताया कि आगामी 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पंचायत नोडल अधिकारियों व योग शिक्षकों को दिशा-निर्देश दिया गया। उन्होंने बताया स्थानीय विद्यालय, महाविद्यालय, स्वयं सेवी संगठनों से अधिक से अधिक संख्या में योग दिवस व पूर्वाभ्यास में आने की अपील की गई। उप निदेशक ने बताया कि सोमवार को सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि शहर के विभिन्न स्थानों पर चल रहे योग शिविर में योग के माध्यम से शहरवासी स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। जिला मुख्यालय पर नेचर पार्क, इंद्रमणि पार्क, योग व प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र, आपणी पाठशाला व अग्रसेन नगर पार्क में योग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नेचर पार्क में चल रहे योग शिविर में रविवार को योगाचार्य रोशनी कस्वां ने उपस्थित लोगों को शरीर को स्वस्थ रखने के घरेलू नुस्खे व उपाय बताए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में इस भागदौड़ भरी जिन्दगी में लोग अपने शरीर व खान-पान का ध्यान नहीं रखते हैं और अनेक बीमारियों का शिकार हो जाते हैं। अतः हमें अपने दैनिक कार्यों के साथ-साथ योग के माध्यम से शरीर पर ध्यान देना चाहिए। इस दौरान कस्वां ने अनेक योग क्रियाओं का अभ्यास करवाया। उन्होंने कहा कि इससे हथेलियों व दोनों पैरों पर एक्यूप्रेशर से शरीर के ब्लड सर्कुलेशन को सक्रिय किया जा सकता है। इस अवसर पर सुमन सहारण, नुसरत बानो, मंजू खेमका, पिंकी, प्रवीण, शहनाज बानो, चंदा, अंजू सहित अनेक महिलाए उपस्थित रहीं।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल आज चूरू आएंगे

चूरू(निस)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी व भू-जल विभाग मंत्री कन्हैयालाल सोमवार को चूरू आएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंत्री कन्हैयालाल सोमवार को सुबह 6 बजे बीकानेर सर्किट हाउस से प्रस्थान कर सवेरे 9 बजे चूरू के चलकोई गांव पहुंचेंगे व 'वंदे गंगा- जल संरक्षण जन अभियान' अंतर्गत कार्यक्रम में शामिल होंगे। सवेरे 10 बजे चलकोई से प्रस्थान कर सवेरे 10.30 बजे जिला परिषद सभागार में विभागीय समीक्षा बैठक लेंगे और दोपहर 2 बजे जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

एसबीडी राजकीय महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया जारी

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के एसबीडी राजकीय महाविद्यालय में स्नातक प्रथम वर्ष सेमेस्टर में कला, विज्ञान व वाणिज्य संकाय के लिए ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया 4 जून से जारी है। प्राचार्य प्रो कविता शर्मा ने बताया कि प्रवेशार्थी अपनी एसएसओ आईडी के माध्यम से लॉगइन कर डीसीई/एचटीई पोर्टल पर अपना प्रवेश आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। नोडल अधिकारी शेरसिंह के अनुसार प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थी ऑनलाईन आवेदन करते समय अपनी योग्यता और आवश्यक प्रमाण-पत्रों जैसे नाम, पिता एवं माता के नाम की वर्तनी, जन्मदिनांक, फोटो, हस्ताक्षर व अन्य दस्तावेजों की जांच कर ही आवेदन अपलोड करें। बोनस अंक के लिए प्रवेशार्थी को प्रवेश नीति के अनुसार संबंधित प्रमाण-पत्र को दोनों साईड से स्कैन करवाकर ही आवेदन फॉर्म के साथ अपलोड करना चाहिए। आवेदक ई-मित्र/पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन करते समय Subject Combination विषय संयोजन को भली भांति जांच लें। ऑनलाईन आवेदन में प्रविष्ट गलत सूचनाओं के लिए आवेदक स्वयं उत्तरदायी रहेगा।

सरदारशहर में जलभराव से लोग परेशान, समाधान की लगाई गुहार

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड 23 में स्थिति गंभीर हो गई है। यहां 10 घरों के मुख्य रास्ते पर एक महीनें से पानी जमा है। इस कारण स्थानीय लोगों को वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। वार्ड के खेतूलाल जाखड़ ने बताया कि वार्ड की समस्या से नगर परिषद के अधिकारियों को अवगत करवाया गया। कई बार शिकायत की है। लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ है। जलभराव का मुख्य कारण गंदे पानी की निकासी वाली मुख्य नाली का टूटा होना है। वार्ड पार्षद को भी इस मामले में कई बार सूचना दी गई। पार्षद ने सड़क स्वीकृति का आश्वासन दिया था। लेकिन 50 दिन बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। वार्ड के मंगेज मीणा और खेतूलाल जाखड़ ने प्रशासन को चेताया है। उनका कहना है कि अगर जल्द ही स्थायी समाधान नहीं निकला तो वे आंदोलन करेंगे। स्थानीय लोगों की मांग है कि टूटी नाली की मरम्मत हो और जलनिकासी की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए।

अहमदाबाद विमान हादसे के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के बाबू शोभाचंद भवन में लोकरंजन सत्संग क्लास व योग क्लास के संयुक्त तत्वाधान में अहमदाबाद विमान हादसे में मृतक यात्रियों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। जिसमें सत्संग क्लास के देवकीनंदन वर्मा, रामजीवन माटोलिया, भंवरलाल, श्रवणकुमार, बाबूलाल, उम्मेद, शिवभगवान व योग क्लास के जगदीश प्रसाद प्रजापत, सुभाषचंद शर्मा, महावीर प्रसाद, सीताराम, संतकुमार व मातृ शक्ति सरोज पारीक, ललिता, विनीता आदि मौजूद रहे। संचालन सुरेंद्रसिंह निर्वाण ने किया।

ब्लॉक स्तरीय नामचर्चा में शानदार प्रस्तुति से बांधा समां

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर के एमएसजी डेरा सच्चा सौदा व मानवता भलाई केंद्र में तारानगर ब्लॉक की ब्लॉक स्तरीय नामचर्चा का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम उपस्थित साध संगत ने धन धन सतगुरु तेरा ही आसरे के पवित्र नारे के साथ अरदास व विनती का शब्द बोलकर नामचर्चा की शुरुआत की। कवि भाइयों ने एक से बढ़कर एक शानदार भजनो की प्रस्तुति दी। सेवादार दीपाराम इंसा ने सत्संग की महिमा के बारे में बताया और कहा कि नामचर्चा सत्संग में आने से बना बनाया सिमरन बनता है इसलिए सभी को ज्यादा से ज्यादा नामचर्चा सत्संग में आना चाहिए। एमएसजी आईटीविंग के जिला मेंबर बृजलाल इंसा ने आईटी विंग की सेवा के बारे में जानकारी दी। प्रेमी जगदीश इंसा ने नामचर्चा कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर जीवणदास, राकेश, हनुमान, डूंगरराम, आशीष, भावेश, तनुज, राहुल, मीरा, शिव कुमार, श्याम कँवर, सीता, सुनिता, रेहा, नेहा, लवदीप, नंदू सहित काफी भाई बहने उपस्थित रही।

एक वारंटी सहित पांच आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव आईपीएस के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत रविवार को गिरफ्तारियां की गईं। राजलदेसर थानाधिकारी कमलेश कुमार ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में शंकर उर्फ नवल कुमार 34 वर्ष, पुत्र जगदीश प्रजापत, निवासी राजलदेसर इन्हें बस स्टैंड से गिरफ्तार किया गया। यह आरोपी 2023 के मारपीट के एक मामले में न्यायालय में पेश होने के बाद जमानत जब्त होने पर फरार चल रहा था। विकास 24 वर्ष, पुत्र सुखानंद जाट, निवासी वार्ड नंबर 35 राजलदेसर और रामचंद्र (34 वर्ष, पुत्र लिछमनाराम जाट, निवासी वार्ड नंबर 35 राजलदेसर, इन दोनों को 12 जून की रात बाबा होटल एनएच 11, राजलदेसर में आपस में झगड़ा करने की रिपोर्ट मिलने के बाद शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया।ओमप्रकाश 36 वर्ष, पुत्र गणेशाराम जाट, निवासी वार्ड नंबर 7 राजलदेसर, इन्हें भी 12 जून की रात बाबा होटल में हुए झगड़े के दूसरे पक्ष से शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया। बिक्की कुमार 25 वर्ष, पुत्र राजूराम वाल्मीकि, निवासी वार्ड नंबर 11 राजलदेसर, इन्हें ऑनलाइन साइबर धोखाधड़ी में संलिप्तता पाए जाने पर गिरफ्तार किया गया।

राजस्थान जयपुर टाइम्स

जयपुर, सोमवार
16 जून, 2025

उप जिला अस्पताल में वाटर कूलर का किया लोकार्पण

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर के राजकीय उप जिला चिकित्सालय में रविवार को भामाशाह की ओर से भेंट किए गए वाटर कूलर का लोकार्पण कार्यक्रम हुआ। जहां पर हरीराम चाचाण, आशाराम चाचाण व ओमप्रकाश चाचाण की स्मृति में उनके भाई व पुत्रों की ओर से चिकित्सालय में वाटर कूलर भेंट किया गया। जिसका फीता काटकर लोकार्पण किया गया। चिकित्सालय परिवार की ओर से प्रेरक कैलाश चाचाण व सुरेश सरावगी का माला पहनाकर अभिनंदन किया गया। पीएमओ डॉ. गजानन्द रसगनिया ने बताया कि चाचाण परिवार की ओर चिकित्सालय में बड़ा वाटर कूलर भेंट किया गया। जिससे चिकित्सालय में आने वाले रोगियों व लोगों को गर्मी के मौसम में ठंडा पानी मिलेगा। पीएमओ ने बताया कि चिकित्सालय में कुल 3 वाटर कूलर लगे हुए है। जिसके लिए चिकित्सालय के नवनिर्मित मुख्य द्वार के पास तीनों वाटर कूलरों को टीन शैड बनवाकर स्थापित किया गया। साथ ही तीनों वाटर कूलरों में पानी सप्लाई के लिए टंकी लगाई गई है। जिससे आमजन के लिए हर समय ठंडा पानी उपलब्ध रहेगा। इस मौके पर डॉ. विजयपाल सिंह कड़वासरा, लैब प्रभारी राजेंद्र सोनी, नर्सिंग अधिकारी प्रमोद सोनी, बजरंग सहारण, जयपाल मोठसरा, दिनेश भाकर आदि मौजूद रहे।

जमीनी विवाद में भतीजे ने कर दी चाचा की हत्या

जयपुर टाइम्स

पाटन(निस)। कस्बे के समीपवर्ती नहर के पास कुड़ी की ढाणी में पारिवारिक जमीन विवाद ने हिंसक रूप धारण कर लिया, जब एक भतीजे ने अपने साथियों के साथ मिलकर चाचा की बेरहमी से हत्या कर दी। इस हृदयविदारक घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है और इंसानियत को झकझोर कर रख दिया है। जानकारी के अनुसार, लंबे समय से चली आ रही जमीन की रंजिश ने सोमवार को हिंसक मोड़ ले लिया। आरोपी भतीजा अपने साथ दो-चार बाहरी लोगों को लेकर मौके पर पहुंचा और चाचा अशोक पुत्र मालीराम व परिवार के अन्य सदस्यों पर हमला कर दिया। इस हमले में अशोक के साथ मुकेश पुत्र मालीराम व मुकेश की पत्नी ज्योति गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पाटन पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायलों को पाटन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद तीनों घायलों को गंभीर अवस्था में जयपुर रैफर किया गया। जयपुर के समीप चौमूं के बराला अस्पताल में इलाज के दौरान अशोक ने दम तोड़ दिया।पाटन थानाधिकारी विक्रम सिंह ने तत्परता दिखाते हुए मात्र 24 घंटे के भीतर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक अशोक का पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड से करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपियों के खिलाफ सख्त धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। इस दर्दनाक घटना ने पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैला दी है, वहीं ग्रामीणों ने आपसी विवादों को बातचीत से सुलझाने की अपील की है।

आक्रोशित लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

बस की छत से पार्सल उतार रहे टैम्पो चालक विद्युत लाइन से

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। केंद्रीय बस स्टैंड पर शनिवार को दोपहर हादसा हो गया और टेम्पो चालक की विद्युत करंट से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सरदारशहर सुजानगढ़ लोक परिवहन बस की छत से पार्सल उतारते वक्त टैम्पो चालक हसन सांई (54) पुत्र लाल मोहम्मद, निवासी नूर नगर, वार्ड न. 12, सुजानगढ़ को बस के उपर से निकल रही विद्युत लाईन से करंट लग गया, जिसके बाद वह नीचे गिर गया। उसे लोगों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। टीम हारे का सहारा संयोजक श्याम स्वर्णकार, मनोज प्रजापत आदि की मदद से शव को मोर्चरी मे रखवाया गया। कोतवाली थाने के एएसआई कुशलाराम बिजारणिया अस्पताल पहुंचे और मामले की जानकारी ली। मौके पर प्रत्यक्षदर्क्षी हुसैन ऑटो चालक ने बताया कि तार नीचे थे, जिसके कारण हसन को करंट लग गया, हम लोगों ने उसे अस्पताल भेजा। इस स्टैंड परिसर में बिजली के इतने नीचे तार घातक है। पार्षद प्रतिनिधि जावेद खिची ने कहा कि इसमें बस चालक, नगरपरिषद, विद्युत निगम सभी जिम्मेदार हैं, जिनके खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए। दूसरी ओर अस्पताल में शाम तक मृतक के शव का पोस्टमार्टम नहीं हो गया। अस्पताल परिसर में ही तिरपाल लगाकर लोग धरने पर बैठ गए। ऑटो चालक यूनियन के अध्यक्ष सत्यनारायण सांखला, बशीर खां फौजी, सिराज खान कायमखानी, एडवोकेट रामकुमार मेघवाल, जावेद खिची आदि मौजूद रहे। शाम को उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा भी पहुंचे। दूसरी ओर धरने पर बैठे लोगों की मांग है कि मृतक के परिजनों को पचास लाख का मुआवजा दिया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही की जावे। शाम तक अस्पताल परिसर में समझौता वार्ता प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जारी रही। कांग्रेस नेता सिराज खान कायमखानी ने बताया कि शाम को उपखंड अधिकारी की मौजूदगी में यह तय हुआ कि 5 लाख चिरंजीवी योजना से मिलने हैं। इसी प्रकार अगर विद्युत करंट से मौत पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आती है, तो 5 लाख रूपए का मुआवजा देने का काम विद्युत निगम की ओर से किया जाएगा।

वन्दे गंगा - जल संरक्षण जन अभियान' एक जन चेतना : अभिषेक सुराणा

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'वंदे गंगा- जल संरक्षण जन अभियान' अंतर्गत रविवार को जिला मुख्यालय स्थित सूचना केन्द्र में 'मीडिया राउंड द टेबल' एक्टिविटी आयोजित की गई। जिला कलक्टर सुराणा ने प्रेस प्रतिनिधियों से अभियान के विस्तृत जानकारी साझा करते हुए जिले में जलग्रहण गतिविधियों व जल संरचनाओं के संरक्षण से अवगत करवाया।

'वन्दे गंगा - जल संरक्षण जन अभियान' एक जन चेतना

इस मौके पर जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जल संरक्षण गतिविधियों में समाज, समूह, संगठनों व आमजन की भागीदारी बढ़ाने के लिए 'वंदे गंगा- जल संरक्षण जन अभियान' के रूप में महत्वाकांक्षी निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि राजस्थान सरकार की ओर से 5 जून, 2025 को गंगा दशहरा के अवसर पर सम्पूर्ण प्रदेश में 'वन्दे गंगा- जल संरक्षण जन अभियान' की शुरुआत की गई और 20 जून तक यह अभियान चलाया जाएगा। जिले के रतनगढ़ ब्लॉक के जांदवा ग्राम पंचायत के मोलीसर छोटा के ढ़ाणी बीका स्थित भूलाना जोहड़ से अभियान का जिले में शुभारंभ किया गया और अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों व आमजन की समुचित भागीदारी के साथ विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। सुराणा ने कहा कि 'वन्दे गंगा - जल संरक्षण जन अभियान' केवल एक सरकारी परियोजना नहीं, बल्कि यह एक जन चेतना है। यह अभियान राज्य के हर गांव, हर मोहल्ले और हर नागरिक के मन में जल के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी की भावना को जाग्रत करता है। यह अभियान न केवल जल संकट से निपटने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा, बल्कि यह भावी पीढ़ियों को एक हरित, स्वच्छ और जल समृद्ध राजस्थान सौंपने की ओर एक ठोस प्रयास है। उन्होंने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ओर से शुरु किए गए इस अभियान का उद्देश्य राज्य में जल संकट से निपटना और पर्यावरणीय संरक्षण को बढ़ावा देना है। इस अभियान में पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्निर्माण, जल संचयन संरचनाओं के निर्माण, और जल संरक्षण की जन जागरूकता को बढ़ावा देने जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सुराणा ने बताया कि अभियान के सफल आयोजन के लिए मजबूत विभागीय समन्वय स्थापित किया गया है। अभियान अंतर्गत जल शक्ति अभियान- कैच द रैन, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान, हरियालो राजस्थान, कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान, स्वच्छ भारत मिशन, एक पेड़ मां के नाम आदि अभियानों को सम्मिलित रूप में क्रियान्वित किया जा रहा है। इसी के साथ श्रमदान और जल संरक्षण कार्यक्रम, जल संरचनाओं का निर्माण, पारंपरिक जल स्रोतों का पुनर्निर्माण, संस्कृति व परंपराओं से जल संरक्षण को जोड़ना व जल संस्कृति को बढ़ावा देना, कार्यशालाएं और जन संवाद आदि विभिन्न गतिविधियों पर फोकस किया जा रहा है। तालाब, बावड़ी, नाड़ी आदि परम्परागत जल स्रोतों पर जन भागीदारी से इन जल स्रोतों की साफ-सफाई, जल व पीपल पूजन के साथ समारोहपूर्वक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

सूचना केन्द्र में आयोजित हुई मीडिया राउंड द टेबल

विभिन्न कार्यों की दी जानकारी

वाटरशेड एसई मजहर हुसैन ने बताया कि जिले में सरकार की विभिन्न योजनाओं में सार्वजनिक व निजी कुण्ड निर्माण की दिशा में सकारात्मक प्रयास किए गए हैं। जिले में विभिन्न परियोजनाओं में बनाए गए टांके/ कुण्ड व अन्य जल संरचनाओं का उपयोग पेयजल व दैनिक गतिविधियों में किया जा रहा है। अभियान के दौरान कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान अन्तर्गत 105 कार्यों की स्वीकृति जारी की गई, जिसमें से 25 कार्य पूर्ण कर लिए गए है। 03 कार्य प्रगतिरत है और शेष 77 कार्यों को प्रारम्भ करवाया जाना प्रस्तावित है। महानरेगा अंतर्गत पंचायत पौधशाला के 303 कार्य स्वीकृत कर प्रारम्भ किए गए हैं। वाटर कन्जर्वेशन के 1847 कार्य प्रगतिरत है व 514 कार्य स्वीकृत किए जा चुके है। परम्परागत जलसंचय ईकाई के 99 कार्य प्रगतिरत व 22 कार्य स्वीकृत किये जा चुके हैं। पौधरोपण के 967 कार्य प्रगतिरत है व 309 कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इसी के साथ जिले में अमृत सरोवर कार्य, पंचायतीराज विभाग में सार्वजनिक कुण्ड, जल पुनर्भरण सरंचनाएं व जल संरक्षण ढांचा (जोहड़/ तालाब) के 225 कार्य स्वीकृत किये जा चुके है, जिनमें से 160 कार्य पूर्ण व 122 कार्य प्रगतिरत है। स्वच्छ भारत मिशन अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 व 2025-26 में 3992 सोखते गड्ढों की जारी स्वीकृति में से 2968 कार्य पूर्ण व 214 कार्य प्रगतिरत है। हरियालो राजस्थान तहत 529 कार्य स्वीकृत किए जा चुके है, जिन पर 2 लाख 34 हजार 950 पौधो का रोपण किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि चूरू जिले में मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 के प्रथम चरण अन्तर्गत 07 अमृत सरोवर, 05 जोहड़, 27 चारागाह एवं सार्वजनिक टांका निर्माण कार्यों सहित लगभग 52 कार्यों का लोकार्पण किया जा रहा है। इसी प्रकार द्वितीय चरण अन्तर्गत प्रस्तावित 2511 कार्यों में से अधिकाधिक सार्वजनिक प्रकृति के कार्यों का विधिवत भूमि पूजन किया जाकर शिलान्यास किया जाना प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 प्रथम चरण के तहत चूरू जिले में प्रथम चरण अन्तर्गत 17 ग्राम पंचायतों के 39 गांवों में कुल 51 हजार 252 हैक्टेयर में 86.96 करोड़ राशि के कुल 3894 कार्यों का अनुमोदन किया गया है। इस अभियान अन्तर्गत जिले में अब तक कुल 2723 कार्यों की प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति जारी करवाई गई है, जिनमें से 1798 कार्य पूर्ण हो चुके है और 925 कार्य प्रगतिरत है। मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 प्रथम चरण में जलग्रहण विभाग के 2231 स्वीकृत कार्यों में से 1530 कार्य पूर्ण व 701 कार्य प्रगतिरत है। इसी क्रम में कृषि कुण्ड, फॉर्म पौण्ड, जोहड निर्माण, सार्वजनिक भूमि पर चारागाह विकास कार्य व निजी कृषक भूमि पर फलदार पौधारोपण इत्यादि अनुमत कार्य करवाए जा रहे हैं। एपीआरओ मनीष कुमार ने अतिथियों व प्रेस प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए विभागीय समन्वय की जानकारी दी।

वंदे गंगा-जल संरक्षण जन अभियान: विभिन्न गतिविधियां आयोजित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में रविवार को जिलेभर में 'वंदे गंगा– जल संरक्षण जन अभियान' अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं।

बीदासर में माणकसर तालाब में किया जल पूजन

जिले के बीदासर शहर के माणकसर तालाब व अम्बेडकर भवन में रविवार को 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' का ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी अमीलाल यादव ने माणकसर तालाब पर जल पूजन किया तथा पक्षियों के लिए परिंडे लगाए। इसी के साथ पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने उपस्थितों को जल संरक्षण का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली और मंगलाचार गाकर जल संरक्षण का महत्व बताया। इस दौरान अधिशाषी अधिकारी पूनम चंद नाई ने प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने, पेड़-पौधे लगाने, पर्यावरण को शुद्ध रखने की अपील की। इा दौरान गोपाल गुर्जर,लक्ष्मण सिंह, छोटूराम, राजेन्द्र सिंह, गिरधारी लाल, विजेश रेगर, मुकेश पड़िहार, सकिल बल्खी, नोरतमल रेगर, शैलेन्द्र सिंह, मुरली मनोहर, भरत कुमार, आदि पालिका कार्मिक व बाबूलाल गुसांईवाल, कमल सैनी, सुभाष तेजस्वी, श्रीभगवान, लक्ष्मण गुर्जर व आमजन उपस्थित रहे।

रतननगर बालिका विद्यालय में बने कुंड परिसर में की सफाई

आमजन की सहभागिता से रविवार को जिले के रतननगर के राजकीय बालिका विद्यालय में में बने कुंड परिसर की साफ-सफाई कर खरपतवार को हटाया गया। इस अवसर पर नगरपालिका के कार्यवाहक अधिशाषी अधिकारी मुकेश कुमार ने वार्डवासियों को भी अपने घरों में बने कुण्डों व जल संरचनाओं की साफ-सफाई कर वर्षा जल संरक्षण की अपील की। इा दौरान कनिष्ठ सहायक मनोहर सिंह, शंकरलाल पूनियां, पुरुषोतमलाल, होमेन्द्र सिंह, अशोक कुमार, रमेश कुमार, दीपचंद, पूर्णमल आदि उपस्थित रहे। इसी के साथ सरदारशहर तहसील के आसलसर में पीएचईडी की ओर से उच्च जलाशय की साफ सफाई व जल संरक्षण शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अणुव्रत संगठन यात्रा के बीदासर पहुँचने पर किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। स्थानीय जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा भवन में रविवार को अणुव्रत संगठन यात्रा के पहुंचने स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ पर अणुव्रत गीत संगान व अणुव्रत आचार संहिता के वाचन किया। संगठन मंत्री संजय कुमार जैन ने संगठन यात्रा पर विस्तार से विचार प्रस्तुत करते हुए सर्व समाज की ओर से अणुव्रत को अपनाए जाने के क्षेत्र में विशेष कार्य योजना बनाकर कार्य करने पर जोर दिया। बीकानेर संभाग के प्रभारी अशोक चौरडिया ने अणुव्रत के प्रमुख 11 नियमों की विस्तृत व्याख्या करते हुए उन्हें आमजन की ओर से अपनाए जाने के लिए जन आंदोलन के रूप में अणुव्रत को आगे बढ़ाने को कहा। चमन धतोड़ियां ने कहा कि वर्ष पर्यंत अणुव्रत के प्रकल्पों को एक त्यौहार की तरह मनाए जाकर जन जागृति के कार्य करते रहने चाहिए। समिति के मंत्री नवल किशोर मीणा ने वर्ष पर्यंत अणुव्रत समिति बीदासर की ओर से किए गए प्रकल्पों के संदर्भ में किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी। यात्रा के सदस्यों का समिति के अध्यक्ष दानमल बांठिया, तेरापंथ सभा के अध्यक्ष संपत मल बैद, असलम छिपा की ओर से दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया किया गया। इस दौरान समिति के उपाध्यक्ष महावीर बैद, कोषाध्यक्ष अशोक गीड़िया, सह सचिव गोपाल गुर्जर, धनराज सेखानी, रवि सेखानी, राजकुमार बैगानी, सभा के मंत्री हनुमान मल सेठिया, प्रसन्न कुमार सेठिया आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन के बाद सभी ने साध्वी मंजू यशा सहित विराजमान सभी सतीयों के दर्शन कर मंगल पाठ सुना।

अणुव्रत समिति का समारोह आयोजित, पदाधिकारियों को दिलाई शपथ

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के तेरापंथ भवन में रविवार को साध्वीश्री सरोज कुमारी के पावन सानिध्य में अणुव्रत समिति का शपथग्रहण समारोह आयोजित किया गया। पदाधिकारियों को शपथ आचार्य बालकृष्ण कौशिक ने दिलवाई। इस अवसर पर अध्यक्ष सुमन भंसाली, मंत्री उम्मेदसिंह राठौड़, उपाध्यक्ष डॉ पवन महर्षि व भरत गौड़, कोषाध्यक्ष पृथ्वीसिंह बिदावत, संगठन मंत्री बजरंगलाल शर्मा, प्रचार प्रसार मंत्री शांतिलाल नाहटा, सहमंत्री प्रदीप विद्यार्थी व मनोज कुमार जोशी, मीडिया प्रभारी महावीर प्रसाद सुथार, प्रवक्ता राकेश कुमार प्रजापत, जीवन विज्ञान संयोजक बिंदु छाजेड़, सह संयोजक मिनाक्षी सेठिया व स्नेहा बोथरा, अणुव्रत क्रिएटीविटी कान्टेस्ट संयोजक सुशील निर्वाण, सह संयोजक विजय सिंह व गिरधारी लाल सैनी, सदस्य बाबूलाल भंसाली, सुभाषचन्द्र पारीक, सुरेन्द्रकुमार दूगड़, मोनिका भंसाली ने शपथ ग्रहण की। संरक्षक मण्डल में बाबूलाल बोथरा, सिद्धार्थ चिण्डालिया, कन्हैयालाल सुराणा, संगीता चिण्डालिया को शामिल किया गया।

मां-बेटे और अन्य आरोपियों ने की थी फौजी से मारपीट

मारपीट में घायल फौजी ने इलाज के दौरान दम तोड़ा

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। एक फौजी का पीछा कर किडनैप करने के बाद आरोपियों ने मारपीट की जिसमें घायल हुए फौजी ने इलाज के दौरान दम तोड दिया। जानकारी के अनुसार आरोपी उनसे मारपीट करते हुए अपने घर अमरपुरा कलां ले गया। इसके बाद विक्रम सिंह के परिजनों से फिरौती की मांग की। इसके साथ ही अविनाश, मनीष और उनके अन्य साथियों व परिजनों ने मिलकर सरियों, लाठियों और धारदार हथियारों से विक्रम के साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि 10 जून की शाम करीब 6 बजे की है। 18 राज राइफल्स में हवलदार पद पर तैनात विक्रम सिंह (40) ड्यूटी पर जाने के लिए निकले थे। जिनका पीछा करने के बाद किडनैप किया था।

इलाज के दौरान हुई फौजी की मौत

घायल विक्रम फौजी को उनके परिजनों की ओर से तुरंत सीएचसी सूरजगढ़ लाया गया, जहां से उन्हें बीडीके अस्पताल झुंझुनूं रेफर कर दिया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसी रात करीब 2.30 बजे विक्रम फौजी की मौत हो गई। सेना की हवलदार की ड्यूटी पर लौटते समय किडनैपिंग कर हत्या करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मां-बेटा सहित एक अन्य शामिल है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल किए गए हथियार भी जब्त कर लिए हैं। आरोपियों ने पीछा कर फौजी को पीछा कर किडनैप किया था। इसके बाद बंधक बनाकर फिरौती मांगी और उन्हें बुरी तरह पीटा था। घायलावस्था में घर के बाहर पटककर फरार हो गए थे। घटना झुंझुनूं सूरजगढ़ थाना क्षेत्र के अमरपुरा कलां गांव के पालोता का बास का 10 जून की थी। पुलिस ने मामले में गुरुवार को तीन को गिरफ्तार किया। कार्यवाहक एसपी देवेंद्र सिंह राजावत ने बताया कि मामले में जानकी देवी (45), अविनाश उर्फ़ घघला (26) और मनीष उर्फ सोनू (28) को गिरफ्तार किया गया है। इसके बाद जानकी देवी को न्यायिक हिरासत में भेजा है। जबकि, अविनाश और मनीष को रिमांड पर लिया गया है।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।